@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरूवार, 10 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 240 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

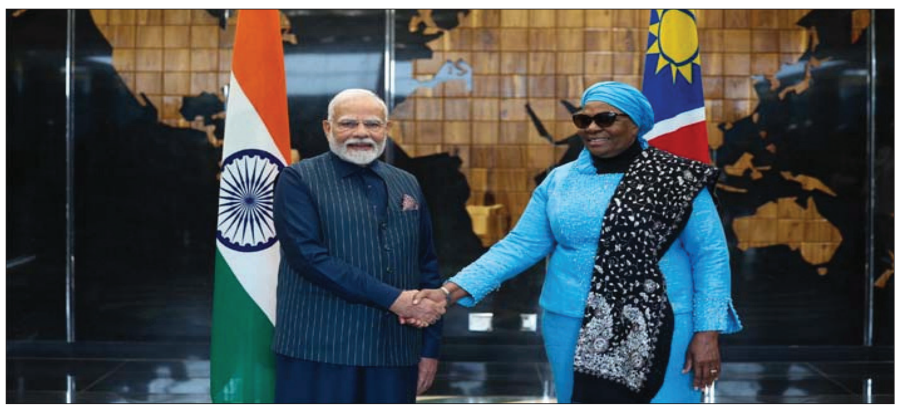

पीएम मोदी को नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

-अब तक का 27वां इंटरनेशनल अवॉर्ड

विंडहोक (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्वित्चिया मिराबिलिस से सम्मानित किया गया। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह ने उन्हें यह सम्मान दिया।

पीएम मोदी बुधवार सुबह एक दिन के दौरे पर नामीबिया में हैं। उनका नामीबिया दौरा 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा का हिस्सा है, जिसमें घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया शामिल हैं। पिछले 8 दिनों की विदेश यात्रा के दौरान नामीबिया, ब्राजील, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और घाना ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है। बतौर प्रधानमंत्री, मोदी का यह 27वां इंटरनेशनल अवॉर्ड है।

21 तोपों की सलामी

नामीबिया पहुंचने पर पीएम मोदी को 21 तोपों की सलामी दी गई। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर मिला। विंडहोक के एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद मोदी का पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया गया। पीएम ने कलाकारों के साथ ढोल भी बजाया। प्रधानमंत्री मोदी 27 सालों बाद नामीबिया जाने वाले भारतीय प्रधानमंत्री है। पीएम मोदी से पहले 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी नामीबिया गए थे। इससे पहले 1990 में उस वक्त पीएम रहे वीपी सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सहित कई हाई रैंक लीडर नामीबिया के स्वतंत्रता दिवस पर वहां गए थे।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ाई है। वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राणा के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए कोर्ट 13 अगस्त को चार्जशीट पर सुनवाई करेगा। ये जांच एजेंसी की आंतकी राणा के खिलाफ दूसरी चार्जशीट है। इसके पहले 2011 में पहली चार्जशीट दायर की गई थी। इसमें एनआईए ने राणा को डेविड हेडली और अन्य आतंकवादियों के साथ 26/11 हमले का साजिशकर्ता बताया था। एनआईए की पूछताछ में राणा ने मुंबई हमले के समय मुंबई में होने और पाकिस्तान का एजेंट होने की बात कबूल ली है। राणा ने माना था कि हमला करने में भी मदद की थी। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल 2025 को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था। इसके पहले सोमवार को सामने आया था कि 26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी राणा मुंबई में था। यह बात आंतकी ने एजेंसी की पूछताछ में कबूल की। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है। उसने बताया कि उसने हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा एनआईए की न्यायिक हिरासत में है, इस दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है।

बड़ी साजिश हुई फेल: पाकिस्तान में बैठे खालिस्तानी रिंदा ने भारत भेजा गोला बारुद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तान में बैठे खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा ने मिलकर साजिश रची थी। साजिश के तहत गोला बारुद भारत भेजा गया, लेकिन वक्त रहते ही इसका खुलासा हो गया है। पंजाब की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया। भारत- पाकिस्तान बॉडर से भारी तादाद में एके 47 हैंड ग्रेनेड गोला-बारूद बरामद हुआ है। सूत्रों की मानें तो पंजाब में भेजी गई खतरनाक हथियारों की यह खेप खालिस्तान आतंकी रिंदा और आईएसआई के इशारे पर भेजी गई थी। पंजाब की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने ही भारत मे बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान आईएसआई और खालिस्तानी आतंकी रिन्दा भारत में बड़े हमले की साजिश रच रहे थे। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, आईएसआई की मदद से रिंदा ने पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए स्थानीय अपराधियों और अलगाववादी तत्वों को संगठित करने की कोशिश की। इस खेप में शामिल अत्याधुनिक हथियारों से साफ है कि आतंकियों का इरादा बड़े पैमाने पर हिंसा फैलाने का था। पुलिस अब इस खेप के तार अन्य आतंकी नेटवर्क और तस्करों से जोड़ने की जांच कर रही है। दरअसल, इस खेप में एके-47 राइफलें, हथगोले और अन्य विस्फोटक सामग्री शामिल हैं। पंजाब पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि आईएसआई और खालिस्तानी आतंकियों के बीच सांठगांठ से भारत में आतंकी हमले की साजिश रची जा रही है। इस सूचना के आधार पर एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने त्वरित एक्शन लेते हुए सीमावर्ती इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान भारत-पाक सीमा के पास एक गुप्त ठिकाने से हथियारों का जखीरा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, यह खेप हरविंदर रिंदा के निर्देश पर तस्करी के जरिए भारत लाई गई थी, जिसका मकसद पंजाब और अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर आतंकी हमले करना था। हरविंदर सिंह रिंदा एक कुख्यात खालिस्तानी आतंकी है। वह लंबे समय से पाकिस्तान में छिप कर भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है।

बोरी में युवती की लाश को बताया आम की बोरी, लोगों को हुआ शक तो छोड़कर भागे

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां बाइक सवार दो युवक एक युवती की लाश बोरी में भरकर फेंकने पहुंचे थे। घटना फिरोजपुर रोड स्थित आरती चौक के पास की बताई जा रही है। वहां मौजूद एक रेहड़ी वाले को शक हुआ तो उसने उन्हें रोका तो वो भाग गए, जिसके बाद पूरा मामला उजागर हुआ। उक्त घटना आरती चौक, फिरोजपुर रोड, लुधियाना की है, जहां बुधवार दोपहर के आसपास एक रेहड़ी वाले जीवन ने देखा कि नीली बाइक पर सवार दो युवक फ्लाईओवर के नीचे डिवाइडर पर बोरी फेंकने की कोशिश कर रहे थे। पूछने पर उन्होंने कहा कि खराब आम फेंक रहे हैं। जब शक हुआ तो उन्होंने बाइक सवारों को रोका और बोरी खोलकर देखा, जिसमें एक युवती की लाश थी।

बिहार में बंद के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव भी सड़कों पर उतरे

मतदाता गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दिखाई एकजुटता, केंद्र और चुनाव आयोग को घेरा

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने बुधवार को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है, वहीं, बिहार में इंडिया गठबंधन ने चक्का जाम किया। बिहार में विपक्षी दलों ने मिलकर मतदाता गहन पुनरीक्षण के खिलाफ बंद को सफल बनाने में एकजुटता दिखाई। बिहार बंद के दौरान राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक ट्रक पर सवार होकर बंद में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य ने एक साथ विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध किया। बिहार बंद के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि इलेक्शन कमीशन ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। गरीबों का पहले वोटर लिस्ट से नाम काटेंगे फिर राशन बंद कर देंगे।

बिहार चुनाव से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहली बार एक साथ सड़क पर उतरे। इस दौरान राहुल और तेजस्वी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर बरसे। बता दें बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान चला रहा है, जिसका विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन का आरोप है कि चुनाव आयोग जिन 11 दस्तावेजों की मांग कर रहा है, वे दस्तावेज राज्य के गरीब तबकों के पास नहीं हैं। इससे करोड़ों नाम मतदाता सूची से हट सकते हैं। बिहार बंद के दौरान पटना में लोगों को संबोधित करते हुए

राहुल गांधी ने कहा कि बिहार की जनता और युवाओं का स्वागत है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव हुए। महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया गठबंधन को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि मैंने ज्यादा कुछ नहीं कहा पर डेटा पर काम करना शुरू किया। वहां एक करोड़ नए वोटरों को शामिल किया गया था। लोकसभा चुनाव से 10 फीसदी ज्यादा वोटर विधानसभा चुनाव में नामित हुए, जहां वोटर बढ़े, सभी वोट बीजेपी को गए। वहां गरीबों के वोट काटे गए। जब हमने मतदान केंद्र के वीडियो और वोटर लिस्ट मांगी, तो आज तक हमें नहीं दी गई। वीडियोग्राफी का कानून बदल दिया गया पर आज तक हमें कोई वीडियो नहीं दिया गया।

बिहार बंद के दौरान महागठबंधन नेता ट्रक के ऊपर से भाषण दे रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब सुनारों में क्रांति नहीं होगी, नतीजे में क्रांति होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब एनडीए की दादागिरी नहीं चलने दी जाएगी। राहुल गांधी पटना पहुंचकर सभी के साथ हैं, इसके लिए उनका धन्यवाद। वहीं दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का फरमान बेईमानी का फरमान है। मुकेश सहनी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशा पूरी नहीं होने देंगे, जिस वोटर से लोकसभा चुनाव हुआ वह अब गलत कैसे हो गया। सभी को एकजुट इस लड़ाई को लड़ना होगा।

वहीं राहुल गांधी का काफिला शहीद स्मारक पहुंचा। आगे निर्वाचन आयोग की तरफ जाने की अनुमति नहीं दी गई। सड़क पर बैरिकेडिंग की गई। पुलिस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोकती रही। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरकेडिंग को तोड़ने का प्रयास किया। बिहार बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई।

बिहार बंद को लेकर जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला किया है। नीरज ने अपने पोस्ट में लिखा- क्या यही चक्का जाम है? राहुल गांधी जी, तेजस्वी यादव जी, ज़रा गौर से देखिएज् बस का चक्का घूम रहा है या नहीं? आंदोलन के नाम पर भी फर्जीवाड़ा? जनता अब सब देख रही है- यह आंदोलन नहीं नौटंकी है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि राहुल गांधी जी और लेफ्ट ने भी बिहार बंद में सहयोग किया है. इलेक्शन कमीशन कंफ्यूज है कि क्या करना है, तभी बार-बार नोटिफिकेशन बदल रहा है. हमारे किसी सवाल का जवाब इलेक्शन कमीशन ने नहीं दिया. इसपर इनको मुंहतोड़ जवाब मिलेगा. बिहार में कानून नहीं बचा है. नीतिश कुमार अचेत हैं. उनको निकलने नहीं दिया जाता, बोलने नहीं दिया जाता. वो हाईजैक हो रखे हैं.

जाम में फंसी एंबुलेंस

बिहार बंद के दौरान गोपालगंज में आरजेडी और माले कार्यकर्ताओं ने एनएच-27 को जाम कर दिया। आगजनी कर सड़कों को जाम किया गया, जिसमें एंबुलेंस समेत दूध और कच्चे माल वाली गाड़ियां फंसी रही। हालांकि बाद में एंबुलेंस को जाम से बाहर निकाला गया। आरजेडी विधायक प्रेम शंकर यादव के साथ समर्थकों ने सुबह से ही ईस्ट एंड वेस्ट कॉरिडोर को जाम कर दिया। यूपी सीमा से लेकर मोतिहारी बॉर्डर तक नेशनल हाइवे पर चक्का किया गया।

गुजरात में बड़ा हादसा: वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाला पुल टूटा, चार वाहन नदी में गिरे, 4 की मौत

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात में बुधवार सुबह करीब 8 बजे एक बड़ा हादसा हो गया, जब वडोदरा के पादरा और आणंद जिले को जोड़ने वाला 45 साल पुराना पादरा-गंभीरा पुल महिसागर (माही) नदी पर ढह गया। हादसे के समय पुल पर से गुजर रहे दो ट्रक, एक बोलेरो और एक जीप नदी में गिर गए। अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

हादसे की खबर मिलते ही मुजपुर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल और स्वास्थ्यकर्मी भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर मौजूद गोताखोरों ने पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। इस हादसे की वायरल हुई तस्वीरों और वीडियो फुटेज में एक टैंकर पुल की टूटी रेलिंग पर लटका हुआ नजर आया है। जानकारी अनुसार गंभीर पुल, जो मध्य गुजरात को सौराष्ट्र क्षेत्र से जोड़ता है, वडोदरा और आणंद के बीच यातायात का एक प्रमुख मार्ग था। पुल के जर्जर हालत को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से प्रशासन को चेता रहे थे। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार पुल की मरम्मत की मांग की गई, लेकिन प्रशासन ने इसे नजरअंदाज कर दिया, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

पुल के टूटने के बाद नदी में गिरे वाहनों को बाहर निकालने का काम जारी है। प्रशासन ने एक तकनीकी जांच समिति गठित कर दी है। सड़क एवं भवन विभाग के सचिव पी.आर. पटेलिया ने मीडिया को बताया कि एक स्पैन डैमेज हुआ है, इसकी विस्तृत जांच के लिए एक्सपर्ट्स की टीम भेज दी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने गुजरात में पुलों की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं और एक बार फिर बुनियादी ढांचे की निगरानी और मरम्मत व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक लापरवाही उजागर हुई है। फिलहाल राहत कार्य जारी है और नदी में गिरे बाकी वाहनों और संभावित पीड़ितों की तलाश की जा रही है।

राजस्थान के चुरू में आर्मी का फाइटर प्लेन क्रैश, दो शव बरामद

-4 माह में तीसरा जगुआर जेट क्रैश

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के चुरू में बुधवार को एक फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। मलबे से दो शव भी बरामद किए हैं। यह वायुसेना का टू सीटर जगुआर लड़ाकू विमान था। लड़ाकू विमान ने सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ान भरी थी और इसमें दो पायलट सवार थे।

चुरू के रतनगढ़ के पास ये हादसा हुआ है

जानकारी अनुसार बुधवार दोपहर तेज आवाज के साथ लोगों ने विमान को जमीन पर बिखरे हुए देखा। कुछ ही पलों में खेतों में दूर तक विमान का मलबा बिखर गया, जिसमें आग लग चुकी थी। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने दो लोगों के क्षत-विक्षत शव भी देखे। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। मलबे से दो शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 1.25 पर भनोदा गांव के खेतों में विमान गिरा। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के पास मानव अंग बरामद किए हैं।

ग्रामीणों में दहशत, भारी संख्या में जुटी भीड़

ग्रामीणों के मुताबिक, उन्होंने तेज धमाके की आवाज के बाद धुएं का गुबार उठता देखा। घटना की

जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। कई लोग घटनास्थल के पास जमा हो गए हैं।

4 माह में तीसरा जगुआर जेट क्रैश

वायुसेना बीते 4 महीने में तीन जगुआर फाइटर प्लैन खो चुकी है। 7 मार्च 2025 को हरियाणा के पंचकुला में वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनिंग मिशन के दौरान क्रैश हुआ था। पायलट ने समय रहते बाहर निकल आया और हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, 2 अप्रैल 2025 को जामनगर में रात के अभ्यास मिशन में उड़ान भरते समय जगुआर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में एक पायलट की मौत हुई, जबकि दूसरा घायल हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के खिलाफ साजिश!

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 जुलाई। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा डाले गए कई भड़काऊ और अत्यंत विवादास्पद वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह के खिलाफ गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाए जा रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर इस प्रकार फैलाए जा रहे हैं जैसे किसी विशेष अभियान के तहत भारत के शीर्ष नेतृत्व की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा हो। जहाँ एक ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का अहम स्तंभ है, वहीं दूसरी ओर यह घटनाक्रम इस स्वतंत्रता की आड़ में चल रही चरित्र हनन की सुनियोजित साजिश प्रतीत होता है। कई वीडियो में डॉ. स्वामी ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को न्यायपालिका, विदेश नीति और आपराधिक मामलों से जोड़ते हुए बिना किसी प्रमाण के इशारों-इशारों में गंभीर आरोप लगाए हैं। ऐसे बयानों से सार्वजनिक जीवन में भारी नुकसान हुआ है। सोशल मीडिया की ताकत ने इन वीडियो को लाखों लोगों तक पहुंचा दिया है, जिससे अफवाहें, भ्रम और असंतोष को बढ़ावा मिल रहा है। विशेष रूप से युवा वर्ग और विदेशों में बसे भारतीयों पर इसका बड़ा असर देखा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि अब तक भारत सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, और डॉ. स्वामी से किसी प्रकार की

पूछताछ भी नहीं की गई है। सरकार की इस चुप्पी को कुछ लोग सत्य का संकेत मान कर सोशल मीडिया पर और अधिक गुमराह कर रहे हैं, जिससे सरकारी नेतृत्व के प्रति विश्वास को आघात पहुंच रहा है। यह याद रखना आवश्यक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भारत को निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति हो, आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात—इन दोनों नेताओं ने भारत को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री मोदी का नारा ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा आज भी ईमानदार शासन का प्रतीक है। वहीं, श्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में आतंकवाद, माफिया और विघटनकारी ताकतों पर कड़ी कार्रवाई हुई है। इस प्रकार की झूठी और भ्रामक प्रचार सामग्री के विरुद्ध सरकार को चाहिए कि वह तुरंत आधिकारिक बयान जारी करे और साथ ही संबंधित एजेंसियाँ इस बात की जांच करें कि इन वीडियो के पीछे कौन लोग हैं, उनका उद्देश्य क्या है, और क्या कोई विदेशी या राजनीतिक फंडिंग इसमें शामिल है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का स्थान है, लेकिन झूठे आरोपों और साजिशों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। देश की जनता को सच जानने का अधिकार है। इन सभी दुष्प्रचारों के बावजूद, देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मजबूती से खड़ी है। देशवासी सच और झूठ के बीच फर्क करना जानते हैं, और उन्होंने काम बोलता है, आरोप नहीं—इस सिद्धांत पर विश्वास किया है।

मौत का फतवा, सिर लाने पर 20 करोड़ के इनाम के बाद अब ड्रोन अटैक की धमकी, क्या ट्रंप की जान खतरे में है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के आंखों की दो ही किरकिरी हैं। एक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तो दूसरे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू। अब इन दोनों ही नेताओं पर कभी ईरान के धर्मगुरुओं की तरफ से फतवे जारी किए जाते हैं तो कभी इनकी मौत पर इनाम की घोषणा की जाती है। अब ईरानी अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब अपने फ्लोरिडा स्थित आवास, मार-ए-लागो में सुरक्षित नहीं हैं, और संकेत दिया है कि धूप सेंकते समय भी उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी सलाहकार और एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती जावेद लारीजानी ने एक टेलीविज़न साक्षात्कार में कहा कि ट्रम्प के कार्यों ने उन्हें निशाने पर ला दिया है। लारीजानी ने कहा कि ट्रम्प ने कुछ ऐसा कर दिया है कि अब वे मार-ए-लागो में धूप सेंक नहीं सकते। जब वे वहाँ पेट के बल धूप में लेटे होंगे, तो कोई छोटा ड्रोन उनकी नाभि में जा सकता है। यह बहुत आसान है।

सिर लाने पर 20 करोड़ रुपए का इनाम

ईरान के कट्टरपंथी नेता ने ट्रंप की हत्या पर ईनाम रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के सिर पर 20 करोड़ रुपए के इनाम का ऐलान किया गया है। ईरान के पश्चिम अजरबैजान प्रांत के एक प्रमुख धार्मिक नेता मंसूर इमामी ने एक सभा में कहा है कि जो कई भी ट्रंप का सिर लाएगा उसे हम 100 अरब डोमान देंगे। मंसूर इमामी इस्लामी प्राचर संगठन प्रांतिय निदेशक हैं और ये बयान उन्होंने अजरी भाषा में दिया है। वहीं एक ईरानी वेबसाइट पर पब्लिक फंड रेजिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें दावा किया जा रहा हैकि ट्रंप की हत्या के लिए 20 मिनियन डॉलर तक एकट्ठा हो चुका है।

ईरानी धर्मगुरुओं ने जारी किया फतवा

इससे पहले ईरान के दो शिया धर्मगुरुओं ने ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ मौत का फतवा जारी किया था। ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ग्रैंड अयातुल्ला नासर मकारम शिराजी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी करते हुए उन्हें अल्लाह का दुश्मन कहा है और दुनिया भर के मुसलमानों से कार्रवाई करने का आग्रह किया है। मकारम ने फतवे में कहा कि कोई भी व्यक्ति या शासन जो नेता या मरजा (भगवान न करे) को धमकी देता है, उसे सरदार या मोहरेब माना जाता है।

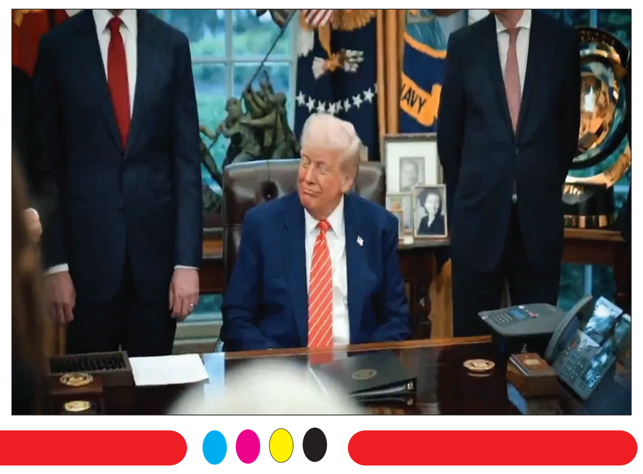

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने एचटीएस से हटाया विदेशी आतंकवादी संगठन का दर्जा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सीरिया के हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) से विदेशी आतंकवादी संगठन का दर्जा हटा लिया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सीरिया पर प्रतिबंधों को हटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 23 जून को जारी इस ज्ञापन पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए है। इसे मंगलवार को आधिकारिक तौर पर फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। पिछले साल दिसंबर में एचटीएस ने अन्य इस्लामी विद्रोहियों के साथ मिलकर सीरिया के तत्कालीन राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटा दिया था। एचटीएस के तत्कालीन नेता अहमद अल-शरा अब सीरिया के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने सीरिया को एक समावेशी व लोकतांत्रिक देश बनाने की इच्छा जताई है। यह कदम ट्रंप की ओर से पिछले सप्ताह सीरिया पर अमेरिकी प्रतिबंधों को समाप्त करने वाले कार्यकारी आदेश के बाद आया है। इसका उद्देश्य देश को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली से अलगाव खत्म करना और विनाशकारी गृहयुद्ध के बाद पुनर्निर्माण में मदद करना है।

काहिरा में टेलिकॉम कंपनी की बिल्डिंग में भीषण आग, 14 लोग घायल

काहिरा, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के बीचोंबीच स्थित प्रमुख टेलिकॉम कंपनी टेलिकॉम इजिप्ट की 10 मंजिला इमारत में सोमवार को भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर कम से कम 14 लोग घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हेल्थ मिनिस्ट्री के अनुसार, घायलों में दो आपातकालीन कर्मी भी शामिल हैं जिन्हें हाथों में जलने के कारण इलाज की जरूरत पड़ी। आग सातवीं मंजिल पर स्थित एक उपकरण कक्ष से शुरू हुई और देखते ही देखते फैल गई। घटना काहिरा के रामसेस इलाके में हुई। घटना के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। मौके पर कई एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं। दमकलकर्मी सीढ़ियों के सहारे ऊपरी मंजिलों तक पहुंचे और पानी की तेज बौछार से आग पर काबू पाया। इस आग से इंटरनेट, मोबाइल फोन और ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं में कुछ समय के लिए रुकावट आई। टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ने कहा है कि सेवाएं कुछ घंटों में पूरी तरह बहाल कर दी जाएंगी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में तीन ऑयल टैंकरों को अगवा किया, सात क्रू मेंबरों का अपहरण

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन तेल टैंकरों को अगवा कर लिया और सात क्रू मेंबरों का अपहरण कर लिया। यह घटना बन्नू जिले के टूची ब्रिज इलाके में मरवत नहर के पास हुई, जो उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सलीम खान कुलाची ने बताया कि ये काफिला उत्तरी वजीरिस्तान जा रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने रास्ता रोककर तीनों ऑयल टैंकरों को कब्जे में ले लिया और सात कर्मचारियों को उठा ले गए। पुलिस ने बक्का खेल थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है और इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। अब तक किसी भी संगठन ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है और न ही किसी फिरौती की मांग सामने आई है। बन्नू जिले में हाल के दिनों में हिंसा बढ़ी है। पिछले हफ्ते एक जिरगा (पारंपरिक पंचायत) पर गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हुए थे। वहीं इस महीने की शुरुआत में ग़ोरीवाला कस्बे में एक पुलिसकर्मी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अमेरिका में रह रहे 80,000 होंडुरास और निकारागुआ नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा खत्म

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में रह रहे करीब 80,000 होंडुरास और निकारागुआ नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीएसपी) सुरक्षा खत्म करने का फैसला किया है। यह लोग 1998 में आए विनाशकारी तूफान मिच के बाद से अमेरिका में रह रहे थे और 25 वर्षों से उन्हें काम करने और देश में रहने की अनुमति मिली हुई थी। मामले में अब ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन देशों की स्थिति पहले से बेहतर हो गई है, इसलिए इन्हें अब अपने देश लौट जाना चाहिए। यह फैसला अमेरिका की आव्रजन सख्ती नीति का हिस्सा है, जिसके तहत ट्रंप प्रशासन अधिक से अधिक लोगों को निर्वासन (डिपोर्ट) के योग्य बना रहा है। टीपीएस यानी टेम्परारी प्रोटेक्टेड स्टेटस एक अस्थायी सुरक्षा होती है जो अमेरिका में कुछ देशों के नागरिकों को दी जाती है, यदि उनके देश में युद्ध, आपदा या अन्य गंभीर संकट हो। यह सुरक्षा डिपोर्ट से बचाव और काम करने की अनुमति देती है, लेकिन नागरिकता का रास्ता नहीं देती। अब बात अगर ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से प्रभावित होने वाले लोगों की करें तो इससे 72,000 होंडुरास और 4,000 निकारागुआ नागरिकों को यह सुरक्षा मिली हुई थी। टीपीएस एलायंस का कहना है कि कई लोग अब वैध निवास पा चुके हैं, इसलिए करीब 40,000 होंडुरास नागरिक सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। सुरक्षा की अवधि 5 जुलाई को समाप्त हो चुकी है और अब 60 दिनों के भीतर यह पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

ट्रम्प भारतीय मूल के ममदानी से बोले– तमीज से पेश आइए, मेयर उम्मीदवार ने कहा था– नेतन्याहू न्यूयॉर्क आए तो गिरफ्तार होंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट और न्यूयॉर्क मेयर उम्मीदवार जोहरान ममदानी को तमीज से पेश आने की हिदायत दी है। ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा कि वह (ममदानी) सोशलिस्ट नहीं हैं, वह कम्युनिस्ट हैं। उन्होंने यहूदी लोगों के बारे में कुछ बहुत बुरी बातें कही हैं। मुझे लगता है कि वह इस समय हनीमून पीरियड पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने न्यूयॉर्क सिटी से ममदानी की मेयर पद की उम्मीदवार को लेकर कहा, वह जीत नहीं पाएंगे। अगर जीत भी गए तो उन्हें फंड की जरूरत पड़ेगी। लेकिन यह सब व्हाइट हाउस के जरिए आता है। उन्हें व्हाइट हाउस के जरिए पैसे की जरूरत है। उन्होंने अपना व्यवहार ठीक नहीं किया को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। दरअसल, ममदानी ने यहूदी विरोधी विचारधारा को लेकर कहा था कि, अगर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू न्यूयॉर्क आए, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है।

ट्रम्प ने टैरिफ डेडलाइन 1 अगस्त तक बढ़ाई

बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की है कि वे ग्लोबल टैरिफ बढ़ाने की अंतिम तारीख 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान भी किया है। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी। इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25प्रतिशत टैक्स लगाया गया है, जबकि कुछ पर 30प्रतिशत से 40प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाया गया है।

दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25प्रतिशत शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके।

ट्रम्प ने अप्रैल में पहली बार सभी अमेरिकी आयात पर 10प्रतिशत बेसलाइन टैक्स और 60 देशों पर अलग-अलग टैक्स लगाने की बात की थी। उस घोषणा के बाद दुनियाभर के शेयर और बॉन्ड बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, इसलिए उन्होंने टैरिफ को कुछ समय के लिए टाल दिया था और देशों को अमेरिका के साथ नई डील करने का मौका दिया था। पहले उन्हें 8 जुलाई तक का वक्त दिया गया था, ताकि 9 जुलाई से नए टैरिफ लागू हो सकें। अब ये डेडलाइन बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी गई है।

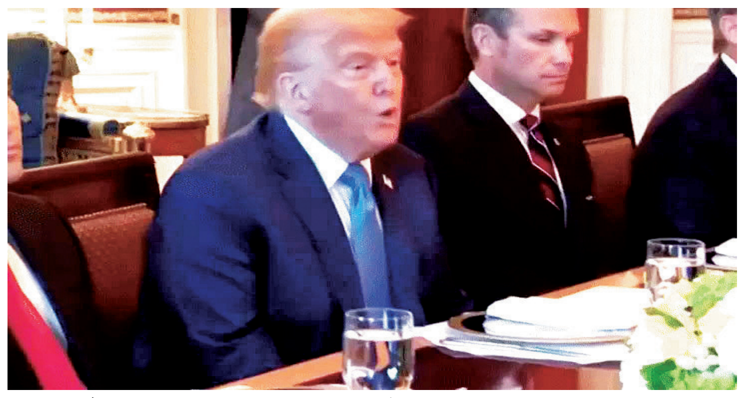

भारत, यूरोपीय यूनियन के साथ ट्रेड डील जल्द : न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ट्रम्प इस हफ्ते कई देशों के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील बहुत करीब पहुंच चुकी है। यूरोपीय यूनियन भी अमेरिका के साथ समझौता करने के काफी नजदीक है। इसके साथ ही पाकिस्तान, ताइवान और स्विटजरलैंड जैसे दूसरे देश में अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने का रास्ता तलाश रहे हैं।

यूएस ने 2 देशों के साथ शुरुआती ट्रेड डील की : अब तक अमेरिका ने सिर्फ ब्रिटेन और वियतनाम के साथ दो शुरुआती डील की हैं। हालांकि, इन समझौतों में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वियतनाम वाले सौदे में तो किसी भी पक्ष ने यह भी साफ नहीं किया कि वास्तव में किन बातों पर सहमति बनी है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने ब्रिटेन पर 10प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। इसके अलावा स्टील और एल्युमीनियम पर अलग से अमेरिका 25प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। वहीं, ब्रिटेन, अमेरिकी सामानों पर 0प्रतिशत टैरिफ लगाएगा।

वहीं, अमेरिका ने वियतनाम पर 20प्रतिशत टैरिफ लगाया है। यानी कि वियनताम के सामान अमेरिका में 20प्रतिशत ज्यादा कीमत पर बिकेंगे। वहीं, वियतनाम ने अमेरिकी सामानों पर 0प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

जापान-साउथ कोरिया से नहीं हुई ट्रेड डील : जापान और साउथ कोरिया अमेरिका के करीबी साथी हैं, लेकिन उनके साथ अमेरिका की ट्रेड डील नहीं हो पाई। इसकी वजह यह भी है कि दोनों देशों में चुनाव होने वाले हैं। साथ ही ट्रम्प इन दोनों देशों के सबसे अहम प्रोडक्ट्स जैसे कि कार, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स पर अलग से ज्यादा टैरिफ लगाने की बात भी कर रहे हैं।

ट्रम्प बोले- यूएस, भारत के साथ डील करने के करीब ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करते हुए पत्रकारों से भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, अमेरिका ने ब्रिटेन और चीन के साथ समझौता किया है। अब भारत के साथ भी व्यापार समझौते पर पहुंचने के करीब है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया। उन्होंने कहा, हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था। चीन ने अमेरिका से कहा- धमकी मत दो ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी का ब्रिक्स के प्रमुख देश चीन ने कड़ा विरोध किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर एक सकारात्मक संगठन है।

निंग ने कहा, चीन किसी भी प्रकार के टैरिफ और ट्रेड वॉर का विरोध करता है। टैरिफ लगाने के नाम पर धमकाना अथवा गैरजरूरी दबाव डालने का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। भारत-अमेरिका वॉशिंगटन में बातचीत कर रहे ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ लगाया था, बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया। इसकी डेडलाइन 9 जुलाई 2025 को खत्म हो रही थी, जिसे 1 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। अगर 1 अगस्त से पहले यह समझौता नहीं हुआ, तो भारत पर 26प्रतिशत टैरिफ लागू हो सकता है। भारत और अमेरिका की टीमें लगातार वॉशिंगटन में बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि डील के ज्यादातर हिस्सों पर सहमति बन चुकी है, और 8 जुलाई को इसका ऐलान हो सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत राष्ट्रीय हितों को सबसे ऊपर रखेगा।

नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में बाढ़ : 12 नेपाली, 6 चीनी लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में मंगलवार सुबह करीब 3 बजे अचानक बाढ़ आ गई। इसमें 18 लोग लापता हैं, जिसमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक हैं। 12 नेपालियों में 3 पुलिसकर्मी, 9 नागरिक हैं। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। बाढ़ में नेपाल को चीन से जोड़ने वाला मेन पुल मिटेरी ब्रिज भी ढह गया। इसमें कस्टम पोर्ट पर खड़ी कई गाड़ियां नदी के तेज बहाव में बह गईं।

मिटेरी ब्रिज से चीन-नेपाल के बीच रोजाना लाखों रुपए का व्यापार होता था। पुल बह जाने से नेपाल को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। बाढ़ में पासंग ल्हामू हाईवे पर भी कई जगह लैंडस्लाइड हुआ। अधिकारियों के अनुसार, सड़क का बड़ा हिस्सा नदी के साथ बह गया है। बाढ़ से नेपाल का रसुवाजिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां परिवहन और रेस्क्यू ऑपरेशन, दोनों को दिक्कत हो रही है।

सशस्त्र पुलिस बल नेपाल ने बताया कि भोटेकोशी नदी के बढ़ते पानी ने तिमुरे में एक ईवी चार्जिंग स्टेशन से आठ इलेक्ट्रिक वाहन और रासुवा कस्टम्स यार्ड से नौ कंटेनर इकाइयों को भी बहा दिया। रसुवा के रासुवागढ़ी हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स को भी नुकसान पहुंचा है, जिसके कारण 200 मेगावाट तक बिजली उत्पादन पूरी तरह रुक गया है।

भोटेकोशी नदी में बहा ब्रिज : मैत्री पुल नेपाल और चीन को कनेक्ट करने वाला मुख्य ब्रिज था। भोटेकोशी नदी पर बना यह पुल नेपाल के रसुवा जिले को चीन से जोड़ता था। हालांकि, भारी बारिश के कारण भोटेकोशी नदी में बाढ़ के हालात बन गए। बीती रात तकरीबन 3:15 बजे पुल भी बाढ़ में बह गया।

पेट्रो ने अमेरिका से रिश्ते सुधारने के लिए ट्रंप को भेजा सफाई पत्र, साजिश के आरोपों से झाड़ा पल्ला

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने जून में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक गोपनीय पत्र भेजा। इस पत्र में उन्होंने कहा कि उनकी किसी भी टिप्पणी का मकसद अमेरिकी अधिकारियों पर तख्तापलट की साजिश का आरोप लगाना नहीं था। यह पत्र 23 जून को लिखा गया था और सोमवार को कोलंबियाई मीडिया में लीक हो गया। बता दें कि यह पत्र पेट्रो के उस भाषण के बाद आया, जिसमें उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर अपनी सरकार को गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

हालांकि, अब पत्र में उन्होंने कहा है कि उनकी बात को गलत तरीके से समझा गया और उनके बयान का मकसद किसी पर सीधा आरोप लगाना नहीं था। उन्होंने अमेरिका-लैटिन अमेरिका सम्मेलन बुलाने की भी बात कही। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ट्रंप ने यह पत्र देखा है या नहीं।

दोनों देशों के रिश्ते को मजबूत करने के लिए पत्र एक कोशिश

मामले में कोलंबिया की विदेश मंत्री लौरा साराबिया ने पुष्टि की कि यह पत्र दोनों देशों के रिश्ते मजबूत करने की कोशिश का हिस्सा था। लेकिन इसी हफ्ते अमेरिका ने कोलंबिया में अपने शीर्ष राजनयिक को वापस बुला लिया, यह कहते हुए कि कोलंबियाई सरकार के उच्च स्तर से बेबुनियाद और निंदनीय बयान दिए गए हैं। जवाब में कोलंबिया ने भी अमेरिका से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है।

कोलंबिया और अमेरिका की साझेदारी

बता दें कि कोलंबिया और अमेरिका दशकों से ड्रग्स के खिलाफ अभियान में साझेदार रहे हैं। अमेरिका ने बीते 20 वर्षों में कोलंबिया को 13 अरब डॉलर से ज्यादा की मदद दी है। लेकिन 2022 में पेट्रो के सत्ता में आने के बाद से रिश्तों में बदलाव आया है। पेट्रो जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ ऊर्जा को प्राथमिकता दे रहे हैं।

कोलंबिया और अमेरिका के रिश्ते में तनाव

गौरतलब है कि जनवरी में पेट्रो और ट्रंप में तब टकराव हुआ जब कोलंबिया ने अमेरिका से भेजे गए दो डिपोर्टेशन फ्लाइट्स को उतरने नहीं दिया। ट्रंप ने इसके जवाब में 25त्न टैरिफ की धमकी दी, लेकिन दोनों देशों के बीच बातचीत से मामला सुलझ गया। इसके बाद हाल ही में पेट्रो ने दो अमेरिकी सांसदों पर भी तख्तापलट की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे दोनों ने खारिज किया।

इस संबंध में सामने आए ऑडियो लीक की जांच कोलंबियाई प्रशासन ने शुरू कर दी है। ऐसे में यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब कोलंबिया में कोकीन उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, 2023 में कोलंबिया की कोका खेती का क्षेत्र 2.53 लाख हेक्टेयर हो गया, जो 2020 की तुलना में 40प्रतिशत अधिक है।

इजराइल ने ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया : नेतन्याहू बोले- आप इसके हकदार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात के दौरान इसकी जानकारी दी।

नेतन्याहू ने कहा, मैं आपको वह लेटर दिखाना चाहता हूं जो मैंने नोबेल पुरस्कार कमेटी को भेजा है। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। आप इसके हकदार हैं। आपको यह मिलना चाहिए। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने यह फैसला मिडिल ईस्ट में शांति के लिए ट्रम्प की तरफ से की जा रही कोशिशों के मद्देनजर किया है। इजराइल से पहले पाकिस्तान ने 20 जून को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प के नाम की सिफारिश की थी।

इससे पहले ट्रम्प भी कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने कई देशों के बीच जंग रुकवाई और उन्हें नोबेल मिलना चाहिए। उन्होंने 22 जून को कहा था, मुझे नोबेल शांति पुरस्कार 4-5 बार मिलना चाहिए था। लेकिन वे मुझे ये पुरस्कार नहीं देंगे क्योंकि वे इसे केवल लिबरल्स को देते हैं। ट्रम्प ने दोहराया- भारत-पाक समेत कई देशों के विवाद निपटाए राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया। इसके साथ ही उन्होंने कोसोवो-सर्बिया और रवांडा-कांगो के बीच संघर्ष रोकने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा- हमने कई झगड़े रोके, जिनमें भारत और पाकिस्तान का बहुत बड़ा विवाद शामिल था। हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था।

पाकिस्तान आर्मी चीफ ने कहा था- ट्रम्प ने भारत-पाक संघर्ष रुकवाया पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने 18 जून को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था।

इसके दो दिन बाद पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। पाकिस्तान ने कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। सितंबर में शुरू होगा नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेशन नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे। हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है।

रूस के पूर्व परिवहन मंत्री ने गोली मारकर आत्महत्या की, पुतिन ने कुछ घंटे पहले ही मंत्रिमंडल से हटाया था, भ्रष्टाचार का आरोप था

मॉस्को, एजेंसी। रूस के पूर्व परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट ने सोमवार को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रूस की ताश न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें कुछ घंटे पहले ही बिना कारण बताए पद से बर्खास्त कर दिया था। उन पर भ्रष्टाचार का आरोप था।

अधिकारियों ने बताया कि स्टारोवोइट को मॉस्को के पास ओडिंटसोवो में मृत पाया गया। फिलहाल घटना की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। रूस की जांच समिति ने बताया कि स्टारोवोइट का शव उनकी कार में मिला।

स्टारोवोइट की जगह एक पूर्व गवर्नर आंद्रेई निकितिन को अस्थायी परिवहन मंत्री नियुक्त किया गया है। स्टारोवोइट परिवहन मंत्री बनने से पहले पांच साल तक यूक्रेन की सीमा से सटे कुर्स्क क्षेत्र के गवर्नर थे।

स्टारोवोइट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे : रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार स्टारोवोइट की बर्खास्तगी का कारण 5-6 जुलाई को हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों को माना जा रहा है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों की वजह से देशभर में लगभग 300 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। यूक्रेनी हमलों में रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर एक टैंकर में भी विस्फोट हुआ था। विस्फोट के कारण 6 जुलाई को अमोनिया का रिसाव हुआ, जिससे दिक्कतें और ज्यादा बढ़ गईं।

वहीं, स्टारोवोइट की बर्खास्तगी को कुर्स्क में भ्रष्टाचार के मामलों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कुर्स्क में स्टारोवोइट के गवर्नर पद छोड़ने के कुछ महीनों बाद यूक्रेनी सैनिकों ने वहां हमला किया था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस में सबसे बड़ा विदेशी हमला था। इसी समय स्टारोवोइट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। स्टारोवोइट के बाद कुर्स्क के नए गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव पर अप्रैल में पैसों की हेराफेरी का आरोप लगा।

रूस का यूक्रेन पर 550 मिसाइल और ड्रोन से हमला : रूस ने यूक्रेन पर 4 जुलाई की सुबह 500 मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इनमें से 270 मिसाइलों को हवा में मार गिराया गया। इनके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया गया। ये ड्रोन ईरान में बने हैं।

इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही थी। कीव के अलावा दिनप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचा। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि इस हमले में 23 लोग घायल हुए। इनमें से 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस हमले से कीव के कई इलाकों में अपार्टमेंट बिल्डिंग, दुकानों, एक स्कूल, एक अस्पताल, रेलवे लाइन और दूसरे जरूरी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक धमाकों की आवाजें 3 जुलाई को रात 10 बजे से ही सुनाई देने लगी थीं और ये 4 जुलाई की सुबह तक जारी रहीं।

जवाबी कार्रवाई करते हुए यूक्रेन ने भी 5-6 जुलाई को रूस के कई ठिकानों पर ड्रोन हमला किया था, जिसमें रूस के बंदरगाह को निशाना बनाया गया था।

यूक्रेन का दावा- रूस के 41 विमानों को तबाह किया : यूक्रेन ने जून में रूस के 41 लड़ाकू विमानों को तबाह किया था। यूक्रेनी वेबसाइट कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूस के मरमंस्क में ओलेन्या एयर बेस, इरकुत्स्क में बेलाया एयर बेस, इवानोवो में इवानोवो एयर बेस और अमूर व डायगिलेवो एयर बेस को निशाना बनाया।

रूस का बेलाया एयरबेस यूक्रेनी सीमा से 4 हजार किमी से भी ज्यादा दूर है। यह रूस के साइबेरिया इलाके में स्थित है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी (एसबीयू) ने इस हमले को अंजाम दिया, जिसमें एफपीवी (फर्स्ट-पर्सन-व्यू) ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया। इसमें ए-50, टीयू-95 और टीयू-22 जैसे स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स को निशाना बनाया गया।

एसबीयू के एक अधिकारी ने कहा कि यह हमला उन्होंने खुद के बचाव में किया है, क्योंकि ये रूसी विमान अक्सर यूक्रेनी शहरों पर बम गिराते हैं। रूस ने इस हमले की पुष्टि की है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, नुकसान की लागत 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (17 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा) हो सकती है।

लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से बौखला गए हैं 'बबुआ': सीएम योगी

कौमी पत्रिका

गोरखपुर, 9 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जहां एक दिन में प्रदेश में 37 करोड़ पौधरोपण के विशिष्ट महाभियान में तीन स्थानों पर खुद शामिल होकर इसे गतिमान किया तो वहीं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाने वाले विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर खासे आक्रामक रहे। उन्होंने पूर्ववर्ती सपा सरकार के कार्यकाल की कुछ योजनाओं के आंकड़ों के साथ पोल खोली। गोरखपुर के पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सपा सरकार के कार्यकाल में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के टेंडर और जेपीएनआईसी से जुड़े आकड़ों का हवाला देते हुए सीधा हमला बोला और बिना किसी नेता का नाम लिए कहा कि लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से 'बबुआ' बौखला गए हैं। सीएम योगी बुधवार को पौधरोपण महाभियान 2025 के अंतर्गत चिलुआताल के किनारे पौधरोपण करने के पूर्व जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम-2.0' थीम पर खाद कारखाना से सटे चिलुआताल के किनारे हरिशंकरी (पीपल, बरगद, पाक ?) का पौधरोपण कर पवित्र धारा वन की स्थापना का शुभारंभ किया। इसके पूर्व खाद कारखाना परिसर में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पूर्व प्रदेश में योजनाओं में लूट और भ्रष्टाचार का तांडव मचा हुआ था। सपा सरकार में 341 किलोमीटर लंबे और 110 मीटर चौड़े पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिए जो टेंडर निकाला गया था उसकी लागत 15200 करो? रुपये थी। जबकि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने इसकी चौड़ाई बड़ाकर 120 मीटर की और दोबारा टेंडर निकाला तो लागत आई 11800 करोड़ रुपये। उन्होंने इस अंतर धनराशि को लूट करार देते हुए

कहा कि यह रकम कहां जा रही थी। उन्होंने कहा कि लूट और भ्रष्टाचार करने वाले वही लोग आज हमें उपदेश दे रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार की पोल खोलने के सिलसिले को जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) के आकड़े भी जनता के सामने रखे। कहा कि जेपी, मूल्यपरक राजनीति और परिवारवाद की मुखालफत के लिए जाने जाते हैं। पर, सपा सरकार ने उनके नाम को भी बदनाम किया। जेपीएनआईसी की लागत सिर्फ 200 करो? रुपये थी लेकिन मार्च 2017 तक इस पर 860 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए और काम भी पूरा नहीं हुआ था। इसकी सीबीआई के हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नैतिकता की बात करने वाले बबुआ लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से बौखला गए हैं। मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार पर सवाल उठाने वालों को कठघरे में खड़ा किया। कहा कि वे एक दिन में 37 करोड़पौधरोपण के अभियान पर भी सवाल उठाते हैं जबकि इन प्रश्न करने वालों को जब अवसर मिला तो उन्होंने कुछ नहीं किया। योजनाओं को लूटपाट और भ्रष्टाचार का केंद्र बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया, वन डिस्ट्रिक्ट वन क्रॉप दिया जबकि सपा, कांग्रेस और बसपा की सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया। परिवारवाद के नाम पर समाज में जहर घोलने का काम किया। रामभक्तों पर गोलियां चलवाई। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में वन माफिया जंगलों की अवैध कटान कराते थे, खनन माफिया अवैध खनन कराते थे और भू माफिया गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे। प्रदेश में अराजकता का तांडव था। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने प्रदेशभर में जीरो टॉलरेंस नीति लागू कर माफिया को ठिकाने लगा दिया है। 2017 के पहले प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। युवा बाहर अपनी पहचान नहीं बता पाता था। आज जब यूपी का युवा बाहर जाता है तो प्रदेश से जु? उसकी पहचान जानते ही सामने वाले के चेहरे पर चमक आ जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पौधरोपण अभियान सिर्फ पौधरोपण करने का ही कार्य नहीं है बल्कि यह वर्तमान को संजोने और भविष्य को बचाने का अभियान है। अपनी इस बात को विस्तार से समझाते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के भीषण संकट से जूझ रही है। इसके कारण अनेक चुनौतियां सामने आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने अमेरिका के टेक्सास में हाल ही में हुई एक घटना का भी उल्लेख किया, जहां अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों बच्चे लापता हो गए। सीएम ने कहा कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि, आकाशीय बिजली और गर्मी की समस्या चरम पर है। इस मौसम में कभी मूसलाधार बारिश हुआ करती थी आज भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम चक्र के इस बदलाव का असर फसलों पर भी पड़ रहा है। यह सब मानव के अनियोजित कार्य से हो रहा है। इस अनियोजित कार्य की कीमत विश्व मानवता भुगत रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में वनाच्छादन बढ़ा है। 2017 जयपुर प्रदेश में 5 सालों में सिर्फ 26 करोड़ पौधे लगे थे और उनका भी कहीं अता-पता नहीं था। जबकि बीते 8 सालों में 204 करोड़ पौधे लगए गए। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वेक्षण में इनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित भी हैं। देश के किसी एक राज्य में पौधरोपण करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका अग्रणी है। इसी का परिणाम है कि 2017 के बाद प्रदेश में 5 लाख एकड़ क्षेत्र में पौधारोपण किया जा चुका है। सीएम योगी ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर आयोजित पौधरोपण महाभियान धरती माता और जिस मां के नाम पर हम पौधे लगा रहे हैं, उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। उन्होंने सभी लोगों का आह्वान किया कि वे एक पेड़ मां के नाम पर अवश्य लगाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के पुनरोद्धार के लिए, उनके किनारे, एक्सप्रेसवे और सर्विस लेन के बीच, अमृत सरोवरों पर भी पौधरोपण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पौधरोपण महाभियान अन्नदाता किसानों के आय में वृद्धि करने का भी एक सशक्त माध्यम बन रहा है। इसके लिए उन्होंने कार्बन क्रेडिट योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत किसानों द्वारा पौधा लगाकर किए गए देखभाल के आधार पर 5 वर्ष बाद सर्वे होता है। पेड़ की प्रगति देखकर प्रति कार्बन क्रेडिट 6 डॉलर का भुगतान अन्नदाता किसानों को किया जाता है। उन्होंने बताया कि कार्बन क्रेडिट के लिए 25 हजार किसानों को 32 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इस बार 42 लाख रुपये की राशि वितरित की जा रही है। पौधरोपण महाभियान के इस कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री/जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नेतृत्व में 2017 के बाद प्रदेश में 5 लाख एकड़ भूमि पर रिकार्ड पौधरोपण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में पौधरोपण के कारण गर्मी में भी पानी की किल्लत नहीं होती। उन्होंने सभी से पौधरोपण करने और खेत के मेड़ पर पौधा जरूर लगाने का अनुरोध किया।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान-सीटीएम पीयूष गुप्ता

यमुनानगर। सीटीएम पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बिलासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। सीटीएम पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में 12 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें जठलाना निवासी तारा देवी ने राशन कार्ड बनवाने बारे, मोहन सिंह यमुनानगर निवासी ने सीएम विंडो की शिकायत पर कार्यवाही न होने बारे, सैक्टर-17 निवासी विशाल अग्रवाल ने सिवरेज बंद होने बारे, महेश्वरी निवासी मेहन्दी हसन ने कानूनी कार्यवाही करने बारे, सरोजनी कॉलोनी निवासी विमल कुमार ने सड? बनवाने बारे, वार्ड नंबर-16 जोगिन्द्र नगर निवासी रामतीर्थ यादव ने आवारा कुत्तों को पकडने बारे शिकायत रखी। उन्होंने कहा कि करहेड़ा खुर्द निवासी अनिल कुमार ने फैमिली आईडी ठीक करवाने बारे, फेजपुर निवासी अकरम ने आयुष्मान कार्ड बनवाने बारे, मिरजापुर निवासी सतपाल सिंह ने ड्राईविंग लाईसेंस न मिलने बारे, विकासनगर निवासी अमित शर्मा ने खंबों पर बिजली लाईट लगवाने बारे, ककड़ौनी निवासी जयकुमार ने गली बनवाने बारे, झाड़ चंदना निवासी बनारसी दास ने अवैध कब्जा करने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर डीएसपी कंवलजीत सिंह व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे जिलाधिकारी: धामी

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों को गरिमा और संरक्षण प्रदान करने के लिए प्रति प्रतिबद्ध है, इसी क्रम में जिलाधिकारियों को वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण का पीठासीन अधिकारी बनाते हुए, उन्हें संबंधित शिकायतों का निस्तारण करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए लागू 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 (MWPSC Act, 2007)' को प्रभावी ठंग से अमल में लाया जाए। यह अधिनियम वरिष्ठ नागरिकों एवं माता-पिता को उनके बच्चों, बालिक पोते-पोतियों अथवा संपत्ति के उत्तराधिकारियों से भरण-पोषण की वैधानिक व्यवस्था प्रदान करता है। इस कानून को अमल में लाने के लिए राज्य में जिला स्तर पर कुल 13 अपीलीय भरण-

पोषण अधिकरण एवं सब डिविजन स्तर पर 69 से अधिक भरण-पोषण अधिकरण कार्यरत हैं। जहां भरण-पोषण की राशि अधिकतम 10,000 प्रति माह निर्धारित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण के पीठासीन अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट हैं, इसलिए उन पर इस कानून को सख्ती से अमल में लाते हुए, वरिष्ठ नागरिकों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी है। साथ ही तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी भरण पोषण संबंधित अधिकरण के पीठासीन अधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी (DSWO) पदेन भरण-पोषण अधिकारी के रूप में जिम्मेदार बनाए गए हैं। कानून के तहत यदि कोई वरिष्ठ नागरिक देखभाल की शर्त पर संपत्ति हस्तांतरित करता है, लेकिन इसके बाद तय शर्तें पूरी नहीं होतीं, तो अधिकरण उस हस्तांतरण को अमान्य घोषित करते हुए, संपत्ति की वापसी सुनिश्चित कर सकता है। बागेश्वर, चमोली एवं उत्तरकाशी जिलों में निशुल्क वृद्ध एवं निशक्तजन आवास गृह संचालित किए जा रहे हैं। जहां कई जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिक निवासरत हैं। राज्य में वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद का गठन करते हुए श्री रामचंद्र गौड़ को अध्यक्ष, तथा श्रीमती शांति मेहरा, श्री नवीन वर्मा, और श्री हरक सिंह नेगी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उत्तराखंड सरकार अपने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों से विनम्र अपील है कि यदि आप जीवन-यापन हेतु उपेक्षित महसूस करते हैं, तो अविलंब अपने नजदीकी भरण-पोषण अधिकरण (Maintenance Tribunal) अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी (DSWO) से संपर्क करें।

70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड के तहत 5 लाख रुपए का निःशुल्क इलाज मिलेगा

यमुनानगर: पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा कवरेज शुरू करने की घोषणा की थी। इसी कड़ी के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग यमुनानगर के सहयोग से भाजपा जिला कार्यालय यमुना कमल सेक्टर-17 जगाधरी में 70 वर्ष से अधिक के सैकड़ों बुजुर्गों के आयुष्मान वय वंदना आयुष्मान कार्ड मौके पर बनाए गए, 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों ने भाजपा जिला यमुनानगर संगठन की इस पहल का स्वागत किया व प्रसन्नता जाहिर की। इस योजना के तहत 70 या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना 5 लाख तक का हेल्थ कवरेज मिलेगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने बताया कि आयुष्मान वय वंदना स्कीम वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है, जो उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान करती है। इस स्कीम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिक निःशुल्क इलाज का लाभ उठा सकते हैं और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम हो सकते हैं। भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता व आमजन उपरोक्त स्वास्थ्य संस्थानों पर 70 वर्ष व अधिक आयु वाले बुजुर्गों को अधिक से अधिक संख्या में वय वंदना (आयुष्मान कार्ड) बनवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मोदी सरकार की हर योजना को हरियाणा में लागू कर नागरिकों को सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, नोडल अधिकारी डॉ वागीश गुटेन, भाजयुमो जिला अध्यक्ष निश्चल चौधरी, मंडल अध्यक्ष प्रियंक शर्मा, पार्षद अंकित गोयल, पूर्व मंडल अध्यक्ष विपुल गर्ग, पार्षद रीना रस्तोगी, मंडल महामंत्री संदीप राय, मंडल महामंत्री सीमा गुलाटी, अजय मंगला टोनी, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग, सोशल मीडिया प्रभारी विपिन साहनी, भाजपा नेता रिंकू धीमान, परदुमन सिंह लाड्डी, अंकुश गोयल सहित बहुत से भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरित आईएमटी अभियान की ओर हरियाणा का बड़ा कदम- जुलाई-अगस्त में होगा व्यापक पौधारोपण अभियान

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों को हरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कहा है कि जुलाई-अगस्त माह के दौरान चरख्क एक्सप्रेस वे के दोनों ओर एवं सभी आईएमटीस में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। विशेष रूप से आईएमटी मानेसर को हरित आईएमटी के रूप में विकसित करने के लिए एचएसआईआईडीसी को विस्तृत और ठोस कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। श्री राव नरबीर सिंह वन महोत्सव-2025 को लेकर आयोजित विभागीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में जानकारी दी गई कि 15 जुलाई को राज्यव्यापी मास पौधारोपण अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें सार्वजनिक स्थल, तालाबों व नदियों के किनारे और पंचायत भूमि पर पौधारोपण किया जाएगा। इस अभियान में औद्योगिक घरानों, एनजीओ और सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एचएसआईआईडीसी सभी इंडस्ट्रियल एरिया और आईएमटीस में अधिक से अधिक छायादार पेड़ लगाए, जिनमें नीम, पीपल, पिलखन, गुलमोहर, अर्जुन व बड़ जैसी प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इन प्रजातियों के परिपक्व पौधों को राज्य की नर्सरियों में 3-4 वर्षों तक तैयार किया जाएगा ताकि उन्हें बाद में रोपा जा सके। आईएमटी मानेसर के सभी खुले स्थानों में बहुउद्देशीय पार्क, ओपन एयर थियेटर जैसे निर्माण कार्य किए जाएंगे। इसके लिए विशेषज्ञ एजेंसियों की सेवाएं ली जाएंगी। हर सड़क पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे और सड़कों के नाम उसी प्रजाति पर रखे जाएंगे। शहरी चौराहों पर पौधारोपण की जिम्मेदारी संबंधित उद्योगों को सौंपी जाएगी और वहां उनके नाम की पट्टिका लगाई जाएगी। पौधों की सिंचाई और संरक्षण हेतु सौर पंप लगाए जाने की योजना बनाई गई है। मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का वन महोत्सव केवल औपचारिकता नहीं बल्कि हरियाणा को हरियाली की ओर अग्रसर करने का सुनियोजित अभियान होगा। वन विभाग पौधे उपलब्ध कराएगा, जबकि एचएसआईआईडीसी, उद्योग और गैर-सरकारी संस्थाओं के सहयोग से पौधों के रखरखाव की व्यवस्था करेगा। इस बैठक में वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री यश गर्ग सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जानकारी हेतु यह है कि मैं, संजय पाल पुत्र गंगा सरन निवासी ए-8, गली नं.-3, राजीव नगर एक्सटेंशन, बेगमपुर, उत्तर पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110086 घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे और मेरे नाबालिग पुत्र का नाम मेरे नाबालिग पुत्र भूषण पाल, उम्र 15 वर्ष, के स्कूल रिकॉर्ड में गलती से संजय और भूषण लिख दिया गया है। मेरा और मेरे नाबालिग पुत्र का वास्तविक नाम संजय पाल और भूषण पाल है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Komal Mathur D/o Satish Kumar R/o House No-113, Gali No-4, Harijan Basti, Mithapur Extn, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Satish Mathur and Sheetal Mathur in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are Satish Kumar and Sheetal.

NAME CHANGE

I, MOHD MERAJ S/o ABDUL RASHID KHAN, R/o Khasra No. 244/6, Gali No.-3, Sangam Vihar, Wazirabad Mandir Wali Gali, Burari, North Delhi, Delhi-110084, have changed my name from MOHD MERAJ to MOHD MERAJ KHAN, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as SANTOSH W/O RAVINDER KUMAR R/O H.NO-324, DARIYA PUR KALAN, DISPENSARY, DARIYA PUR KALAN, DARYA PUR KALAN, NORTH WEST DELHI, DELHI-110039 have changed my name and shall hereafter be known as ANITA.

NAME CHANGE

I, URSHITA TANWAR D/O HARBIR TANWAR, R/o 143, Bichh Patti, Asola, Fatehpur Beri, Mehrauli, South, NCT Of Delhi - 110074, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced BUDDHIST Religion and renounced HINDUISM with effect from 14-10-2023. I have changed only my religion, and not my name.

NAME CHANGE

I, KHUSHI YADAV D/O RAKESH YADAV, R/o H No. -35, Gali No. - 1, Surat Gali, Pusta No. - 04, Kartar Nagar, Garhi Mendu, Seelampur, PO: Seelampur, DIST: North East Delhi, Delhi - 110053, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced BUDDHIST Religion and renounced HINDUISM with effect from 06-12-2023. I have changed only my religion, and not my name.

NAME CHANGE

I, Ranjana Shukla W/O Susheel Chandra Shukla J-202, Stellar One, GH-09, Sector-1 Greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh - 201306 Have changed my name to Ranjana Devi for all future purposes.

NAME CHANGE

I, EFFAT JAHAN W/o MOHD MERAJ KHAN, R/o Khasra No. 244/6, Mandir Wali Gali No.-3, Sangam Vihar, Burari, North Delhi, Delhi-110084, have changed my name from EFFAT JAHAN to IFFAT JAHAN, for all future purposes.

(BEDAKHAL)

I, ADIL AHMAD son of SHAFIQ AHMAD declare as under that I disowned my Son`s ARMAN ADIL from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at L-23, ABUL FAZAL ENCLAVE, SHAFI PUBLIC SCHOOL JAMAI NAGAR, OKHLA, DELHI-110025.----- It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Ravindra Kumar S/O Kanwar Pal Singh, R/O House No X 43 Kh No 857, X Block Road No 3 Gali No 2, Shyam Vihar Phase 1, Najafgarh, PO: Najafgarh, DIST: South West Delhi, Delhi-110043, declare that name of mine has been wrongly written as Ravindra in my minor daughter namely Vanshika aged 17 years in her 10th class educational document. The actual name of mine is Ravindra Kumar,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MINAL TAYAL W/O MANJEET KUMAR resident of H NO F-60A, RAJENDRA PARK EXTENSION, NANGLOI, DELHI-110041 have changed my name to MINAL SINGAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, GOPA KUMAR BALAKRISHNA PILLAI S/O BALAKRISHNA PILLAI residing at B-6/3 PLOT NO 40, HAHNEMANN ENCLAVE SECTOR 6, DWARKA-110075. have changed my name to GOPA KUMAR B for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PASHPATI S/O MOTI CHAND SHARMA resident of H NODZ-1045, TUWEL NO-2, PATEL NAGAR, SECTOR-4, BALLABGARH, FARIDABAD, HARYANA-121004 have changed my name to PASHPATI NATH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No.-2611627K Rank-HAV Name-SHELAR SANDEEP BABA SAHEB residing at 368 B VILL-SADAR BAZAR, PO-SATARA, TEH-SATARA, DISTT-SATARA, MAHARASHTRA-415001, have changed my mother's name from SHELAR SITABAY BABASAHEB to SITABAI BABASAHEB SHELAR for all future purposes vide Affidavit dated 09/07/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JADEJA PAYALBA wife of No.-15249753M Rank-SEP Name-GOHIL DIGVIJAYSINH VIKRAMSINH residing at VPO-MALPAR, TEHSIL-GHOGHA, DIST-BHAVNAGAR, GUJARAT-364002, have changed my name from JADEJA PAYALBA to PAYALBA DIGVIJAYSINH GOHIL for all future purposes vide Affidavit dated 09/07/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती कुसुम पत्नी श्री राजेश, संपत्ति संख्या 8, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 55, गांव बिंदापुर कॉलोनी, संतोष पार्क, उत्तम नगर, दिल्ली-110059, जो वर्तमान में श्री कमल कुमार पुत्र श्री देव राज के स्वामित्व में है, को क्रय करना चाहती हैं। इस संपत्ति के मूल स्वामी श्री सुल्तान सिंह पुत्र श्री केद सिंह थे। उन्होंने उक्त संपत्ति दिनांक 18.06.1980 को एक नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, नोटरीकृत विक्रय अनुबंध और वसीयत के माध्यम से श्री राधे श्याम सिंघल को हस्तांतरित की थी। इसके बाद, श्री राधे श्याम सिंघल ने उक्त संपत्ति दिनांक 20.09.1983 को एक नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, नोटरीकृत विक्रय अनुबंध और वसीयत के माध्यम से श्रीमती प्रेम अरोड़ा को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्रीमती प्रेम अरोड़ा ने दिनांक 30.09.1986 को एक नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, नोटरीकृत विक्रय अनुबंध और वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती जनक रानी को हस्तांतरित की। बाद में, श्रीमती जनक दुलारी उर्फ जनक रानी ने दिनांक 12.01.2005 को एक वसीयत के माध्यम से श्री कमल कुमार के पक्ष में यह संपत्ति वसीयत द्वारा प्रदान कर दी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती जनक दुलारी उर्फ जनक रानी का देहांत दिनांक 06.03.2019 को हो गया, जिनके पीछे निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी हैं: श्री कमल कुमार (पुत्र) श्रीमती मधु बाला (पुत्री) श्रीमती शशि बग्गा (पुत्री). श्रीमती मधु बाला एवं श्रीमती शशि बग्गा ने अपनी-अपनी संपत्ति में हिस्सेदारी अपने भाई श्री कमल कुमार के पक्ष में त्याग दी है। फलस्वरूप, उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी अब श्री कमल कुमार पुत्र श्री देव राज हैं। कृपया ध्यान दें कि यह संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Rahul to inform to the public at large that Mrs. Kashmiri Devi is purchasing the House No.431, area measuring 38.5 Sq. Yards, i.e. 32.34 Sq. Meters, Situated at Mohalla Kallupura, Dasna Gate, Ghaziabad, Pargana Loni, Tehsil & Dist. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 from Mr. Amardeep Kashyap S/o Late Mr. Anand Prakash Kashyap who became owner After The Death Of Late Mr. Anand Prakash Kashyap died on 29.03.2004 and Mr. Anand Prakash Kashyap was the owner of the said property through Sale Deed Dated 23.01.1992 (Doc. No.349) and same to be finance & mortgage by Hinduja Housing Finance Ltd., having its Branch at Gandhi Nagar, Delhi. That, as per the Legal Heirs Certificate dated 27.07.2022, Mr. Amardeep Kashyap S/o Late Mr. Anand Prakash Kashyap is the only legal heir of Late Mr. Anand Prakash Kashyap & Late Mrs. Raj Kashyap W/o Late Mr. Anand Prakash Kashyap. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within a week from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor, DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Ankit Gupta** is purchasing the Property no. 27, admeasuring 100 Sq. yards, out of Khasra no. 68, situated in the area of Village Sarai Pipal Thala, colony Known as Mohinder Park, Delhi from Mr. Jugal Kishor who is the owner of the property vide GPA , Agreement to Sale & WILL dated 16.12.1992 & 21.10.1992 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** That SMC of Late Mr. Trilok Singh not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, NEHA KAUR W/o SATPAL SINGH, R/o WZ-112 A, Near Laxmi Narayan Mandir, Sri Nagar, Shakurbasti, PO: Shakurbasti, Dist. North West Delhi, Delhi-110034, have changed the name of my minor daughter NAMYA CHHABRA aged 15 years and she shall hereafter be known as DILKIRAT KAUR.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री मोहम्मद फिरोज एवं श्री जीशान, रिहायशी मकान संख्या B-58 (प्लॉट संख्या B-58 का एक हिस्सा), ब्लॉक-क्र क्षेत्रफल 50 वर्ग गज (अर्थात् 41.805 वर्ग मीटर), जो कि शालीमार गार्डन मेन, गांव पसोंडा, गाजियाबाद, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित है, को श्री दिलशाद मलिक एवं श्रीमती सुमाईला मलिक से क्रय करने का इरादा रखते हैं। इस संपत्ति के मूल मालिक श्री दिलशाद मलिक एवं श्री शमशाद मलिक थे, जो दोनों श्री मुस्ताक मलिक के पुत्र हैं। इन्होंने यह संपत्ति श्रीमती नसीम खातून पत्नी श्री साजिद अली से 14.01.2019 को निष्पादित बिक्री विलेख (Sale Deed) के माध्यम से संयुक्त रूप से खरीदी थी। दुर्भाग्यवश, श्री शमशाद मलिक का निधन 07.09.2020 को हो गया, और वे केवल अपनी पत्नी, श्रीमती सुमाईला मलिक को ही उत्तराधिकारी के रूप में पीछे छोड़ गए। अतः वर्तमान में इस संपत्ति के पूर्ण स्वामी श्रीमती सुमाईला मलिक एवं श्री दिलशाद मलिक हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में कैन फिन होम्स लिमिटेड, पीतमपुरा शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **वेद प्रकाश**, **पुत्र:** श्री स्वाश प्रसाद, **पता:** मकान नं. ए-163, जनक पुरी, साहिबाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **FIR No. 1468/2015 U/s 279 IPC & 119/177 MVT, थाना: सीमा पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वेद प्रकाश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वेद प्रकाश** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 1468/2015 U/s 279 IPC & 119/177 MVT, थाना: सीमा पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **वेद प्रकाश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री एश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी-06
कमरा नं. 25, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7495/SHD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रदीप पुत्र श्री प्रह्लाद सिंह, निवासी मकान नंबर 358, उत्तरांचल कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 160/2016, U/S 354A/509/34 IPC, अन्तर्गत थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 160/2016, U/S 354A/509/34 IPC, अन्तर्गत थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रदीप** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री निधि बाला
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, महिला न्यायालय-03
कमरा नं.08, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/8956/NE/2025(Court Matter)

NAME CHANGE

I, Md Sameer s/o Mohd Jamil R/o Gali No.1, Near Ram Mehar Caloni, Sec-49, Village Barola, Noida, Gautam Budh Nagar, U.P-201301, have changed my name to Mohd Sameer permanently

NAME CHANGE

I, Md Jamil s/o Mohd Abul Hassan R/o Gali No.1, Near Ram Mehar Caloni, Sec-49, Village Barola, Noida, Gautam Budh Nagar, U.P-201301, have changed my name to Mohd Jamil permanently

NAME CHANGE

It is for general information that I, BRIJESH YADAV S/o SHIV KUMAR YADAV, R/o House No. - 528, Ground Floor Sanjay Camp, Haider Pur, Shalimar Bagh, PO: Shalimar Bagh, DIST: North West Delhi, Delhi - 110088 declare that name of my Father has been wrongly written as HARI RAM YADAV in my Pan Card No. BHLPY2574C. The actual name of my Father is SHIV KUMAR YADAV respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, MUSTAFA S/O MOHAMMAD SIDDIQUE resident of CN-245, GF MASJID TAKIA KALE KHAN, MIR DARD ROAD, DELHI-110002 have changed my name to MOHAMMAD MUSTAFA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SIDDIQUE S/O GAUSH MO resident of 247, RASULPUR LILHA, FAIZABAD, UTTAR PRADESH-224153 have changed my name to MOHAMMAD SADDIQ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KHURSIDA BEGUM W/O MOHAMMAD MUSTAFA resident of CN-245, GF MASJID TAKIA KALE KHAN, MIR DARD ROAD, DELHI-110002 have changed my name to KURESHA BANO for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SWETANSHU VIKRAM CHANDEL S/O VINOD KUMAR SINGH resident of PK-073, SECTOR-122, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name to SWETANSHU VIKRAM for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHIKHA CHAUHAN W/O SWETANSHU VIKRAM resident of PK-073, SECTOR-122, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name to SHIKHA for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कार्यस्थल पर सकारात्मक सोच जरूरी : देशवाल

झज्जर। दि झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के मुख्यालय स्थित मीटिंग हॉल में एक दिवसीय हैप्पीनेस योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों को तनावमुक्त जीवन, मानसिक मजबूती व सकारात्मक कार्य संस्कृति के लिए प्रशिक्षित करना था।कार्यक्रम में बैंक के कार्यवाहक चेयरमैन राजबीर देशवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि स्थापना अधिकारी संदीप राज्यान ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने प्रेरणादायक वक्तव्य दिए। राजबीर देशवाल ने कहा, सकारात्मक सोच, नियमित दिनचर्या और मानसिक अनुशासन से ही हम अपने कार्यस्थल को ऊर्जावान बना सकते हैं। योग केवल शरीर की नहीं, सोच की भी कसरत है।स्थापना अधिकारी संदीप राज्यान ने कहा, योग और ध्यान मानसिक अनुशासन के लिए अनिवार्य हैं। ऐसे आयोजन कार्यक्षमता, संयम और आत्मनियंत्रण को बढ़ाते हैं। यह जीवन प्रबंधन का सबसे सरल माध्यम है। शिविर का संचालन प्रमुख प्रशिक्षिका चांदनी अरोड़ा ने किया। उन्होंने माइंडफुलनेस मेडिटेशन, बॉडी स्कैन योग, साउंड थेरेपी और ऊर्जा पुनर्भरण प्राणायाम जैसी विधियों से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने कहा, तनाव बाहर से नहीं आता, यह हमारी सोच पर आधारित होता है। यदि हम हर परिस्थिति को शांत मन से लें तो जीवन आसान हो जाता है।

पेयजल संकट पर महिलाओं ने जींद-कैथल मार्ग किया जाम

जींद। नगूरां गांव की अनुसूचित जाति की कालोनी में पिछले पांच दिनों से पीने के पानी की किल्लत को लेकर महिलाओं ने सड़क के बीचोंबीच खड़े होकर जींद-कैथल मार्ग पर गांव के बस स्टैंड पर जाम लगा दिया। महिलाओं का कहना था कि पिछले पांच दिनों से पीने के पानी की समस्या से परेशान है।सबमर्सीबल का स्टार्टर जला हुआ है लेकिन विभाग उसको ठीक करने की जहमत नहीं उठा रहा है। नगूरां गांव में जींद-कैथल मार्ग पर जाम लगाए जाने की सूचना मिलते ही नगूरां चौंकी प्रभारी विनोद कुमार मौके पर पहुंचे तथा जलापूर्ति विभाग के जेई रोहित से महिलाओं की बात करवा करीब आधे घंटे के बाद जाम को खुलवाया। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी लाइनें लग गई। जाम लगा लगा रही नगूरां स्थित अनुसूचित जाति की कालोनी की महिलाओं ने बताया कि करीब पांच दिनों से सबमर्सीबल की मोटर जली हुई थी, लेकिन विभाग के अधिकारियों को सूचना देने के बाद अधिकारियों ने सबमर्सीबल की जली मोटर को बदलने की जहमत नहीं उठाई। जिसके बाद कालोनी के लोगों ने अपने स्तर पर 1500 रूपये खर्च कर जली मोटर तो ठीक करवा दी लेकिन उसके बाद स्टार्टर में दिक्कत आ गई।

हरियाणा में एकीकृत पेंशन योजना लागू, अधिसूचना जारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने केंद्र की तर्ज पर एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को लागू कर दिया है। विपक्षी राजनीतिक दलों तथा कर्मचारी संगठनों के विरोध के बावजूद सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। सरकारी विभागों में तैनात कर्मचारी अब केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तर्ज पर पहली अगस्त से एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) का विकल्प चुन सकेंगे। यह उनकी मर्जी होगी कि वह राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) चुनते हैं या फिर यूपीएस। हालांकि बोर्ड-निगमों, सार्वजनिक उपक्रमों और विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को अभी यूपीएस के लिए इंतजार करना होगा। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने यूपीएस को लेकर आज अधिसूचना जारी कर दी है। इससे सभी सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन मिलना सुनिश्चित हो सकेगा। 25 साल की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारी को यूपीएस के तहत सेवानिवृत्ति से पहले 12 महीनों के दौरान प्राप्त औसत मूल वेतन की 50 प्रतिशत राशि पेंशन में मिलेगी। यदि कर्मचारी 10 या इससे अधिक वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद सेवानिवृत्त होता है तो उसे प्रति माह दस हजार रुपये का न्यूनतम गारंटीकृत भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। पेंशनभोगी की मृत्यु की स्थिति में परिवार को अंतिम आहरित पेंशन राशि का 60 प्रतिशत प्राप्त होगा।

हरियाणा में सीईटी की परीक्षा 26-27 जुलाई को

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने इस साल होने वाली सीईटी की परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। राज्य में 26 व 27 जुलाई को सीईटी की परीक्षा चार चरणों में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के चलते हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा अर्थात एचटेट की परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है। राज्य के 13 लाख 48 हजार 697 युवाओं ने सीईटी के लिए आवेदन किया है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने मंगलवार की देर श्याम कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि की प्रदेश में 26 जुलाई को सुबह 10:00 से 11:45 तक तथा शाम को 3:15 से 5:00 तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 27 जुलाई को भी दो चरणों में सीईटी की परीक्षा होगी। परीक्षा की अवधि कल 1 घंटा 45 मिनट होगी। यह परीक्षा पूरी तरह से ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्नों पर आधारित होगी।

भिक्षु स्वामी जी के 'अहिंसा' और 'अनेकांतवाद' के सिद्धांत आज की जरूरत : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुषों के विचार और सिद्धांत आज भी हमें जीवन जीने की सही दिशा दिखाते हैं। यदि हम उनके आदर्शों को अपनाएं और अपने आचरण में उतारें, तो एक नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण संभव है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण होगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा। यदि हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए एक मजबूत, नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण सबसे पहली आवश्यकता है। महापुरुषों की प्रेरणा से ही हम यह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी की 300वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंचासीन परम

श्रद्धेय मुनिश्री विनय कुमार आलोक जी, मुनिश्री सुधाकर जी, मुनिश्री अभय कुमार आलोक जी, मुनिश्री नरेश जी, स्वामी सम्पूर्णानन्द ब्रह्मचारी जी महाराज सहित समस्त मुनिजनों को सादर नमन किया और कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस पावन अवसर पर तेरापंथी समाज के श्रद्धालुओं के बीच आने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि देश की धरा संतों की धरा है। संतों के कारण ही हमारी संस्कृति जीवित है। मुख्यमंत्री ने जैन मुनियों की तपस्वी जीवनचर्या की सराहना करते हुए कहा कि वे भौतिकवादी युग में त्याग और संयम की प्रतिमूर्ति हैं। तीर्थंकरों और मुनियों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत आज भी मानव समाज को दिशा देने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी केवल एक मुनि नहीं, बल्कि एक साहसी और क्रांतिकारी विचारक थे। उन्होंने धर्म में व्याप्त कुरीतियों पर चोट की और अध्यात्म को तर्कसंगत दिशा दी। विक्रम संवत 1783 में कंटालिया गांव में जन्मे 'भीखण' का आचार्य बनने तक का जीवन त्याग, तपस्या और सत्य की साधना से भरा हुआ था। उन्होंने विक्रम संवत् 1817 में तेरापंथ की स्थापना की, जो केवल एक पंथ की शुरुआत नहीं थी, बल्कि धर्म को उसके सबसे शुद्ध रूप में पुनः स्थापित करने का एक साहसी आंदोलन था। 'एक आचार्य, एक विधान और एक विचार' का सिद्धांत तेरापंथ का आधार बना, जो अनुशासन, एकता और निष्ठा का प्रतीक है।

बहालगढ़ चौक पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान,लोगों को राहत

एजेंसी

सोनीपत। जिला ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने और आमजन को ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। ट्रैफिक पुलिस सोनीपत ने पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक एवं क्राइम नरेन्द्र कादयान के निर्देशन पर बहालगढ़ चौक और आसपास के क्षेत्रों में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत दुकानों के बाहर रखे सामान, अवैध पार्किंग और सड़क किनारे लगाई गई रेहड़ियों को हटाया।कार्यवाहक थानाा प्रभारी ट्रैफिक पुलिस उप-निरीक्षक जोगिंद्र के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने कार्रवाई की, जिससे क्षेत्र के दुकानदारों और रेहड़ी वालों में हड़कंप मच गया। दुकानदारों ने स्वयं अतिक्रमण समेटना शुरू कर दिया। पुलिस ने दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी देते हुए जनता से भी अवैध पार्किंग न करने की अपील की। बहालगढ़ चौक पर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के किनारे अतिक्रमण की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी। कई दुकानदार न केवल सड़कों पर सामान फैलाकर रखते हैं, बल्कि रेहड़ियों से किराया वसूलते हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई कम होकर जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति बनती है। आज की कार्रवाई में सबसे अधिक फोकस दुकानों के आगे सड़क पर रखे सामान पर रहा। पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए ऐसे विशेष अभियान समय-समय पर चलाए जाते रहेंगे। साथ ही, उन्होंने ऑटो चालकों को भी निर्धारित स्थानों पर वाहन खड़ा करने के निर्देश दिए। भविष्य में सड़क किनारे अवैध पार्किंग और अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे राहतकारी बताया।

खड़गे खड़कने वाली बात न करें तो अच्छा रहेगा : रेनू भाटिया

एजेंसी

कैथल। देश में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए बोले गए अपमानजनक शब्द को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर हमला बोला है। इस बीच हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा कि खड़गे खड़कने वाली बात न करें तो अच्छा रहेगा। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान की निंदा की।उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे को देश की राष्ट्रपति का नाम आदर के साथ सही लेना चाहिए, लेकिन अफसोस यह है कि कांग्रेस की परंपरा देश के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति की इज्जत न करना और उनका मजाक उड़ाना रही

है। वह हम पर जमीन छीनने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को नेशनल हेराल्ड वाली बात याद रखनी चाहिए। इनको वह बात याद करनी चाहिए कि इन्होंने लोगों से क्या-क्या चीजें छीनी हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेता इसलिए जेल में बंद हुए, क्योंकि वह लोगों से छीना-झपटी करते थे। राष्ट्र को नहीं बनाते थे। कांग्रेस का हाथ गरीब के साथ का नारा दिया, लेकिन उन्होंने इसका इस्तेमाल थप्पड़ की तरह किया, इनको ये बातें याद रखनी चाहिए। रेनू भाटिया ने कहा कि मैं अपने देश की राष्ट्रपति का सम्मान और वंदन करते हुए कहना चाहती हूं कि वह एक जमीनी नेता हैं। वह गांव से निकलकर आज राष्ट्रपति के पद पर बैठी हैं और हर औरत को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। इससे पहले मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवादित बयान दिया था। हालांकि, उन्होंने तुरंत अपनी गलती सुधारी।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व सुविधा को लेकर प्रशासन सतर्क

एजेंसी

सोनीपत। श्रावण माह में 11 से 23 जुलाई तक चलने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने कमर कस ली है। यात्रा के दौरान लाखों कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधा और ट्रैफिक प्रबंधन के उद्देश्य से लघु सचिवालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त ममता सिंह व उपायुक्त सुशील सारवान ने की, जिसमें सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने कहा कि कांवड़ियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा अवधि में भारी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए, ओवर स्पीडिंग पर सख्त चालान हो, और लेन अनुशासन का पालन हो। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कांवड़ रूट पर मांस

की कोई दुकान न हो तथा पुलिस वाहन निरंतर गश्त करते रहें। उपायुक्त सुशील सारवान ने कहा कि यात्रा के दौरान सभी शिविर संचालकों से प्रमाणित पत्र लिया जाए जिसमें यह सुनिश्चित हो कि चालक नशा मुक्त हो, गाड़ी की ऊंचाई तय मानकों के अनुसार हो और डीजे की आवाज सीमा में रहे। शिविरों में प्राथमिक चिकित्सा, अग्निशमन यंत्र, स्वच्छ पानी, गुणवत्तापूर्ण भोजन, शौचालय आदि सभी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हों। शिविर सड़क से कम से कम 50 मीटर अंदर स्थापित हों तथा शराब की दुकानें आस-पास न हों। सभी खाद्य सामग्री को प्रयोग से पूर्व निरीक्षण करवाने और प्रत्येक शिविर के लिए संबंधित विभाग से अनापत्ति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि अधिकारी मुख्यालय पर तैनात रहें और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अपराधिक घटना होने पर कम से कम समय में पहुंचे पुलिस : एडीजीपी केके राव

एजेंसी

जींद। एडीजीपी हिसार केके राव ने पुलिस लाइन जींद में सभी डीएसपी, थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज, थाना एमएचसी, सिपाही, क्राइम यूनिट, ट्रैफिक कर्मी, कंट्रोल रूम सहित करीब 450 अधिकारी एवं कर्मचारियों को ब्रीफ किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, एएसपी सोनाक्षी सिंह मौजूद रहे। एडीजीपी केके राव ने किसी भी अपराधिक घटना की सूचना प्राप्त होने पर कम से कम समय में मौका पर अपराधी तक पहुंचने के लिए रिस्पांस टाइम कम करने बारे निर्देश दिए। पुलिस ग्राउंड स्तर पर अपनी ड्यूटी को सजगता से करते हुए एक दूसरे से समन्वय स्थापित करके क्राइम कंट्रोल करें तथा इस संबंध में कहा कि डायल 112 की अहम भूमिका रहती है। डायल 112 पर पुलिस कर्मचारियों की अलग-अलग दो शिफ्ट रहती है। जिसमें प्रत्येक शिफ्ट 12 घंटा की ड्यूटी करती है। जिनका

थाना स्तर पर थाना मुंशी अपने रोजनामचा में उनकी रवानगी वापसी करके शिफ्ट चेंज करने का जिम्मेवार होगा। डीएसपी, थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज उनको समय-समय पर निरंतर उन्हें चेक करें। उन्होंने कहा कि पुलिस की दृश्यता होनी बहुत जरूरी है ताकि आम जनता में पुलिस का विश्वास बढ़े और क्राइम पर कंट्रोल किया जा सके। ईआरवी, पीसीआर, राइडर अन्य सभी द्वारा आपस में समन्वय स्थापित कर उन्हें रिस्पांस टाइम पर विशेष ध्यान होना चाहिए। इन वाहनों पर तैनात सभी कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि अपनी ड्यूटी के दौरान आने.जाने वाले संदिग्ध वाहनों की भी चेकिंग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस को अपनी कार्यप्रणाली में ओर सुधार करने की आवश्यकता है। सभी थाना मुंशी, पीसीआर, राइडर, नाका के पास वाकी-टॉकी होना चाहिए और उन्हें कंट्रोल रूम इंचार्ज के माध्यम से प्रत्येक दो घंटा में उनकी लोकेशन चेक करने का प्रतिदिन अभ्यास भी किया जाना चाहिए। उन्होंने नाका पर तैनात कर्मियों को अपनी ड्यूटी सतर्क होकर करने तथा किसी अपराधी घटना की सूचना प्राप्त होने पर तुरंत आपसी तालमेल बनाकर संघन नाकाबंदी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपराधी आमतौर पर ट्रिपल राइडर, बिना नंबर प्लेट वाहन पर सवार होकर घटना को अंजाम देते हैं। इस तरह के संदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों की चेकिंग पर उन्हें विशेष ध्यान देना चाहिए। किसी भी वारदात के घटित होने पर आमतौर पर देखा गया है कि थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज, सीआईए स्टाफ सभी एक ही प्वायंट पर एकत्रित होने की बजाय उन्हें अलग-अलग सभी बिंदुओं पर काम करना चाहिए।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दृष्टिगत पुलिस ने किए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध : शशांक सावन

एजेंसी

हिसार। केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 9 जुलाई को देशभर में प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दृष्टिगत पुलिस ने जिले भर में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त और पुख्ता प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि कर्मचारी व मजदूर संगठनों द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल की घोषणा की गई है। इसको देखते हुए पुलिस ने सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों की सुरक्षा के साथ-साथ आमजन की सुविधा हेतु विशेष सुरक्षा योजनाएं तैयार की हैं। उन्होंने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि शांति, कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोई भी व्यक्ति सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान न पहुंचाए, इसके लिए सख्त निगरानी रखी जाए। हड़ताल के दौरान किसी प्रकार के रोड जाम या आपात सेवाओं में बाधा की आशंका को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस को आवश्यकतानुसार रूट डायवर्ट करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। थाना क्षेत्रों में पीसीआर, राइडर और पेट्रोलिंग टीमें दंगा नियंत्रण उपकरणों सहित लगातार गश्त करेंगी। असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन व अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही, सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है। किसी प्रकार की अफवाह फैलाने या बिना सत्यापन पोस्ट शेयर करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने हड़ताल में शामिल सभी संगठनों से अपील की है कि वे संविधान और कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करें।

वोटर हेल्पलाइन एप से मतदाता खुद कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन : डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नारनौल। अटेली विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण आगामी मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। कनीना के एसडीएम एवं अटेली विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को संबोधित करते हुए कहा कि शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना बीएलओ की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी पूरी निष्ठा और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें, क्योंकि लोकतंत्र की बुनियाद एक मजबूत मतदाता सूची पर ही टिकी होती है। डॉ. सिंह ने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे मतदाताओं के नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन जैसे कार्यों में फार्म सही ढंग से भरवाएं और किसी भी तरह की त्रुटि से बचें। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता बीएलओ की कार्यशैली और ईमानदारी पर आधारित होती है। नागरिक अब खुद वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। एसडीएम डॉ

जितेंद्र सिंह ने बताया कि चुनाव आयोग ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन की सुविधा दी हुई है। मतदाता खुद वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप या वेबसाइट के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन या ऐपिक अपडेट जैसे कार्य आसानी से कर सकते हैं। मतदाता ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकते, वे अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर ऑफलाइन फॉर्म भरवाकर आवेदन कर सकते हैं। इस मौके पर निर्वाचन तहसीलदार सुरेन्द्र सिंह, निर्वाचन कानूनगो पूनम, मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र यादव, हमेश कुमार और अभिमन्यु मौजूद रहे।

समाधान शिविरों में तेजी लाएं, शिकायतें समय पर सुलझाएंः अतिरिक्त उपायुक्त

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने लघु सचिवालय में समाधान शिविर की शिकायतों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने बिजली, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई,

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक्सईएन स्तर के अधिकारियों के साथ लंबित शिकायतों पर चर्चा की। एडीसी ने निर्देश दिया कि सोमवार और आयोजित होने वाले समाधान शिविरों में संबंधित अधिकारी स्वयं उपस्थित रहें और यथासंभव शिकायतों का मौके पर निपटान करें। सभी लंबित शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर हल करने के सख्त निर्देश दिए गए, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई। विकास कार्यों से संबंधित शिकायतों को विशेष श्रेणी में पोर्टल पर अपलोड करने, और हर शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी सिस्टम पर दर्ज करने को कहा गया है, ताकि मुख्यालय को सही जानकारी दी जा सके। गलत विभाग को भेजी गई शिकायतों को तुरंत सही विभाग में स्थानांतरित करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में एसीयूटी योगेश दिल्हौर, एसडीएम सुभाष चंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध भी भविष्य में कार्रवाई तय की गई है।

स्थानीय निकायों में विकास कार्यों के जल्द लगेंगे टेंडर : विपुल गोयल

एजेंसी

झज्जर। राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों मैं सफाई कार्य और विकास कार्यों के लिए टेंडर आगामी दो माह के भीतर लगा दिए जाएंगे और शहरों में सभी आवश्यक काम शुरू हो जाएंगे। यह जानकारी शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने बहादुरगढ़ में दी। वह राज्य तैराकी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री गोयल ने आयोजकों की मांग पर तैराकों की सुविधा के लिए टच पैड खरीदने के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। गौरतलब है कि बहादुरगढ़ स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के स्विमिंग पूल में 42वीं सब जूनियर, 52वीं जूनियर राज्य तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन चल रहा है। अगले महीने में राष्ट्रीय प्रतियोगिता भी चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के स्विमिंग पूल पर होने जा रही हैं। प्रतियोगिता समारोह में पहुंचने पर महेंद्र पहलवान ने कैबिनेट मंत्री का पगड़ी बांधकर स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने अपराधियों को

सीधी चेतावनी दी है कि या तो अपराधी अपराध छोड़ दें या फिर प्रदेश को छोड़ दें। प्रदेश में अपराध और अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी निकायों में अगले दो महीने के अंदर सफाई के टेंडर लगा दिए जाएंगे और लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने पटवारियों की वायरल लिस्ट पर सवाल का जवाब देते हुए कहा कि नियमानुसार प्रशासनिक अधिकारियों को कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है। हमारी सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति है। इस अवसर पर जिला के अतिरिक्त उपायुक्त जगनिवास, बहादुरगढ़ के एसडीएम नसीब कुमार, हरियाणा तैराकी संघ के उपाध्यक्ष रवि सिंह सिंगारी, सदस्य सुरेश जून और प्रवीण धनखड़, कोच साईं जाधव सहित प्रदेश भर से पहुंचे कोच और तैराक मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या के समाधान को विधायक एक्शन मोड में

एजेंसी

जींद। सालों से उचाना शहर, हाइवे पर जलभराव के स्थाई समाधान को लेकर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने सुबह दस बजे पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में जन स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका, एनएचएआई, मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। बारिश के बाद होने वाले जलभराव को लेकर चर्चा करते हुए अधिकारियों को समाधान के लिए निर्देश दिए। हाईवे पर बारिश के बाद पानी की निकासी नहीं होने पर विधायक ने एनएचएआई को जल्द से जल्द समस्या के समाधान के निर्देश दिए। मीटिंग में पहुंचे कर्मचारियों ने बताया कि आठ से 12 इंच की पाइप लाइन बिछाई जाएगी, जिससे पानी की निकासी बारिश के साथ-साथ होगी। एक सप्ताह के अंदर इसका कार्य पूरा हो

जाएगा। जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सुनीता नैन ने कहा कि जो अंडरपास के पास सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट है, वहां पर 25 एचपी की मोटर है। यहां पर दो से तीन दिन के भीतर 40 एचपी की मोटर रख दी जाएगी। बारिश के दौरान पानी की निकासी की स्पीड मोटर 40 एचपी की होने से तेज होगी। रेलवे रोड पर जो सड़क है, उसका लेवल शहर की दूसरी सड़कों एवं गलियों से नीचा होने के चलते यहां पर जलभराव की समस्या काफी पुरानी है। यहां भी पानी निकासी के समाधान को लेकर निर्देश विधायक ने दिए। शहर की पुरानी मंडी में पानी निकासी नहीं होने की वर्षों पुरानी समस्या को दूर करने को लेकर निर्देश देते हुए विधायक अत्री ने कहा कि मंडी में बारिश के पानी की निकासी जल्द से जल्द हो, इसको लेकर पुख्ता प्रबंध किए जाएं।

अब ट्रंप ने दी फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की धमकी

–भारत पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर कई कंपनियां अमेरिका पर निर्भर

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर वैश्विक व्यापार पर आक्रामक नजर आ रहे हैं। पहले उन्होंने कई देशों को निशाना बनाया और अब वे उत्पाद-विशेष पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं। इस बार वह कॉपर और फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की बता कह रहे हैं। ट्रंप ने इन पर क्रमशः 50 फीसदी और 200 फीसदी तक का टैरिफ लगाने की बात कही है, जिसका सीधा असर भारत जैसे देशों पड़ेगा। भारत के लिए यह चिंता की बात है क्योंकि देश का फार्मा उद्योग अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है और कॉपर उत्पादों का भी एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को निर्यात किया जाता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 17 हजार करोड़ रुपए के कॉपर और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया, जिनमें से करीब 17 फीसदी यानी 36 करोड़ डॉलर का निर्यात केवल अमेरिका को किया गया। फार्मा सेक्टर की बात करें तो भारत ने अमेरिका को करीब 9.8 अरब डॉलर यानी करीब 86 हजार करोड़ रुपए की दवाओं की आपूर्ति की। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि अमेरिका में उपयोग की जाने वाली करीब 40 फीसदी जेनरिक दवाएं भारत से निर्यात की जाती हैं। ऐसे में अगर प्रस्तावित 200 फीसदी टैरिफ लागू होता है तो इसका असर भारत की दवा कंपनियों पर महसूस पड़ेगा।

भारत की अग्रणी दवा कंपनियों में से ज्यादातर की आय का बड़ा हिस्सा अमेरिकी बाजार से आता है। जैसे सन फार्मा की कुल कमाई में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 35 फीसदी है। यह कंपनी जेनरिक, स्पेशल जेनरिक और न्यूरोलॉजिकल दवाओं का अमेरिका को बड़ा निर्यातक है। ऑरोबिंदो फार्मा की आधी आय अमेरिका से आती है और वह वहां एंटीबायोटिक्स, एंटीवायरल और कार्डियोवैस्कुलर दवाओं की आपूर्ति करती है। डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज की 38 से 45 फीसदी आय अमेरिका से होती है और वह जेनरिक के साथ-साथ बायोसिमिलर्स और ओवर-द-काउंटर दवाएं भी वहां भेजती है। ल्यूपिन लिमिटेड की 40 फीसदी कमाई अमेरिका से होती है और हाल ही में इसने वहां एक नई दवा लॉन्च की है।

सिप्ला लिमिटेड की करीब 30 फीसदी आय अमेरिकी बाजार से आती है, जहां वह सांस और एचआईवी जैसी बीमारियों की दवाएं भेजती है। जायडस लाइफसाइंसेज की 45 फीसदी, ग्लैंड फार्मा की 50 फीसदी और ग्लेनमार्क फार्मा की 35 फीसदी कमाई अमेरिका पर आधारित है। वहीं, नैटको फार्मा तो 70 फीसदी तक अमेरिका पर निर्भर है, जो कैंसर और हेपेटाइटिस-सी जैसी बीमारियों की दवाएं वहां भेजती है। टॉरेंट फार्मा की 25-30 फीसदी आय अमेरिका से आती है। इन आंकड़ों से यह साफ होता है कि भारतीय फार्मा कंपनियां अमेरिका के बाजार पर निर्भर हैं। ऐसे में अगर ट्रंप का यह टैरिफ लागू होता है, तो भारत के फार्मा उद्योग को भारी घाटा हो सकता है और यह स्थिति निर्यात संतुलन पर भी असर डाल सकती है।

ट्रंप ने 14 देशों को भेजा औपचारिक पत्र, सूची से भारत को रखा बाहर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वह भारत के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंच गए हैं लेकिन उन्होंने प्रस्तावित समझौते के बारे में कोई तारीख या विवरण की जानकारी नहीं दी। ट्रंप का यह बयान उनके द्वारा 14 व्यापारिक भागीदार देशों को औपचारिक पत्र भेजने के बाद आया है। इसमें 1 अगस्त से 25 से लेकर 40 फीसदी तक जवाबी शुल्क लगाने की चेतावनी दी गई है। हालांकि उन्होंने बातचीत की गुंजाइश भी बनाए रखी है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 85.71 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे चढ़कर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार से स्थानीय मुद्रा को और बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर खुला। फिर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को 54 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.94 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 97.29 पर आ गया।

वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब जीता

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2025 में मारुति सुजुकी की वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब हासिल किया है। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में कंपनी ने वैगनआर सीएनजी की कुल 1,02,128 यूनिट्स की बिक्री की है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और बेहतर माइलेज की चाहत के चलते ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल–डीजल के विकल्प के रूप में सीएनजी वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं। मारुति की ही इर्टिगा सीएनजी इस दौरान सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी कार रही, लेकिन वैगनआर ने हैचबैक सेगमेंट में सबसे अधिक ग्राहक बटोरे। वैगनआर को इसकी किफायती कीमत, शानदार माइलेज और बेहतर फीचर्स के लिए जाना जाता है। इसमें 1.0 लीटर और 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन विकल्प मिलते हैं, जिसमें सीएनजी वेरिएंट भी उपलब्ध है। कार का दावा है कि सीएनजी पर यह 34 किमी प्रति किलोग्राम तक का माइलेज दे सकती है। इसके अलावा वैगनआर में 7–इंच टचस्क्रीन, 4–स्पीकर म्यूजिक सिस्टम, स्टेयरिंग माउंटेड कंट्रोल और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसकी एक्स–शोरूम कीमत 5.79 लाख रुपये से शुरू होकर 7.62 लाख रुपये तक जाती है।

जून 2025 में वाहनों की त्योहार और शादियों ने बढ़ाई मांग

नई दिल्ली । देश में सभी सेगमेंट की ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री जून 2025 में सालाना आधार पर 4.84 प्रतिशत बढ़कर 20.03 लाख यूनिट से ज्यादा हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार कि दोपहिया वाहनों की बिक्री 4.73प्रतिशत, तिपहिया वाहनों की 6.68प्रतिशत, पैसेंजर व्हीकल की 2.45प्रतिशत, कमर्शियल व्हीकल की 6.6प्रतिशत, ट्रैक्टरों की 8.68प्रतिशत और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स की बिक्री 54.95प्रतिशत बढ़ी। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने बताया कि त्योहार और शादी के सीजन ने बिक्री को प्रोत्साहन दिया, लेकिन वित्तीय चुनौतियां, कुछ मॉडलों की सीमित उपलब्धता, शुरुआती मानसूनी बारिश और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने खरीद के पैटर्न को प्रभावित किया। विग्नेश्वर ने बताया कि जून में दोपहिया वाहनों की मांग अच्छी रही, जबकि पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में बिक्री में सालाना 2.45प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, हालांकि मासिक आधार पर इसमें 1.49प्रतिशत की गिरावट रही। भारी बारिश और बाजार में नकदी की कमी से ग्राहक कम हुए, जबकि नई बुकिंग और प्रोत्साहन योजनाओं ने आंशिक रूप से सहारा दिया। कुछ डीलरों ने यह भी कहा कि कुछ निर्माता कंपनियों ने वॉल्यूम लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अनिवार्य बिलिंग की प्रक्रिया शुरू की, जिससे इन्वेंट्री स्तर करीब 55 दिन तक पहुंच गया। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट की बिक्री मासिक आधार पर 2.97प्रतिशत घटी, लेकिन सालाना 6.6प्रतिशत बढ़ी। विग्नेश्वर ने कहा कि मानसून से जुड़ी सुस्ती, सीमित लिक्विडिटी और स्वामित्व लागत में बढ़ोतरी से चुनौतियां बनी रहीं।

जियो ब्लैकरॉक म्युचुअल फंड बाजार में हलचल मचाने को तैयार

-ज्वाइंट वेंचर बाजार में अलग प्रोडक्ट पेश करने की बना रही योजना

Jio | BlackRock

नई दिल्ली। जियो ब्लैकरॉक म्युचुअल फंड बाजार में एंट्री के लिए तैयार है। भारत में इस साल के आखिर तक यह एएमसी करीब एक दर्जन इक्विटी और डेट फंड लॉन्च करने की योजना बना रही है। यह फंड छोटे निवेशकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाएंगे और लागत कम रखने सीधे निवेशकों तक पहुंचने की स्ट्रैटेजी अपनाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अरबपति मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक के इस ज्वाइंट वेंचर की भारत के 72.2 लाख करोड़ रुपए के फंड बाजार में एंट्री एक ऐसे बिजनेस मॉडल के साथ हो रही है जो इस सेक्टर में हलचल पैदा कर सकता है। यह ज्वाइंट वेंचर अपने व्यापक डिजिटल नेटवर्क का इस्तेमाल करके उन पारंपरिक डिस्ट्रीब्यूटर्स को दरकिनार करने की तैयारी में है जिन पर अभी तक बाकी इंडस्ट्री निर्भर रही है। जियो ब्लैकरॉक, भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम नेटवर्क कंपनी जियो और ब्लैकरॉक के इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म 'अलादीन' का इस्तेमाल करके एक भीड़भाड़ वाले बाजार में अलग तरह के प्रोडक्ट पेश करने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक एसेट मैनेजर ने बाजार नियामक के पास आठ नए फंड लॉन्च करने के लिए आवेदन किया है। ये फंड पिछले महीने लॉन्च किए गए तीन फंडों के अतिरिक्त होंगे। सूत्रों ने बताया कि इन फंडों में न्यूनतम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं। जियो ब्लैकरॉक ने सोमवार को कहा था कि उसने तीन नई डेट म्युचुअल फंड योजनाओं ओवरनाइट, लिक्विड और मनी मार्केट के जरिए 17,800 करोड़ जुटाए हैं। इन फंडों में अब तक 90 संस्थागत निवेशक और 67,000 रिटेल निवेशक पैसा लगा चुके हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज सुबह वायदा कारोबार की शुरुआत कमजोर रही। घरेलू बाजार में आज सोना 96,200 रुपये जबकि चांदी 1,07,800 रुपये के करीब रहा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई हालांकि बाद में इसमें गिरावट आने लगी। इसके अलावा सोना भी गिरावट के साथ ही खुला।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 279 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,193 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 96,472 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 294 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,178 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 96,257 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,157 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 96 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,889 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,985 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 165 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 1,07,938 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,07,800 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। कॉमेक्स पर सोना 3,310.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,316.90 डॉलर प्रति औंस था। सुबह यह 16.80 डॉलर की गिरावट के साथ ही 3,300.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला। वहीं सोने के वायदा भाव इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.93 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.74 डॉलर था।

एप्पल के नए सीओओ होंगे भारतीय मूल के सबीह खान, सीईओ ने की तारीफ

क्यूपर्टिनो (एजेंसी)। आईफोन मेकर एप्पल ने ऐलान किया है कि कंपनी में 30 सालों से काम करने वाले भारतीय मूल के सबीह खान अब एप्पल के नए मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) होंगे। सबीह खान एप्पल में जेफ विलियम्स की जगह लेंगे। जेफ इस साल रिटायर हो रहे हैं। यह नेतृत्व परिवर्तन ऐसे समय में हो रहा है जब एप्पल को आईफोन की बिक्री में गिरावट और टैरिफ संबंधी समस्याओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें जेफ विलियम्स 27 सालों से एप्पल के साथ हैं। वे अब अपने रिटायरमेंट तक कंपनी की डिजाइन टीम और परियोजनाओं का नेतृत्व करते रहेंगे। इसके बाद, एप्पल की डिजाइन टीम सीधे सीईओ टिम कुक को रिपोर्ट करेगी। कुक ने विलियम्स के काम की प्रशंसा की और उन्हें एप्पल की सफलता में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बताया। उन्होंने विलियम्स को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सप्लाई चेन में से एक बनाने, एप्पल वॉच लॉन्च करने, कंपनी की रणनीति को आकार देने और जुनून और प्रतिबद्धता के साथ डिजाइन टीम का नेतृत्व करने का श्रेय दिया।

बता दें सबीह खान 2019 में एप्पल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कंपनी की ग्लोबल सप्लाई चेन के प्रबंधन और खरीद एवं विनिर्माण की देखरेख में अहम भूमिका निभाई है। नए सीओओ के रूप में खान एप्पलकेयर की देखरेख सहित और भी जिम्मेदारियां संभालने की उम्मीद है। कुक ने खान की तारीफ करते हुए कहा कि सबीह एक शानदार रणनीतिकार और एप्पल की सप्लाई चेन के प्रमुख हैं। उन्होंने एडवांस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी को पेश करने, संयुक्त राज्य अमेरिका में एप्पल के उत्पादन का विस्तार करने और कंपनी को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मजबूत और फ्लेक्सिबल बनाने में मदद की है।

यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब एप्पल अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने की रणनीति के तहत अपने कुछ मैन्युफैक्चरिंग कामों को चीन से भारत स्थानांतरित करने पर काम कर रहा है। बता दें सबीह खान ने टफ्ट्स विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की है आौर रेनसेलर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री प्राप्त की है।

शुल्क की घोषणा से भारतीय कपड़ा क्षेत्र को होगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कपड़ा उद्योग ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के बांग्लादेश सहित कई देशों पर उच्च शुल्क लगाने का फैसला भारतीय कपड़ा एवं परिधान निर्यातकों के लिए अच्छे संकेत हैं। इससे कीमत के मोर्चे पर भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी और और वे अमेरिका में अपनी पहुंच बढ़ा पाएंगे। कपड़ा उद्योग का शीर्ष निकाय 'कनफेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्साटाइल इंडस्ट्रीज' (सीआईटीआई) के चेयरमैन राकेश मेहरा ने कहा, हम शुल्क-संबंधी घोषणाओं की प्रगति और उसके क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव पर नजर रख रहे हैं। यह घोषणा कई देशों से संबंधित हैं जो कपड़ा और परिधान निर्यात क्षेत्र में हमारे प्रतिस्पर्धी हैं।

मेहरा ने कहा, अमेरिका के बांग्लादेश सहित कई देशों पर उच्च शुल्क लगाने का फैसला भारतीय कपड़ा एवं परिधान निर्यातकों के लिए अच्छे संकेत हैं। इससे कीमत के मोर्चे पर भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी और और वे अमेरिकी में अपनी पहुंच बढ़ा पाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। वहीं दक्षिण अफ्रीका, बोस्निया-हर्जेगोविना पर 30 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, बांग्लादेश, सर्बिया पर 35 प्रतिशत, कम्बोडिया, थाइलैंड पर 36 प्रतिशत और लाओस और म्यांमा पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान किया। ये शुल्क एक अगस्त से लागू होंगे।

आज चार कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगे, निवेशकों की रहेगी खास नजर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। डॉ. रेड्डीज़ लैब्स, एलएमडब्ल्यू, डिफ्यूजन इंजीनियर्स और व्हील्स इंडिया के शेयरों पर निवेशकों की खास नजर रहेगी। इन कंपनियों ने अपने शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक ये स्टॉक्स गुरुवार को एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगे। एक्स-डिविडेंड डेट वह तारीख होती है, जब से कोई स्टॉक डिविडेंड के अधिकार के बिना ट्रेड करता है। इसलिए डिविडेंड पाने के लिए निवेशकों को यह शेयर एक्स-डिविडेंड डेट से पहले खरीदना जरूरी होता है। कंपनियां रिकॉर्ड डेट के आधार पर डिविडेंड के लिए योग्य शेयरधारकों की सूची बनाती है। डॉ रेड्डीज़ लैबोरेटरीज ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1 रुपए मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 8 रुपए का अंतिम डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए अंतिम डिविडेंड प्राप्त करने के पात्र सदस्यों के लिए 10 जुलाई यानी गुरुवार को रिकॉर्ड डेट फ़ाइनल किया है। एलएमडब्ल्यू ने 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले शेयर पर 30 रुपए डिविडेंड देने का प्रस्ताव रखा है। यह डिविडेंड 17 जुलाई को होने वाली एजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद मिलेगा। व्हील्स इंडिया ने 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले शेयर पर 7.03 रुपए यानि 70.3 फीसदी फाइनल डिविडेंड की घोषणा की है। एजीएम में मंजूरी के बाद डिविडेंड 15 अगस्त 2025 तक दिया जाएगा। रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई है। डिफ्यूजन इंजीनियर्स ने 10 रुपए के फेस वैल्यू पर 1.50 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है। यह डिविडेंड 22 जुलाई को होने वाली एजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद मिलेगा। डिविडेंड एजीएम के 30 दिनों के अंदर भुगतान किया जाएगा। कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई तय की है। इसके अलावा, फाइज़र, एमफेसिस, एलीगेंट मार्बल्स एंड ग्रानी इंडस्ट्रीज़, जॉनसन कंट्रोल्स-हिटाची, काबरा एक्सट्रूज़नटेक, एसजेएस एंटरप्राइज़ेस, एसएमएल इसुजु और सुंदरम फाइनेंस के शेयर भी आज एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड कर रहे हैं और निवेशकों के फोकस में रहेंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

– सेंसेक्स 176.43 , निफ्टी 46.40 अंक टूटा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 176.43 अंक टूटकर 83,536.08 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 46.40 अंकों की गिरावट के साथ ही 25,476.10 अंकों पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बह बयान है जिसमें उन्होंने कहा है कि एक अगस्त से टेरिफ लगाया जाएगा। इससे निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे घरेलू बाजार पर दबाव आया। आज सुबह भी बाजार की कमजोर शुरुआत हुई और ये सिलसिला दिन भर जारी रहा।

आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये जबकि शेष 17 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए । इसी प्रकार 50 शेयरो वाले एनएसई निफ्टी की 21 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए शेष 29 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.40 फीसदी उछले जबकि एचसीएल टेक के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.03 फीसदी गिरे।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.26 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.90 फीसदी, पावरग्रिड 0.62 फीसदी, एशियन

पेंट्स 0.57 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.49 फीसदी, आईटीसी 0.48 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.45 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.36 फीसदीकी तेजी के साथ बंद हुए।

वहीं टाटा स्टील के शेयरों में 1.76 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.39 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.28 फीसदी, बीईएल 1.01फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.77 फीसदी, एलएंडटी 0.66फीसदी, टीसीएस 0.65 फीसदी, ट्रेंट 0.61 फीसदी, भारती एयरटेल 0.51 फीसदी, सनफार्मा 0.50 फीसदी, नीचे आये।

आज बीएसई मिडकैप इंडेक्स स्थिर रहा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। वहीं क्षेत्रीय स्तर पर, एफएमसीजी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि मेटल और रियल्टी में एक-एक फीसदी से अधिक की गिरावट आई। जियो का आईपीओ 2025 से आगे खिसकने से रिलायंस के शेयरों में 2 फीसदी की गिरावट आई। ट्रंप के भारत के लिए प्रमुख निर्यात श्रेणी, फार्मास्यूटिकल्स के आयात पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बाद निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से भी बाजार नीचे आया है।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स आज सुबह 90 अंक के करीब नीचे आकर 83,625.89 अंक पर खुला। सुबह यह 114.39 अंक करीब 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 83,598.12 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी हल्की गिरावट के साथ ही 25,514.60 अंक पर खुला।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई इंडेक्स 0.18 फीसदी ऊपर आया जबकि टोपिक्स इंडेक्स में 0.19 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी। दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी 0.19 फीसदी ऊपर आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.59 फीसदी गिरा। निवेशक अब चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर नजर रख रहे हैं। इसमें जून महीने की महंगाई और उत्पादक मूल्य शामिल है। जून में चीन की उपभोक्ता महंगाई 0.10 फीसदी रही, जबकि मई में यह 0.10 फीसदी की गिरावट पर थी। हालांकि, उत्पादक कीमतों में सालाना आधार पर 3.6 फीसदी की गिरावट आई, जो अनुमानित 3.2 फीसदी से ज्यादा और मई की 3.3 फीसदी गिरावट से भी गहरी रही। दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट में बाजार स्थिर बने रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.07 फीसदी नीचे आकर 6,225.52 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.03 फीसदी ऊपर आकर 20,418.46 पर बंद हुआ। डॉव जोन्स 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 44,240.76 पर बंद हुआ।

टाटा संस की टाटा केपिटल में हिस्सेदारी 93 फीसदी, वैल्यू 98,178 करोड़ हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की टाटा संस के पास अपनी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी टाटा केपिटल में 93 फीसदी हिस्सेदारी है। इस हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 98,178 करोड़ रुपए यानी करीब 11.4 अरब डॉलर है। टाटा केपिटल की यह वैल्यू मार्च में हुए राइट्स इश्यू के आधार पर निकाली गई है, जिसमें प्रति शेयर की कीमत 281 रुपए रखी गई थी। टाटा केपिटल के 2025 की सालाना रिपोर्ट में इसकी कुल इक्विटी वैल्यू 1.05 लाख करोड़ रुपए बताई गई है, जिसके आधार पर यह भारत की टॉप 10 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में आठवें स्थान पर है।

टाटा संस अब टाटा केपिटल में अपनी 18 फीसदी तक हिस्सेदारी को आईपीओ के जरिए बेचने की तैयारी में कर रहा है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस आईपीओ से टाटा संस को 17,672 करोड़ रुपए हासिल हो सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए सेबी के पास गोपनीय तरीके से आईपीओ का आवेदन दिया था, जिसे मंजूरी कर लिया गया है। टाटा केपिटल को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 'अपर लेयर' के रूप में वर्गीकृत किया है, जिसके नियमों के तहत सितंबर तक इसे पब्लिक लिस्टिंग करानी होगी। टाटा संस के अलावा टाटा केपिटल के शेयरधारकों में इसके कर्मचारी और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन शामिल हैं।

टाटा संस को इस समय नकदी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। 2025 में इसकी डिविडेंड आय और शेयर बायबैक से होने वाली कमाई 3.5 फीसदी घटकर 36,514 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 37,832 करोड़ रुपए थी। यह करीब एक दशक में पहली बार ऐसी कमी देखी गई है। साल 2024 में टाटा संस की स्टैंडअलोन ऑपरेटिंग आय 25 फीसदी बढ़कर 43,767 करोड़ हो गई थी, जिसमें 95 फीसदी हिस्सा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के डिविडेंड और बायबैक से आया था, लेकिन 2025 में टीसीएस से डिविडेंड आय 34,053 करोड़ से घटकर 32,722 करोड़ रहने की उम्मीद है। इस बीच, टाटा संस जो अब कर्ज मुक्त है और अपर लेयर के रूप में वर्गीकृत है उसने आरबीआई से इस वर्गीकरण से बाहर निकलने के लिए आवेदन किया है, जो अभी लंबित है। बता दें जून में टाटा केपिटल ने 1,752 करोड़ का दूसरा राइट्स इश्यू मंजूर किया, जिसमें टाटा संस 1,630 करोड़ का अतिरिक्त निवेश कर सकती है।

गुरु-शिष्य की पवित्र परम्परा का महामहोत्सव है, गुरु पूर्णिमा

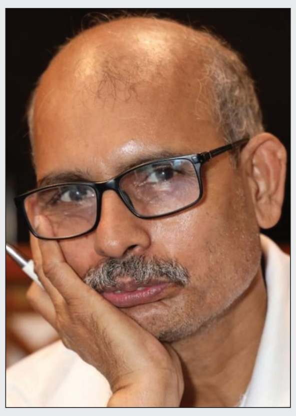

विनोद कुमार सिंह

भारत भुमि में अनेकों अवतारों, ऋषि-मुनियों, देवों, संत-साधु फकीरों व सच्चे साम्थर्य गुरुओं की पहली पंसद रही है।जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण विभिन्न युगों में स्वयं भगवान विभिन्नअवतारों के रूप में ना अवतरित हो कर मानव का कल्याण किया है।

भारत की पवित्र भुमि सैदव ऋषि मुनियों,संतों साधुओं, महापुरुषों व विभिन्न अवतारों में ना केवल अवतरित हुए बल्कि उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को साधना व तपों स्थली बनाकर आध्यात्म का अनोखी अलख जगाई है। भारत भुमि में अनेकों अवतारों,ऋषि-मुनियों , देवों,संत-साधु फकीरों व सच्चे साम्थर्य गुरुओं की पहली पंसद रही है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण विभिन्न युगों में स्वयं भगवान विभिन्नअवतारों के रूप में ना अवतरित हो कर मानव का कल्याण किया है।हमारे यहाँ गुरु-शिष्य की परम्परा अति प्राचीन है।जिसका वर्णन हमारे वेद,पुराण व शास्त्रों में उल्लेख है। इसी श्रंखला में जब मानव त्रितापो से त्रस्त है,वह अपने उपर माया के आवरण व अज्ञानता के अंधकार में भटक रहा है।स्वयं मै भी इस त्राण से तड़प रहा था तभी मुझे एक परिचित के माध्यम से अन्तराष्ट्रीय इस्सयोग समाज के संस्थापक - महात्मा सुशील कुमार व माँ विजया से ना केवल सम्पर्क हुई बल्कि उन्होंने मुझे शक्तिपात दीक्षा देकर मुझे अनुग्रहित है।यह घटना मेरे जीवन में 25 बर्ष पूर्व सन् 2000 की है। मेरे जीवन में आमूल परिवर्तन हुआ ।तभी से अपने सद्गुरू -सद् गुरूदेव माँ के सान्धिय में हुई।इस वर्ष 10 जुलाई को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित- गौर्स सरोवर प्रेमियर-गौर सिटी पताः जीएच-01,सेक्टर 04, ग्रेटर नोएडा वेस्ट रोड,ग्रेटर नोएडा, यूपी में अन्तराष्ट्रीय इसस्योग समाज का गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव व दिव्य आयोजन किया गया है। दिल्ली व एन सी आर के इस्सयोगी इस आयोजन के सफल आयोजन के लिए सद्गुरू देव - माँ की दिव्य उपस्थित हेतू अपने पलक - पावड़े विछायें हुए दिन रात मेहनत कर रहें है। इस अवशर पर भारत के विभिन्न राज्यो के अलावें सात समुंदर पार से भी बड़ी इस्सयोगी गुरु पूर्णिमा मनाने आ रहे है। ऐसे में मेरी लेखनी भी गुरु - गुरुपूर्णिमा के गुरु पूर्णिमा के संदर्भ में आप सबसे चर्चा करने से अपने आपको रोक नही पा रहा हूँ। सर्ववदित रहे कि हमारी सनातन संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ स्थान दिया गया है।संत कबीर कहते है -'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।

बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥ 'गुरु' शब्द का अर्थ होता है 'अंधकार (अज्ञान) को दूर कर प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले जाने वाला'। गुरु वह होता है जो शिष्य के जीवन को दिशा देता है, उसके भीतर स्थित आत्मा को जागृत करता है और उसे आत्मबोध की ओर ले जाता है! 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥' यह श्लोक गुरु के महत्व और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान के प्रति आभार व्यक्त करता है,जो हमें अज्ञान के अंधकार से निकाल कर सत्य का प्रकाश दिखाते हैं। .यह गुरु को सर्वोच्च स्थान देता है,जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान ही शक्ति और महिमा रखते हैं। गुरु की सेवा की जाए, तो वह सेवा ईश्वर तक ही पहुँचती है। 'शिष्य' वह होता है जिसमें सीखने की तड़प हो,श्रद्धा रखता हो और अपने जीवन में गुरु के उपदेशों को आत्मसात करने की उत्कंठा रखता हो। शिष्यता केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है,बल्कि अहंकार का त्याग कर समर्पण के भाव से गुरु के चरणों में लीन होना है। प्राचीन काल में शिक्षा का प्रमुख माध्यम गुरुकुल व्यवस्था थी, जहाँ शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे।यहाँ शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती थी, बल्कि धर्म, नीति, व्यवहार, अस्त्र-शस्त्र, संगीत, योग और आत्म ज्ञान की भी शिक्षा दी जाती थी। उदाहरणस्वरूप, स्वयं प्रभु श्रीराम ने ऋषि वशिष्ठ एवं विश्वामित्र से शिक्षा प्राप्त की; शोलह कलाओं से युक्तश्री कृष्ण ने ऋषि सन्दीपन से शिक्षा प्राप्त की।सक्ष्म गुरु केवल शास्त्रों का ही ज्ञाता नहीं होता,वह शिष्य की आत्मा का चिकित्सक भी होता है।जब शिष्य अपने संदेहों,भ्रमों और अहंकारों से मुक्त होकर गुरु के सान्निध्य में आता है,तब उसे आत्म साक्षात्कार का मार्ग प्राप्त होता है। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए शंकराचार्य ने कहा है : 'ज्ञानदान करनेवाले सद्गुरुओं की उपमा इस त्रिभुवन में कहीं भी नहीं मिलती। यदि उन्हें पारस की उपमा दी जाए, तो भी वह अधूरी ही रहेगी; क्योंकि पारस लोहे को स्वर्ण तो बना सकता है, परंतु उसे अपना 'पारसत्व' नहीं दे सकता।' 'कल्पवृक्ष की उपमा दी जाए तो भी कम है, क्योंकि कल्पना करने से उसका महिमा मिलता है। परंतु बिना कल्पना किए ही जो इच्छा पूर्ण कर दे,वह कामधेनु स्वरूप श्रीगुरु ही हैं।'वास्तव में 'गुरु को उपमा देने योग्य कोई भी वस्तु इस जगत में नहीं है।सबसे बड़ा प्रमाण गुरु शिष्य पवित्र परंपरा का महामहोत्सव है।गुरु पूर्णिमा।जैसा कि आप सभी को मालुम है कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास जी का जन्म हुआ था।ऐसी मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्यों सप्त ऋषियों को सबसे पहले योग का दिव्य ज्ञान प्रदान किया था। तदोपरान्त इस ज्ञान को लेकर सप्तऋषि पूरी दुनिया में गए। तभी से गुरु शिष्य की पवित्र परम्परा चली आ रही है। गुरु शिष्य पवित्र परंपरा का महोत्सव है गुरु पूर्णिमा। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। ऐसी मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्यों सप्त ऋषियों को सबसे पहले योग का दिव्य ज्ञान प्रदान किया था।सप्तऋषि इस ज्ञान को लेकर पूरी दुनिया में गए। गुरु पूर्णिमा का दिन वह समय है जब साधक गुरु को अपना आभार अर्पित करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।साधक जब अपने सद्गुरू के सान्धिय में आध्यात्म के पथ पर साधना और ध्यान का अभ्यास करते हुए अपने जीवन को सफल बनाने के लिए निकल पड़ते है। यह पवित्र पावन दिवस को गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन मा ना गया है। गुरू पूर्णिमा के महा महोत्सव में कलम के सिंपाई भी अपनी सेवा, श्रद्धा, समर्पण के भाव पुष्प अपने सद्गुरूदेव - माँ के युगल श्री चरणों में यह कहते हुए 'जिन हथेलियों पर आपने दिये थे छड़ी के निशान,हम हमेशा ही रहे आप के दिव्य ज्योति से रहे अजान।आपने हमें पल पल कराते थें , बह्म दर्शन का ज्ञान। आप ही तो है ,मेरे कृपा निधान '। सद्गुरुदेव माँ की छत्र छाया अपने मानस संतानो पर सैदव बनी रहें। आप को गुरुपूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं ।

संपादकीय

पारदर्शिता भी जरूरी

क्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को अपेक्षाकृत शांत अवधि के दौरान भी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए। शांति के समय को भ्रम बताते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र बलों के पराक्रम की भी उन्होंने सराहना की। सिंह ने रक्षा लेखा विभाग के अपने संबोधन में कहा कि विश्व हमारे रक्षा क्षेत्र को सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। अधिकतर उपकरण जो हम पहले आयात करते थे, अब देश में ही बनाए जा रहे हैं। अधिकारियों को बाहरी ऑडिट या सलाहकारों पर निर्भर रहने की बजाय आत्मावलोकन द्वारा आंतरिक सुधार करने की सलाह भी दी। बीते साल वैश्विक सैन्य व्यय के तकरीबन पौने तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंचने की चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने इसे स्वदेशी रक्षा उद्योग के लिए अपार अवसर बताया। इस संबोधन में अनिश्चितता व शांति के समय को भ्रम बताने के पीछे की उनकी रणनीति चुनौती के तौर पर समझी जा सकती है। बेशक, मुल्क के आंतरिक व सीमापार से होने वाले हमलों पर गोपनीयता बरतना हितकारी है मगर ऐसे किसी भी संकट के प्रति

सरकार को सेना को सतर्क भी रखना होगा। मेक इन इंडिया के लॉन्च के बाद यानी 2014-15 से 2023-24 तक भारत का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। रक्षा मंत्रालय ने 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 193 अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि इनमें से 92% घरेलू रक्षा उद्योग को दिए गए। रक्षा उपकरणों पर आत्मनिर्भरता देश की सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह उन महाशक्तियों के लिए भी चुनौती है, जिनका इस क्षेत्र में एकक्षत्र राज रहा है। रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के चलते अब 65% रक्षा उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित हो रहे हैं। चूंकि रक्षा मंत्रालय की ऑडिट रिपोर्टस सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं होतीं इसलिए सरकार व सैन्याधिकारियों का जिम्मा है कि अपनी समीक्षा स्वयं करें। हालांकि लंबे समय से रक्षा विभाग की मीडिया नीति को लेकर विवाद रहा है। गोपनीय या संवेदनशील रिपोर्ट के अतिरिक्त अन्य लेखा परीक्षक सूचनाओं के आधार पर नियम बनाए जा सकते हैं ताकि किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ियों से रक्षा विशेषज्ञों, संबंधित विश्लेषकों आदि को प्रचारित/प्रसारित किए बगैर विचार का मौका प्राप्त हो। आंतरिक समीक्षा के बावजूद पारदर्शिता देश और देशवासियों के हित में कम आवश्यक नहीं कही जा सकती।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरूआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भडका। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है।

और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है न्यू अग्रवाल पनीर भंडार। इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान लालाजी पनीर भंडार के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का संगम शुद्ध शाकाहारी होटल बन गया सलीम ढाबा। मां भवानी जूस कार्नर का नाम हो गया फहीम जूस केंद्र। टी प्वाइंट का नाम हो गया अहमद टी स्टाल। ऐसे ही नीलम स्वीट्स का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के चीतल ग्रैंड के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे जनता वैष्णो ढाबा का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना गणपति ढाबा बेच दिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है।

अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मजबूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को

अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मजी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से खरीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके।

वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है!

(स्वतंत्र पत्रकार)

भ्रष्टाचार : आईसीयू में मेडिकल सिस्टम

आर.के. जैन

जब एक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और उसकी नींव मानी जाने वाली मेडिकल शिक्षा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाए तो यह केवल एक घोटाला नहीं, बल्कि लाखों लोगों के भरोसे और भविष्य पर सीधा हमला है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल में सनसनीखेज खुलासे के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) और निजी मेडिकल कॉलेजों के बीच गहरे भ्रष्टाचार के जाल को उजागर किया है। 34 लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी ऐसी सच्चाई सामने लाई है, जो न केवल मेडिकल शिक्षा की विसनीयता, बल्कि स्वास्थ्य तंत्र के प्रति जनता का विश्वास भी हिलाती है।

यह घोटाला स्वास्थ्य मंत्रालय के गलियारों से शुरू होता है, जहां अधिकारियों ने बिचौलियों और निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ मिल कर ऐसा तंत्र बनाया जो नियमों को तोड़ने-मरोड़ने का पर्याय बन गया।

गोपनीय दस्तावेज की चोरी, निरीक्षण कार्यक्रम लीक होना, और मूल्यांकनकताओं की जानकारी कॉलेजों तक पहुंचना-सब सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। इस सेटिंग ने मेडिकल कॉलेजों को वह मौका दिया जिसके जरिए वे निरीक्षण प्रक्रिया को धोखे में बदल सके। कॉलेजों ने इस अवसर का पूरा फायदा उठाया। फर्जी संकाय की नियुक्ति, काल्पनिक मरीजों को भर्ती दिखाना और बायोमेट्रिक उपस्थिति पण्राली में हेरफेर जैसे हथकंडे अपनाए गए। यह सब रित के खेल का हिस्सा था, जहां लाखों रुपये हवाला के जरिए लेन-देन किए गए। यह धन न केवल व्यक्तिगत लाभ, बल्कि सामाजिक-धामिंक गतिविधियों के नाम पर भी इस्तेमाल हुआ। खुलासा सवाल उठाता है कि क्या पवित्रता का मुखौटा पहन कर भ्रष्टाचार को छिपाना अब आम बात हो गई है?

मेडिकल शिक्षा का उद्देश्य कुशल और नैतिक डॉक्टर तैयार करना है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करें लेकिन जब यह प्रक्रिया ही भ्रष्टाचार से ग्रस्त हो तो पढ़ कर निकलने वाले डॉक्टरों की गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजिमी है। यह घोटाला मेडिकल शिक्षा की वैश्विक साख पर गहरा प्रहार करता है। भारत, जो चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर जाना जाता है, ऐसे घोटालों के कारण विसनीयता खो रहा है। उन लाखों छात्रों का क्या जो भारी-भरकम फीस चुका कर इन कॉलेजों में पढ़ते हैं? क्या उनकी मेहनत और सपने भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ जाएंगे?

यह घोटाला मेडिकल शिक्षा तक सीमित नहीं है। इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव भी गंभीर हैं। निजी मेडिकल कॉलेजों का व्यावसायीकरण पहले ही शिक्षा को विलासिता बना चुका है। मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए मेडिकल शिक्षा का सपना और दूर हो जाता है। हवाला के जरिए रित का लेन-देन अर्थव्यवस्था को खोखला करता है। यह धन, जो जनकल्याण के लिए उपयोग हो सकता था, भ्रष्टाचार के काले गलियारों में गायब हो रहा है। धार्मिक-सामाजिक कायरे के नाम पर इसका इस्तेमाल न केवल नैतिकता पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज के प्रति गहरे विश्वासघात को भी दशार्ता है। यह घोटाला एनएमसी की कार्यपण्राली पर भी सवाल उठाता है।

एनएमसी को भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था लाने के लिए बनाया गया था, लेकिन इस घोटाले ने तमाम दावों की पोल खोल दी। स्पष्ट है कि नियामक ढांचे में गहरी खामियां हैं। निरीक्षण प्रक्रिया को डिजिटल और स्वचालित करना, स्वतंत्र ऑडिट अनिवार्य करना, और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो इस तंत्र को मजबूत कर सकते हैं। यह सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारा भी दायित्व है कि हम शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को भ्रष्टाचार से मुक्त करने की दिशा में प्रयास करें।

यह घोटाला एक कड़वी सच्चाई सामने लाता है कि हमारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, लेकिन यह अवसर भी है-सुधार का अवसर, जवाबदेही का अवसर और ऐसी व्यवस्था बनाने का अवसर, जो नैतिकता और पारदर्शिता पर टिकी हो। सीबीआई की कार्रवाई एक शुरूआत है, लेकिन यह तभी सार्थक होगी जब इसके परिणामस्वरूप ठोस बदलाव आएं। हमें सुनिश्चित करना होगा कि मेडिकल शिक्षा का हर स्तर-प्रवेश से लेकर मान्यता तक-पारदर्शी और जवाबदेह हो।

यह न केवल उन छात्रों के लिए जरूरी है, जो अपने

सपनों को साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, बल्कि उन करोड़ों मरीजों के लिए भी जरूरी हैं, जिनका जीवन इन डॉक्टरों के हाथों में होता है। यह घोटाला चेतावनी है। बताता है कि हमारी व्यवस्था की कमजोरियों ने हमारे विश्वास से ठगी की है, और हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। हमारी मेडिकल शिक्षा को भ्रष्टाचार के इस काले साये से मुक्त कराना होगा। बेशक, यह लंबी लड़ाई है, लेकिन अगर हम एकजुट होकर भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ खड़े हों, तो हम एक ऐसी व्यवस्था बना सकते हैं, जो न केवल कुशल डॉक्टर तैयार करेगी बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी निभाएगी। आइए, इस घोटाले को सबक बनाएं और एक नये, पारदर्शी और नैतिक भारत की नींव रखें।

दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान से पक्षी टकराया... आसमान में अटकी 175 यात्रियों की सांसें

पटना (एजेंसी)। पटना से 175 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान से पक्षी टकरा गया है।इस घटना के बाद विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आई। बुधवार को जब ये हादसा हुआ तब विमान में कुल 175 यात्री सवार थे। इसके बाद घटना की गंभीरता को देखकर विमान को वापस लौटाकर पटना ले जाया गया है।इस कारण देश में एक और विमान हादसा टल गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पटना से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान में बुधवार को सुबह उड़ान भरने के तुरंत बाद ही तकनीकी खराबी की समस्या सामने आई।इसके बाद विमान को फौरान वापस पटना के जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा गया। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि पक्षी टकराने के कारण विमान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई थी। पटना हवाई अड्डे की ओर से घटना को लेकर बयान में कहा गया है कि पटना से दिल्ली जाने वाले विमान के टेकऑफ करने के तुरंत बाद सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर विमान के पक्षी टकराने की सूचना सामने आई।जांच के दौरान रनवे पर टुकड़ों में एक मृत पक्षी मिला।एप्रोच कंट्रोल यूनिट के माध्यम से विमान को भी इसकी सूचना दी गई। एप्रोच कंट्रोल यूनिट से संदेश मिला कि एक इंजन में कंपन के कारण विमान को पटना वापस आने का अनुरोध किया गया था।स्थानीय स्टैंड-बाय घोषित किया गया और विमान भारतीय समयानुसार सुबह 9ः03 बजे रनवे 7 पर सुरक्षित रूप से उतर गया।

खेलते-खेलते खेत में बने गड्ढे में गिरे चार बच्चे, रातभर ढूंढता रहा परिवार

-सुबह उतराते दिखे शव तो गांव में मचा कोहराम, पुलिस जांच में जुटी

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के मेजा में खेत में बने गड्ढे में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है जहां चारों मासूम बच्चे गांव में खेल रहे थे। खेलते-खेलते वे खेत के गड्?ढे में गिर गए। जब बच्चे घर नहीं पहुंचे तो तलाश शुरू हो गई। गांव के लोग हर तरफ बच्चों को तलाशते रहे। किसी का ध्यान खेत में बने गड्?ढे की तरफ नहीं गया। रात भर बच्चों की तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सुबह गड्ढे में भरे पानी में शव उतराते हुए मिले। चार बच्चों की मौत से पूरे गांव में कोहराम मचा है। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह गांव से कुछ दूर खेत में स्थित ईंट भट्ठे के लिए खोदे गए गड्ढे में एक बच्चे का शव उतराता नजर आया। इसके बाद गांव के लोग गड्?ढे में उतरे। एक-एक कर चारों बच्चों के शव बाहर निकाले। मरने वालों बच्चों में हीरा आदिवासी के बेटे हुनर (5) वैष्णवी (4), विमल कुमार का बेटा कंधा (5) और संजय आदिवासी का बेटा केशरी (4) हैं। इनके शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल वहीं गांव में मातम छा गया है। सूचना मिलते ही मेजा थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी सामग्री अपलोड करने वालों पर होगी कार्रवाई

-खुफिया व साइबर एजेंसियों के साथ मिलकर मजबूत तंत्र बना रही एनआईए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआईए सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी सामग्री अपलोड करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। एनआईए खुफिया और साइबर सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर मजबूत तंत्र बना रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियां यह कार्रवाई करने की तैयारी इसलिए कर रही हैं कि आतंकी संगठन अक्सर कट्टपंथ फैलाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। बता दें हाल में ही खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू, गैंगस्टर गोल्डी बरार और अन्य भारत विरोधी लोगों के ऑनलाइन वीडियो भारत सरकार ने ब्लॉक किए हैं। वहीं एजेंसियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को नए फ्रेमवर्क के तहत उनकी जिम्मेदारियों के बारे में औपचारिक रूप से सूचित करेंगी। नए ज्वाइंट प्लान के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को अपने तंत्र के जरिए राष्ट्र विरोधी और भ्रामक कंटेंट पर नजर रखना और उसे हटाना होगा। इसके अतिरिक्त सरकार को नियमित रूप से पोस्ट पर की गई कार्रवाई के बारे में अपडेट देना होगा। इसमें विदेश से अपलोड की गई सामग्री भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कानून के तहत न केवल भारत के बाहर से ऐसी सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, बल्कि देश के अंदर भी इस तरह की पोस्ट करने वाले व्यक्तियों और नेटवर्क के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

लारेंस गैंग के गुर्गे की गिरफ्तारी के बाद चर्चा में क्यों हैं जूता कारोबारी प्रिंकल

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना के जूता कारोबारी गुरविंदर सिंह प्रिंकल फिर चर्चा में हैं। नवंबर 2024 में प्रिंकल पर गैंगस्टर रिषभ बेनिपाल उर्फ नानू और उसके साथियों ने गोलियां चलाई थीं। प्रिंकल को 5-6 गोलियां लगी थीं, लेकिन भगवान का शुक्र हैं कि वे बाल-बाल बच गए थे। अब एक नया विवाद फिर सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रिंकल और दुबई में रहने वाले नमित शर्मा के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता है। हाल ही में नमित ने एक वीडियो वायरल किया, जिसमें उसने प्रिंकल को जान से मारने की धमकी दी थी। इधर, फगवाड़ा में काउंटर इंटेलिजेंस द्वारा हाल ही में पकड़े लारेंस गैंग के गुर्गे हिमांशु सूद से कड़ी पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक, हिमांशु ने खुलासा किया कि उसने जूता कारोबारी प्रिंकल को निशाना बनाना था। हालांकि गैंगस्टर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका। बता दें कि पुलिस को जब इनपुट मिली, तब उन्होंने पहले ही प्रिंकल को अलर्ट किया था। पुलिस ने तभी से हमलावरों को लोकेट करना शुरू कर दिया था। हिमांशु से पुलिस को दो पिस्टल बरामद हुए थे। बदमाश दोनों पिस्टल यूपी से लाया था।

विकसित गांवों और समृद्ध किसानों के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूएटी), मेरठ में उत्तर प्रदेश एग्रीटेक इनोवेशन हब और एग्रीटेक स्टार्टअप तथा टेक्नोलॉजी शोकेस का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा, एसवीपीयूएटी के कुलपति डॉ. केके सिंह तथा अन्य गणमान्यों की उपस्थिति बनी रही।

प्रधान ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए बधाई दी और कहा कि इससे भारतीय किसानों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि विकसित गांवों और समृद्ध किसानों के बिना विकसित भारत की परिकल्पना अधूरी है और यह पहल उस दिशा में एक सार्थक और ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत हाल ही में केंद्रीय बजट में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की घोषणा की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई, मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ भारत के कृषि क्षेत्रों तक पहुंचे।

जयंत चौधरी ने ग्रामीण युवाओं और किसानों को कृषि तकनीक से प्रेरित प्रगति के नए युग को अपनाने के लिए सशक्त बनाने में हब के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने परंपरा को प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में एसवीपीयूएटी में मॉडल स्मार्ट फार्म में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पर एक सत्र आयोजित किया गया। एग्रीटेक में अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी रोपड़ और एसवीपीयूएटी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बीस एग्रीटेक स्टार्टअप की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें उनके अभिनव उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया। आधुनिक और टिकाऊ खेती के तरीकों में उनके योगदान के लिए कुछ प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, किसान-केंद्रित पहल और आगामी स्टार्टअप और कौशल कार्यक्रमों की घोषणाएं भी शामिल थीं, जो उत्तर प्रदेश में भविष्य के लिए तैयार कृषि संस्कृति के निर्माण की दिशा में एक साहसिक कदम का संकेत था।

महिला के वोटर आईडी पर नीतीश की फोटों, पति ने कहा, मैं पत्नी किसे मानूं, अभिलाषा को या सीएम को

मधेपुरा । मधेपुरा के जयापालपट्टी निवासी एक महिला के वोटर आईडी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की फोटो लगी लगी है। यह मामला तब सामने आया, जब बुधवार को बिहार बंद के दौरान महिला का पति चंदन कुमार आईडी कार्ड लेकर मीडिया के पास पहुंचा गया। चंदन ने मीडिया को जब आईडी दिखाया, तब कार्ड पर नाम अभिलाषा कुमारी लिखा है, लेकिन तस्वीर सीएम नीतीश की लगी है। इस मामले में चंदन का कहना है, मैं पत्नी किसे मानूं, अभिलाषा को या नीतीश कुमार। चंदन ने चुनाव आयोग की लापरवाही बताया है। चंदन ने बताया, करीब ढाई महीने पहले पोस्ट ऑफिस के जरिए हमारी पत्नी के नाम से वोटर आईडी कार्ड आया। लिफाफे पर नाम और पता सब ठीक था, लेकिन कार्ड पर मुख्यमंत्री नीतिश की फोटो छपी थी। चंदन कुमार ने बताया, इस गड़बड़ी को लेकर हम अपने बीएलओ के पास पहुंचे। बीएलओ ने कहा, यह बात किसी को नहीं बताना। चंदन ने कहा, आमतौर पर वोटर आईडी पर किसी अनजान व्यक्ति की तस्वीर गलती से लग जाती है, लेकिन एक राज्य के मुख्यमंत्री की फोटो आम महिला के कार्ड पर छपना बड़ी लापरवाही है। इसका उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि इस तरह की गलती भविष्य में न हो। चंदन के कहा, चुनाव आयोग बीजेपी की कठपुतली बन कर रह गया है। इसलिए इस तरह की गलतियां हो रही हैं। एक तरफ मर्डर और रेप हो रहा है। इससे प्रदेश की जनता त्रस्त है। अब वोटर वेरिफिकेशन करवा कर लोगों को परेशान किया जा रहा है।

मेरी इजाजत के बिना अखबारों, न्यूज चैनलों या डिजिटल मीडिया से कोई बात नहीं करें

-राज ठाकरे ने पोस्ट कर पार्टी सदस्यों को दी हिदायत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने पोस्ट किया। उन्होंने पार्टी सदस्यों को पूरे विवाद पर चुप्पी साधने का निर्देश दिया।

राज ठाकरे ने लिखा कि, यह एक स्पष्ट आदेश है। पार्टी के किसी भी सदस्य को अखबारों, न्यूज चैनलों या किसी भी डिजिटल मीडिया से कोई बात नहीं करनी है। न ही अपनी प्रतिक्रिया वाले वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करना हैं। ऐसा करना पूरी तरह से मना है। और जिन्हें मीडिया से बातचीत की आधिकारिक जिम्मेदारी दी गई है, वे भी मेरी अनुमति लिए बिना, मुझसे पूछे बिना किसी भी प्रकार के मीडिया से बात नहीं करे।

बात दें मराठी को लेकर विवाद के बीच ठाणे के भायंदर में मनसे ने प्रदर्शन किया था। इस बीच महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और स्थानीय विधायक प्रताप बाबूराव सरनाईक वहां पहुंचे, इससे मनसे के कार्यकर्ता भड़के और उनका विरोध किया। इससे पहले मंगलवार सुबह पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के ठाणे-पालघर प्रमुख अविनाश जाधव सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। जाधव के नेतृत्व में ये कार्यकर्ता ठाणे के भायंदर में व्यापारियों के विरोध प्रदर्शन के जवाब में एक रैली करने जा रहे थे। पुलिस ने इस रैली की परमिशन नहीं दी थी।

मुख्य न्यायाधीश को 6 महीने तक सरकारी बंगले में रहने की अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने रिटायरमेंट के बाद भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अब तक सरकारी आवास खाली नहीं किया था, लेकिन अब बताया जा रहा है कि उन्होंने यह आवास छोड़ना शुरू कर दिया है। इस मुद्दे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश के सबसे ऊंचे न्यायिक पद पर रहने वाले व्यक्ति को रिटायरमेंट के बाद कोई स्थायी आवास या विशेष सुविधा मिलती है, जैसी कि पूर्व राष्ट्रपति को दी जाती है। इस सवाल का सीधा जवाब है - नहीं। भारत के मुख्य न्यायाधीश को सेवा समाप्ति के बाद स्थायी सरकारी आवास की सुविधा नहीं मिलती। नियमों के अनुसार, रिटायरमेंट के बाद किसी भी मुख्य न्यायाधीश को अधिकतम छह महीने तक सरकारी बंगले में रहने की अनुमति होती है। आमतौर पर यह टाइप- वीआईआई श्रेणी का आवास होता है। कुछ विशेष परिस्थितियों में यदि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट प्रशासन की अनुमति हो तो यह अवधि थोड़े समय के लिए बढ़ाई जा सकती है।

चंद्रचूड़ को पारिवारिक कारणों से कुछ अतिरिक्त समय दिया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने अब स्पष्ट कर दिया है कि अब और विस्तार नहीं दिया जा सकता, और उन्हें तुरंत आवास खाली करना होगा। रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश को अपने निजी घर में ही रहना होता है। यदि उनके पास कोई निजी घर उपलब्ध नहीं है, जैसा कि चंद्रचूड़ के मामले में बताया गया, तो उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ती है। उनके अनुसार, उनके परिवार की विशेष परिस्थितियों और बेटियों की देखभाल की जरूरत के कारण उन्हें आवास की व्यवस्था में समय लग रहा था। नियमों के मुताबिक, छह महीने तक पूर्व मुख्य न्यायाधीश सरकारी बंगले में बिना किराया दिए रह सकते हैं, केवल मामूली लाइसेंस फीस देनी होती है। उदाहरण के लिए, जस्टिस चंद्रचूड़ को दिसंबर 2024 से अप्रैल 2025 तक टाइप वीआईआई श्रेणी के बंगले में रुपए 5,430 प्रतिमाह की लाइसेंस फीस पर रहने की अनुमति मिली थी, जो बाजार दर की तुलना में बेहद कम है। रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश को अन्य कई सुविधाएं भी मिलती हैं।

उन्हें लगभग रुपए 1.4 लाख प्रतिमाह पेंशन मिलती है, साथ ही रुपए 20 लाख रुपये ग्रेच्युटी और महंगाई राहत भी मिलती है। छह महीने तक सरकारी आवास, पांच साल तक सुरक्षा, जीवनभर ड्राइवर और घरेलू सहायक, रुपए4,200 की संचार सुविधा, सेक्रेटेरियल असिस्टेंट और एयरपोर्ट पर विशेष लाउंज की सुविधा भी दी जाती है। जुलाई 2025 तक भारत में सात पूर्व मुख्य न्यायाधीश जीवित हैं। संविधान के अनुच्छेद 124(7) के अनुसार, रिटायरमेंट के बाद सुप्रीम कोर्ट का कोई भी न्यायाधीश वकालत नहीं कर सकता।

प्रदूषण के चलते कम से कम समय के लिए दिल्ली में ठहरता हूं: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेहतर और हाई तकनीक के कामों के लिए पहचान बना चुके केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली के प्रदूषण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह दिल्ली आने से पहले ही वापसी की टिकट बुक करा लेते हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि प्रदूषण को खत्म करने की जिम्मेदारी सभी की है।

उन्होंने यहां एनएचएआई यानी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक कार्यक्रम में कहा कि एथनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देकर और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान से प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार दोनों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार सड़क बनाने में कचरे का भी इस्तेमाल कर रही है और इस काम में लगभग 80 लाख टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है। गडकरी ने कहा, हम अपने राजमार्गों पर बारिश का पानी जमा करने जैसे उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि एनएचएआई बांस के बागान, घने वृक्षारोपण और हरित गलियारे बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें आगे कहा गया कि एनएचएआई ने 2024-25 के दौरान 60 लाख वृक्षारोपण के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 67 लाख पेड़ लगाए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गडकरी ने कहा, मैं दिल्ली में सिर्फ दो या तीन दिन ही रहता हूं और जब भी आता हूं, तो यह सोचने लगता हूं कि वापस कब लौटकर जाऊंगा। मैं अपनी वापसी की टिकट पहले बुक कराता हूं। आपको इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।

दिल्ली में प्रदूषण ने लोगों की जीवन प्रत्याशा कम कर दी है। वह गौतम बुद्ध नगर में एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल हुए थे।

भारतीय नर्स निमिषा को यमन में होगी फांसी, परिवार के संपर्क में है विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में अगले सप्ताह 16 जुलाई 2025 को फांसी दी जाएगी। यमन के एक नागरिक की हत्या के आरोप में वहां की अदालत ने यह फैसला सुनाया था। जिस पर पिछले साल 2024 में यमन के राष्ट्रपति ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी थी। वहीं, इस पूरे मामले पर विदेश मंत्रालय कड़ी निगरानी रखे हुए है। जिसमें वह न केवल यमन में अधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है। बल्कि निमिषा के परिवार के भी लगातार संपर्क में है। जिसका उद्देश्य उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करना है।

2018 से ही नर्स का परिवार अपनी बेटी की रिहाई के लिए संघर्ष कर रहा है। निचली अदालत (ट्रायल कोर्ट) के फैसले के खिलाफ उन्होंने यमन के सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की थी। लेकिन 2023 में उनकी अपील खारिज हो गई और शीर्ष अदालत ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

निमिषा ने वर्ष 2008 में नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने गृह राज्य केरल में ही नौकरी की शुरुआत की। इसके तीन साल बाद 2011 में टॉमी थॉमस नामक शख्स के साथ उनकी शादी हुई। इसके अगले साल 2012 में दोनों पति-पत्नी यमन चले गए। जहां निमिषा ने वहां राजधानी सना के एक अस्पताल में नर्स की नौकरी की शुरुआत की। 2014 में आर्थिक तंगी की वजह से प्रिया के पति और एक बेटी भारत वापस लौट आए। लेकिन निमिषा ने यमन में ही अपना कामकाज जारी रखा। इसी बीच यमन में गृहयुद्ध छिड़ गया। जिसकी वजह से भारत ने नए वीजा जारी नहीं किए और निमिषा का परिवार वापस यमन नहीं जा सका और न ही वो भारत आ सकी।

गलत साबित हुआ क्लिनिक खोलने का निर्णय

इन सबके बीच 2015 में निमिषा ने यमन में ही अपना क्लिनिक खोलने का फैसला किया। जिसके लिए यमन के किसी स्थानीय नागरिक से भागीदारी के कानूनी प्रावधान का पालन करना अनिवार्य था। इसी के साथ मामले में तलाल अब्दो महदी नामक शख्स की एंट्री हुई। जिसके साथ मिलकर निमिषा ने यमन में अपना क्लिनिक खोला। तलाल महदी ने नर्स की शादी की एक तस्वीर चुरा कर उसमें छेड़छाड़ की और फिर निमिषा को अपनी पत्नी बताकर उन्हें डराना, धमकाना और शारीरिक शोषण करना शुरू किया। निमिषा की मां प्रेमा कुमारी का दावा था कि महदी ने निमिषा के क्लिनिक के मालिकाना हक वाले दस्तावेजों में भी हेरफेर किया।

मतदाता सूची विवाद के चलते बिहार जैसा मॉडल पूरे देश में लागू करेगा आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की जांच पड़ताल चल रही है है। इसको लेकर कुछ सवाल भी खड़े हुए हैं और विपक्ष का आरोप है कि इसमें लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। ये विवाद खत्म होता इससे पहले सूत्रों के हवाले से खबरें आ रहीं है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) प्रक्रिया यानी बिहार वाला मॉडल पूरे देश में लागू होगा।

चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार सर को पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना है। इसके ऑर्डर के पैरा 10 के तहत यह प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें बिहार के बाद अन्य राज्यों में इसे लागू करने का निर्णय आयोग उचित समय पर लेगा।बिहार में इसकी शुरुआत इसलिए हुई क्योंकि यहां चुनाव पहले हुए थे, लेकिन अब आयोग का ध्यान देश के अन्य राज्यों पर है। इसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी जैसे आगामी चुनावी राज्य भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार अभी यह तय नहीं है कि सर को पूरे देश में एक साथ लागू किया जाए या चुनावों के करीब आने के साथ-साथ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। इस पर आगामी समय में फैसला लिया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में कहा था कि 'शुद्ध मतदाता सूची' लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अनिवार्य हैं। उनका यह बयान सर प्रक्रिया के पीछे की मंशा को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची से नकली और दोहराए गए नामों को हटाकर चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

हालांकि, यह फैसला विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती बन सकता है। बिहार में स्क्ष्क्र लागू होने के बाद आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों ने इसे मतदाताओं के नाम काटने की साजिश करार दिया है। इसको लेकर बुधवार को बिहार बंद का आह्वान किया गया है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने हाल ही में चुनाव आयोग पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में आयोग ने उनके दावों को भ्रामक बताया।

विपक्ष का तर्क है कि सर प्रक्रिया का दुरुपयोग सत्तारूढ़ पार्टी के हित में हो सकता है, खासकर उन राज्यों में जहां 2026 या उससे पहले विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि सर का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है न कि किसी राजनीतिक दल को नुकसान पहुंचाना। प्रक्रिया में ब्लॉक लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करते हैं और दस्तावेजों के आधार पर पंजीकरण की पुष्टि करते हैं।अब आयोग का इरादा है कि अन्य राज्यों में भी इस प्रणाली को लागू कर मतदाता सूची को शुद्ध किया जाए। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में है, लेकिन इसे लागू करने में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना जरूरी होगा।

सीडीएस ने चेताया कहा- चीन और पाकिस्तान की दोस्ती, भारत के लिए बन सकती है खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीडीएस अनिल चौहान ने चेतावनी देते हुए कहा है कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती भारत के लिए खतरा बन सकती है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के अपने-अपने हितों को लेकर एक-दूसरे के प्रति झुकाव का भारत की स्थिरता और सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने एक थिंक टैंक में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने भारत पाकिस्तान के बीच 7-10 मई के सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि शायद यह पहली बार हुआ जब दो परमाणु हथियार संपन्न देश सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल हुए।

सीडीएस से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की भूमिका पर भी सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा, वहां कितना समर्थन (चीन ने पाकिस्तान को दिया) यह पता लगाना बहुत मुश्किल है। इस संघर्ष के दौरान उत्तरी सीमाओं पर कोई भी असमान्य गतिविधि नहीं हुई, जो अलग है। इससे पहले संघर्ष के समय सीमाओं पर परेशानियां शुरू हो जाती हैं। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने चीन और पाकिस्तान के भारत के प्रति समान हित का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पिछले पांच वर्षों में अपने लगभग 70 से 80 प्रतिशत हथियार और उपकरण चीन से हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि चीनी सैन्य कम्पनियों की पाकिस्तान में वाणिज्यिक देनदारियां हैं। शीर्ष सैन्य अधिकारी ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र के देशों में आर्थिक संकट ने बाहरी शक्तियों को अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका दे दिया है, जिससे भारत के लिए कमजोरियां पैदा हो सकती हैं। एक कार्यक्रम में जनरल चौहान ने कहा, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हितों में संभावित समानता है और इसका भारत की स्थिरता एवं सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है।

अन्य देशों का भी जिक्र किया

उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने शुक्रवार को कहा था कि पाकिस्तान जहां सिर्फ सामने नजर आ रहा था, वहीं चीन पर्दे के पीछे से अपने सदाबहार मित्र को हरसंभव सहायता दे रहा था, और तुर्किये भी इस्लामाबाद को सैन्य साजोसामान की आपूर्ति करके प्रमुख भूमिका निभा रहा था। उन्होंने कहा कि सात से 10 मई के बीच हुए संघर्ष के दौरान भारत वास्तव में कम से कम तीन शत्रुओं से निपट रहा था। उन्होंने कहा, भारत के खिलाफ पाकिस्तान केवल सामने नजर आ रहा था, जबकि दुश्मन को असली समर्थन चीन से मिल रहा था। हमें इसमें कोई हैरानी नहीं हुई, क्योंकि अगर आप पिछले पांच वर्षों के आंकड़े देखें, तो पता चलता है कि पाकिस्तान को मिलने वाले सैन्य उपकरणों में से 81 प्रतिशत चीन से आ रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, वह (चीन) उत्तरी सीमा पर खुद सीधे टकराव में पड़ने के बजाय भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए पड़ोसी देश (पाकिस्तान) का इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करता है।

जानकारी

बुजुर्गों में ज्यादा होनी चाहिए विटामिन 'K' की मात्रा

जब आप विटामिन के बारे में सोचते हैं तो आप आपको पता होना चाहिए की आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन कितने जरूरी होते हैं। वैसे तो विटामिन सभी उम्र के लोगों के लिए जरूरी होते हैं क्योंकि वो हमारे शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखने का काम करते है।
विटिमिन K उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी हो जाते हैं जो वृद्ध उम्र में होते हैं। बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी में विटामिन K लैब के डायरेक्टर सरह बूथ के मुताबिक, जो लोग वृद्ध उम्र में होते हैं उनमें काफी कम मात्रा में विटामिन पाया जाता है। जो कि उनको स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी है। उस उम्र के लोगों को विटामिन च की पूर्ति करनी चाहिए जिससे की उनका शरीर स्वस्थ रहे।
एक अध्ययन के मुताबिक, जिसमें सरह और उनके साथी मौजूद थे उसमें जो वृद्ध लोगों में कम ब्लड लेवल था उनमें विटामिन की कमी थी जिसके कारण वह फिजिकल एक्टिविटी में भी एक्टिव नहीं थे। जबकि जिनका ब्लड लेवल ज्यादा था उनमें ऐसा नहीं था।
2015 के एक अध्ययन में 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग जो ज्यादा विटामिन K की पूर्ति करते थे उनकी सेहत काफी अच्छी थी। लेकिन जिन लोगों में विटामिन K की कमी थी वो उतने स्वस्थ नहीं थे जो कि जर्नल न्यूट्रीएंट्स में प्रकाशित हुई थी।

विटामिन 'के' क्यों है जरूरी

विटामिन K हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन 'के' की कमी है, तो चोट लगने या कटने पर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है। क्योंकि विटामिन 'के' ब्लड क्लॉटिंग में मदद करता है। अगर इस विटामिन की शरीर में ज्यादा कमी हो जाए, तो कई बार आपके शरीर के अंगों में अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है, जो बहुत खतरनाक है। शरीर की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को पहुँचाने में सहायक होता है। जो रक्त के स्त्राव के समय रक्त को थक्का बनाकर रोकने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन के शरीर में रक्त के संचार को नियंत्रित रखता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।
गर्भवती महिलाओं में विटामिन 'के' भ्रूण के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा भी ये शरीर की कई समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन 'के' आपको किन आहारों से मिलता है। आइए हम आपको बताते हैं ऐसी 5 सब्जियां, जिनसे आपको मिलता है भरपूर विटामिन 'के'।
विटामिन 'के' का मुख्य स्त्रोत हरी सब्जियां होती है, जैसे – सरसों का साग,बन्दागोभी, मूली, चुकंदर की पत्तियों में, पालक, गेहूं और फल।

महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचजीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरुकता का अभाव।
भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, स्त्री रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर व्हाइट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वेजाइना से बदबूदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो चिंता का विषय है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन थैली तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बरतें ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेफ्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए वेक्सीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सीन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

स्त्रीरोग संबंधी आम बीमारियां दवा लेने से भी दूर नहीं हो रही है तो सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी हो जाती है। यह जांच है पैप स्मीयर टेस्ट। नेशनल इंस्टिट्यूट बायो-टेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कैंसर का पता लगाने के लिए पैप स्मीयर टेस्ट या पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। महज 10 से 20 मिनट में होने वाले इस टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य, अस्पष्ट या असामान्य आ सकती है।

सामान्य: यदि पैप टेस्ट का परिणाम सामान्य आता है तो रिपोर्ट को 'निगेटिव' बताया जाता है। इसका मतलब है कि टेस्ट में कैंसर के कोई लक्षण नहीं है।

अस्पष्ट: टेस्ट रिजल्ट अस्पष्ट भी आ सकते हैं। रिजल्ट अस्पष्ट आने का मतलब है कि आपकी ग्रीवा कोशिकाएं ऐसी दिखती हैं जैसे वे असामान्य हो सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह एचपीवी से संबंधित है या नहीं। यह गर्भावस्था, रजोनिवृत्ति या संक्रमण जैसे बदलावों से संबंधित हो सकता है। एचपीवी टेस्ट यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि क्या आपके सेल में परिवर्तन एचपीवी से संबंधित हैं।

असामान्य: यदि पैप टेस्ट असामान्य है तो 'पॉजिटिव रिजल्ट' कहा जाता है। रिजल्ट पॉजिटिव आने का यह मतलब नहीं है कि आपको कैंसर ही है। इसका मतलब यह है कि गर्भ में कुछ असामान्य कोशिकाएं है जो आगे चलकर कैंसर के रूप में विकसित हो सकती है। गर्भाशय ग्रीवा पर असामान्य परिवर्तन एचपीवी द्वारा हो सकता है। परिवर्तन मामूली (कम-ग्रेड) या गंभीर (उच्च-ग्रेड) हो सकते हैं। लेकिन यदि उन कोशिकाओं को हटाया नहीं जाता है तो ये गंभीर बदलाव कैंसर में बदल सकती हैं।

पैप टेस्ट की रिपोर्ट के बाद कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य जांचें भी करवाते हैं। कोल्पोस्कोपी के जरिए योनिमार्ग और बच्चेदानी के मुख में होने वाले परिवर्तन या बदलाव की जांच एक यंत्र द्वारा की जाती है। बायोप्सी में बच्चेदानी के मुख से छोटा-सा टुकड़ा लिया जाता है और लैब में कैंसर के परिवर्तन देखे जाते है। यह प्रक्रिया बाह्य रोगी विभाग में ही सम्पन्न की जाती है।

सेहत

कैंसर, कब्ज, गठिया में फायदा देते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों एक पौधा है, जिसके फूल पीले रंग के होते हैं। सरसों के पौधे की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियां हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। काली सरसों के बीज को भोजन में एक सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों को आमतौर पर सब्जी या दाल में तड़का देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में काले सरसो का इस्तेमाल बहुतायत किया जाता है। सरसों के बीज से तेल बाकी कुकिंग ऑयल से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें अच्छे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो छोटी-छोटी परेशानियों से आपको दूर रखते हैं।

खाद्य पदार्थों में भी, काली सरसों के बीज का उपयोग मसाले के रूप में और सरसों के मसाला स्वाद के लिए किया जाता है। सरसों का मसाला बनाने के लिए आमतौर पर तीन अलग-अलग प्रकारों का उपयोग किया जाता है। काली सरसों (ब्रैसिका निग्रा) सबसे तीखी होती है। सफेद सरसों (ब्रैसिका अल्बा) सबसे सौम्य है और पारंपरिक अमेरिकी पीली सरसों बनाने के लिए उपयोग की जाती है। ब्राउन सरसों (ब्रैसिका जंकिया) गहरे पीले रंग की होती है, इसमें तीखा स्वाद होता है, और इसे डिजोन सरसों बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

बीमारियों को दूर भगाते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों का तेल आम सर्दी, जोड़ों और मांसपेशियों (गठिया) के दर्द, और गठिया के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा काली सरसों के बीज का उपयोग उल्टी पैदा करने, मूत्र उत्पादन में वृद्धि और भूख बढ़ाने के लिए पानी की अवधारण (एडिमा) से राहत के लिए किया जाता है।

कुछ लोग पिसी हुई काली सरसों को गर्म पानी में मिलाकर पेस्ट बनाते हैं। वे पेस्ट को कपड़े में पैक करते हैं और कपड़े को सीधे त्वचा पर सरसों के प्लास्टर के रूप में लगाते हैं। इस तैयारी का उपयोग फेफड़े (फुफ्फुसीय), गठिया, पीठ के निचले हिस्से के दर्द के निमोनिया, दर्द और सूजन के इलाज के लिए किया जाता है।

काली सरसों के बीज के लाभ

कैंसर में है लाभकारी: सरसों के बीज ग्लूकोसाइनोलेट्स और मायरोसिनस जैसे यौगिकों से भरे होते हैं, जो शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं। जर्नल ह्यूमन एंड एक्सपेरिमेंटल टॉक्सिकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, छोटे बीजों में कीमोप्रेंटिव क्षमता हो सकती है और कार्सिनोजेन्स के प्रभाव से बचाव हो सकता है।

पाचन को सुदृढ़ करता है: सरसों के बीज आपके पाचन तंत्र के लिए भी उत्कृष्ट हैं। अगर आप अपच की समस्या से पीड़ति हैं तो सरसों के बीज इससे छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। बीज फाइबर से भरे होते हैं, जो आसान मल त्याग में मदद करता है और शरीर की पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

हृदय रोगों से बचाता है: सरसों का तेल आमतौर पर हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है और यह हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। यह आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करता है और रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं: सरसों के बीज आपकी हड्डियों के लिए भी अच्छे होते हैं क्योंकि वे सेलेनियम नामक खनिज से भरे होते हैं, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। वे आपके नाखूनों, बालों और दांतों को मजबूत बनाने में भी मदद करते हैं। सरसों के बीज में एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों, हड्डियों और दांतों में दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्या का है समाधान: हर मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है और सरसों के बीज आपकी इस में मदद कर सकते हैं। बीज आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, सभी अशुद्धियों को दूर करते हैं और आपकी त्वचा को मुंहासों से बचाते हैं। बीज एंटी इंफलामेट्री गुणों के साथ पैक किए जाते हैं जो शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। आप सरसों के तेल को त्वचा पर मालिश कर इसके फायदे ले सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 5006

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1771 का हल

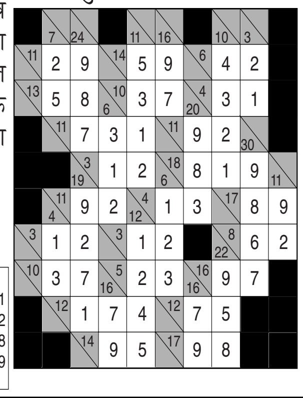

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।
लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।
पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?
डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

फिल्म वर्ग पहेली- 5006

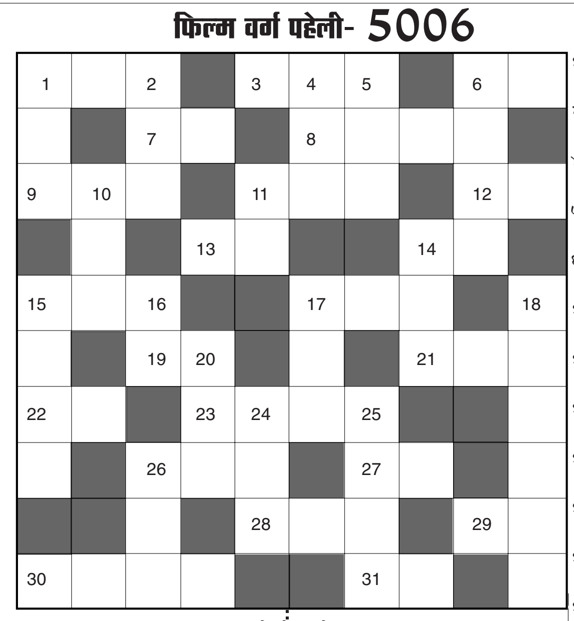

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 5005

सूडोकु 5006

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5005 हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 5006

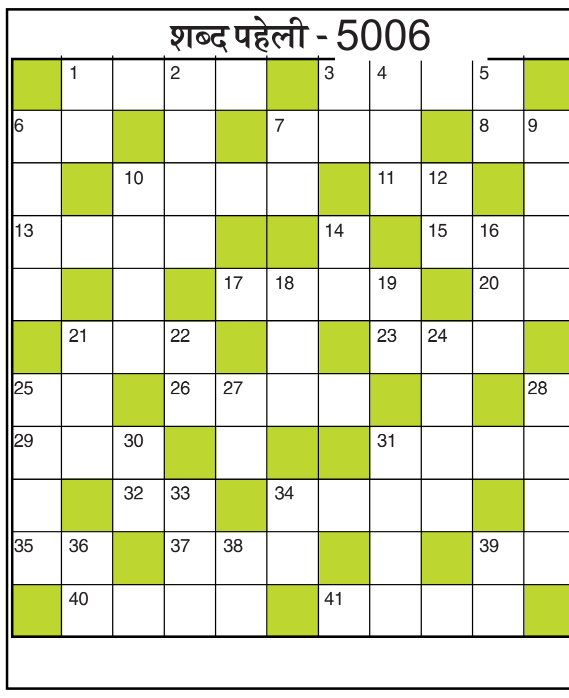

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली - 5005 हल

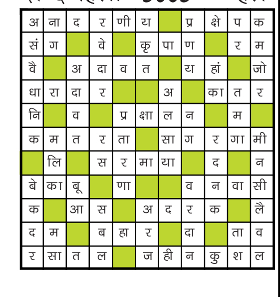

प्रधानमंत्री 18 जुलाई को एस्प्लानेड-सियालदह मेट्रो मार्ग का उद्घाटन कर सकते हैं

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत 18 जुलाई को एस्प्लानेड से सियालदह के बीच मेट्रो सेवा का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जाने की संभावना है। इसको लेकर मेट्रो रेल प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कोलकाता मेट्रो रेलवे प्रवक्ता रूपक मित्रा ने बताया कि फिलहाल कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। प्रधानमंत्री के आगमन के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई अंतिम जानकारी अभी नहीं मिली है, लेकिन प्रधानमंत्री के हाथों इसके उद्घाटन की कोशिशें हो रही हैं। इस खंड के शुरू होने से सॉल्टलेक सेक्टर फाइव से हावड़ा मैदान तक कुल 16.6 किलोमीटर लंबी ईस्ट-वेस्ट मेट्रो लाइन पूरी तरह चालू हो जाएगी। फिलहाल इस रूट पर सेक्टर फाइव से सियालदह (9.4 किमी) और एस्प्लानेड से हावड़ा मैदान (4.8 किमी) के बीच मेट्रो सेवा संचालित हो रही है, जिसमें एक हिस्सा हुगली नदी के नीचे से होकर गुजरता है। मेट्रो रेल प्राधिकरण के अनुसार, एस्प्लानेड और सियालदह के बीच की यह 2.6 किलोमीटर की दूरी बेहद व्यस्त और जनसंख्या से घनीभूत क्षेत्र से होकर गुजरती है, जिसके चलते इस हिस्से में संचालन प्रारंभ करने से पहले तमाम सावधानियों और सुरक्षा उपायों की गहन जांच की गई। इन्हीं तकनीकी और संरचनात्मक कारणों से इस खंड का उद्घाटन थोड़ी देरी से किया जा रहा है।

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, इसका सम्मान करना चाहिए : नितिन नबीन

अंबिकापुर। तमिलनाडु में चल रहे भाषा विवाद की चर्चा छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित मैनपाट में आयोजित भाजपा की तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान भी हुई। छत्तीसगढ़ प्रभारी और बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। भारतीय जनता पार्टी की तीन दिवसीय शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को मैनपाट के शामिल होने पहुंचे नितिन नबीन ने मीडिया से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि, भाजपा कार्यकर्ता निरंतर समय पर इन सभी चीजों पर अभ्यास करती है। खिलाड़ी मैच खेलने से पहले सुबह- सुबह पिच पर अभ्यास करता है। ताकि बेहतर प्रदर्शन कर सके। उन्होंने कहा इस विषय पर लोग अपनी प्रतिक्रिया रखते है, हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। हिंदी पर किसी भी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए।

इंदौर में इंडिगो की फ्लाइट की आपात लैंडिंग, उड़ान भरने के बाद आई तकनीकी खराबी

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर मंगलवार सुबह इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट की आपात लैंडिंग करनी पड़ी। फ्लाइट संख्या 6ई 7295 ने सुबह करीब 6.35 बजे इंदौर एयरपोर्ट से रायपुर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन टेक ऑफ के लगभग 30 मिनट बाद विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पायलट ने इंदौर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग का फैसला लिया। फ्लाइट को रद्द कर दिया गया और यात्रियों को टिकट रिफंड या फिर फ्लाइट को रीशेड्यूल करने का विकल्प दिया गया।इंदौर एयरपोर्ट के टर्मिनल मैनेजर के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट 6ई 7295 रोजाना सुबह 6ः35 बजे इंदौर से उड़ान भरती है और 8ः30 बजे रायपुर पहुंचती है। वापसी में यह फ्लाइट रायपुर से 10ः30 बजे उड़ान भरती है और दोपहर में इंदौर पहुंचती है। फ्लाइट ने अपने निर्धारित समय पर टेक ऑफ किया था, लेकिन उड़ान के दौरान यात्रियों ने अचानक एक जोरदार झटका महसूस किया। पायलट को फॉल्स अलार्म (गलत तकनीकी संकेत) मिलने के बाद इंदौर एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया गया और विमान को वापस लाने की अनुमति मांगी गई। सभी संबंधित विभागों को सूचित कर आवश्यक कदम उठाए गए। सुबह 7:15 बजे विमान ने इंदौर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 18वीं पुण्यतिथि, उपराष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को दिल्ली स्थित उनकी समाधि जननायक स्थल पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी चंद्रशेखर की समाधिस्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में राज्यसभा के सदस्य नीरज शेखर ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पिताजी का जीवन सच्चाई, संघर्ष और सिद्धांतों की राजनीति का प्रतीक रहा। देशहित में लिया गया उनका हर निर्णय आज भी हमें जनसेवा की प्रेरणा देता है। उनका चिंतन और विचार आज भी युवाओं के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर को उनके सादगीपूर्ण जीवन, स्पष्टवादिता और जनहित के लिए किये गए संघर्षों के लिए आज भी देशभर में याद किया जाता है। उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच बनाने वाली राजनीति का जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक है। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने चंद्रशेखर के योगदान को याद किया और उनके विचारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

'निशिकांत का बयान मराठी लोगों के खिलाफ', फडणवीस गलत करार देते हुए कहा-इससे भ्रम पैदा होने का खतरा

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर प्रतिक्रिया दी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 'भाषा विवाद' के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे की एक टिप्पणी का जवाब दिया। इस पर देवेंद्र फडणवीस ने सफाई दी और कहा कि निशिकांत दुबे की टिप्पणी आम मराठी लोगों के लिए नहीं थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पत्रकारों से बात कर रहे थे। निशिकांत दुबे के सवाल पर फडणवीस ने जवाब दिया, 'जो भी निशिकांत दुबे ने कहा है, वह मराठी जनसामान्य के लिए नहीं, बल्कि उन संगठनों के लिए कहा है, जो इस विवाद को हवा दे रहे हैं।' फडणवीस ने कहा, 'पहली बात ऐसी है कि निशिकांत दुबे का बयान अगर आप सुनेंगे तो उन्होंने संगठन

के संदर्भ में बोला है, सभी मराठी लोगों के बारे में नहीं कहा। मैं फिर से कहूंगा कि मराठी मानुष का ऐतिहासिक योगदान इस महाराष्ट्र के निर्माण में है। जब आक्रमणकारियों ने भारत की संस्कृति को खत्म करने का प्रयास किया था, तब भारत की संस्कृति को जिंदा रखने का काम छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज ने किया। इसके बाद मराठाओं ने भारत की संस्कृति को जिंदा रखने के लिए आक्रांताओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी।' इस दौरान देवेंद्र फडणवीस ने निशिकांत दुबे की टिप्पणी से खुद को दूर रखने की कोशिश की। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा, 'मेरे विचार से इस तरीके का बयान देना योग्य नहीं है, क्योंकि उसका जो मतलब निकलता है, वह लोगों के मन में भ्रम पैदा करता है।'

महाराष्ट्र के आर्थिक योगदान की बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश के विकास में महाराष्ट्र की भूमिका को कोई नकार नहीं सकता है। उन्होंने कहा, 'देश की जीडीपी में सबसे ज्यादा योगदान महाराष्ट्र का है। मुझे ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र और मराठी लोगों का योगदान इस देश के इतिहास में, इस देश के वर्तमान में, कोई भी नकार नहीं सकता है।

कांवड़ यात्रा के पहले सपा-भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप, अखिलेश पर बरसे केशव प्रसाद मौर्य

एजेंसी

लखनऊ। कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले भाजपा और सपा के बीच सियासी लड़ाई शुरू हो गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक दिन पहले योगी सरकार पर हमला करते हुए कहा था कि सरकार कांवड़ यात्रा के लिए कॉरिडोर क्यों नहीं बना रही है। इस पर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव को जवाब दिया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'रामभक्तों पर गोलियां, शिवभक्तों पर लाठियां, कांवड़ियों को भजन तक नहीं करने दिया, नवरात्र और दीपावली में अंधेरा किया, मेडिकल कॉलेज से बाबा साहेब अंबेडकर जी का नाम हटाया, कब्रिस्तानों की बाउंड्री बनवाई, लेकिन हिंदुओं के अंत्येष्टि स्थल नहीं बनाए! अब कहते हैं, कांवड़ियों के लिए पथ बनाएंगे! श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का विरोध करते-करते अब मथुरा-वृंदावन धाम के निर्माण का भी विरोध कर रहे हैं!' उन्होंने आगे लिखा, 'फर्जी पीडीए के स्वयंभू चेयरमैन अखिलेश यादव जी, जब सत्ता थी तब तुष्टिकरण की चरम सीमा, अब धर्मनिष्ठा का दिखावा, आपकी नौटंकी अब नहीं चलेगी। 2047 तक सपा और इंडी ठगबंधन के लिए सत्ता के दरवाजे बंद हैं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के वयोवृद्ध अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी को केवल 'गांधी परिवार' का उपनाम सही तौर पर लेने का 'सख्त प्रशिक्षण' दिया गया है, बाकी वह किसी भी शख्सियत के उपनाम में छेड़छाड़ कर सकते हैं, भले ही वह देश की महामहिम राष्ट्रपति ही क्यों न हों।'

राजस्थान की राजनीति में गहलोत का सियासी तंज : पंडित भजनलाल 'हम सबको सूट करते हैं'

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की सियासी सरजमीं पर एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी चिर-परिचित शैली में तीखा लेकिन चुटीला राजनीतिक हमला किया है। इस बार निशाने पर रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा। हालांकि शब्दों की चादर में हमदर्दी लपेटी गई थी, लेकिन हर पंक्ति में छुपा था गहलोत का रणनीतिक व्यंग्य। 'पंडित भजनलाल हम सबको सूट करते हैं' - सियासत में लिपटी सच्चाई पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान मौजूदा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर कई राजनीतिक टिप्पणियां कीं, जो न केवल राजस्थान की सियासत में हलचल पैदा कर रही हैं, बल्कि सत्ता पक्ष के भीतर की संभावित खींचतान को भी उजागर करती हैं। गहलोत ने कहा, 'हमें तो आप सूट करते हो, पंडित भजनलाल हम सबको सूट करते हैं। 'यह एक साधारण वाक्य नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक गणना है। उन्होंने आगे कहा, 'अभी तो डेढ़ साल ही हुआ है, पांच साल राज करो भाई, कौन रोक रहा है आपको? यह टिप्पणी एक तरफ जहां मुख्यमंत्री को 'शुभकामना' देती दिखती है, वहीं दूसरी तरफ यह उन अटकलों को बल देती है कि बीजेपी के भीतर ही

भजनलाल को लेकर असहजता है। 'पहली बार में एमएलए और फिर मुख्यमंत्री!' - अनुभव पर सवाल गहलोत ने स्पष्ट तौर पर मुख्यमंत्री के अनुभवहीन होने का मुद्दा उठाया। उनका कहना था किःजो सौभाग्य भजनलाल को मिला है, वह विरले ही पाते हैं। पहली बार एमएलए बने और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच गए। 'यह बात सुनने में तारीफ जैसी लग सकती है, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि में एक सीधा आरोप है - बिना ज़मीनी राजनीतिक तपस्या के शीर्ष सत्ता मिल गई। इंटेलिजेंस को करें सक्रिय - प्रशासनिक चेतावनी गहलोत ने एक और महत्वपूर्ण पहलू पर ध्यान दिलाया - खुफिया तंत्र का निष्क्रिय होना। उन्होंने सुझाव दिया कि : 'मुख्यमंत्री को चाहिए कि इंटेलिजेंस विंग से पूरे राजस्थान की रिपोर्ट लें। उन्होंने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वे विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों की सच्चाई की परख खुफिया रिपोर्ट के ज़रिए करें। अगर इनमें सच्चाई हो तो कार्रवाई करें और अगर नहीं, तो राजनीतिक प्रचार माने। यह बात सीधे प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठाने जैसा है - गहलोत मानते हैं कि मौजूदा सरकार ज़मीनी हकीकतों से अनभिज्ञ है। 'पब्लिक प्रॉपर्टी' बनने की सलाह राजनीति में पारिवारिक वर्चस्व (परिवारवाद) को लेकर अक्सर विवाद होता है, लेकिन इस बार गहलोत ने अपने पुराने तजुर्बे को हथियार बनाकर मुख्यमंत्री को 'जनसेवक' बनने की नसीहत दी : 'मुख्यमंत्री को पब्लिक प्रॉपर्टी बनने का प्रयास करना चाहिए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी पिता को मुखाग्नि, अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाउलाल वैष्णव का कागा स्थित वैष्णव समाज के श्मशान घाट पर को अंतिम संस्कार कर दिया गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उनके भाई आनंद वैष्णव ने पिता को मुखाग्नि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। श्मशान घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा।इससे पहले दोपहर के करीब जोधपुर एम्स में रेल मंत्री के पिता दाऊलाल वैष्णव ने अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और इलाज के लिए वहां भर्ती थे। एम्स के अनुसार सुबह 11 बजकर 52 मिनट पर उनका निधन हुआ। निधन की सूचना मिलते ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जोधपुर पहुंचे और अंतिम संस्कार की तैयारी संभाली। अंतिम दर्शन के लिए दोपहर बाद दाऊलाल के पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान पर रखा गया, जहां अनेक लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एयरपोर्ट से सीधे श्मशान घाट पहुंचे। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र

सिंह शेखावत की ओर से उनके निजी सचिव ने पुष्पचक्र अर्पित किया। महापौर वनिता सेठ, राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर के प्रतिनिधि, सांसद पीपी चौधरी, विधायक अतुल भंसाली, और अनेक जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि दी। दाऊलाल वैष्णव के निधन पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक प्रकट किया है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को संबल प्रदान करने की कामना की। दाऊलाल वैष्णव मूलतः पाली जिले के जीवंद कला गांव के निवासी थे, लेकिन लंबे समय से जोधपुर के रातानाडा क्षेत्र में रह रहे थे। वे पूर्व में अपने गांव के सरपंच भी रहे और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते थे। जोधपुर में उन्होंने एक वकील और कर सलाहकार के रूप में वर्षों तक कार्य किया।

बिहार कैबिनेट की बैठक में पहली बार युवा आयोग का गठन के प्रस्ताव को मंजूरी

एजेंसी

पटना। बिहार में पहली बार युवा आयोग का गठन किया गया है। इसका उदेश्य यहां के युवाओं को आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनाना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस मुद्दे के साथ कई अन्य एजेंडों पर मुहर लगी। युवा आयोग के गठन से संबंधित जानकारी मुख्यमंत्री नीतीश ने अपने एक्स पर पोस्ट करके दी। इसमें उन्होंने लिखा कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है। समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में इस आयोग की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ यह आयोग समन्वय भी करेगा। इस पोस्ट में आयोग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष,

दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे। इनकी अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष होगी। यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा कि राज्य के स्थानीय युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले। साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन करने वाले और काम करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा हो। इसके साथ ही कैबिनेट में लिए गए 43 एजेंडों के बारे में विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि राज्य के बाहर भी जो युवा काम करने जाते हैं, उनके हितों की रक्षा करना भी इस आयोग का कार्य होगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इसके गठन की समुचित प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगा। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि बिहार में सरकारी नौकरी में राज्य की महिलाओं को एक बड़ी सहूलियत दी गई है। यहां की सरकारी नौकरियों में सभी वर्ग की महिलाओं को मिलने वाला 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ अब सिर्फ बिहार मूल की निवासी महिलाओं को ही दिया जाएगा। यानी बिहार के बाहर दूसरे किसी राज्य की महिलाओं को नौकरियों में इस आरक्षण व्यवस्था का लाभ नहीं मिलेगा।

बीजापुर जिले में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान घायल

एजेंसी

बीजापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के मुर्दोंडा इलाके में रोड ओपनिंग ड्यूटी से लौट रही सुरक्षा बलों की टीम पर नक्सलियों ने घात लगाकर आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट कर फायरिंग की। हमले में सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के दो जवान घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल बीजापुर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। जवानों की हालत पर डॉक्टरों की टीम नजर बनाए हुए है। बीजापुर पुलिस के मुताबिक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 229 बटालियन के जवान सर्चिंग पर निकले थे। जवान सर्चिंग और डीमाइनिंग करते हुए आगे बढ़े। जवानों की टीम जब आवापल्ली थाना इलाके के तिमापुर और मुरदंडा मार्ग पर पहुंची तो अचानक धमाका हो गया। जवानों को निशाना बनाने के लिए नक्सलियों ने सड़क के नीचे बम प्लांट कर रखा था। विस्फोट की चपेट में आने से सीआरपीएफ के 2 जवान जख्मी हुए हैं। घायल जवानों का पहले प्राथमिक उपचार बीजापुर में किया गया। बाद में जवानों को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रायपुर भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और नक्सलियों की घेराबंदी की जा रही है।

जमीन और बांकीपुर क्लब विवाद के कारण हुई पटना के व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या : डीजीपी

एजेंसी

पटना। पटना के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका हत्या मामले का बिहार पुलिस ने खुलासा कर दिया। उनकी हत्या जमीन और बांकीपुर क्लब विवाद से जुड़ी हुई है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने पुलिस मुख्यालय में आज शाम पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। डीजीपी विनय ने बताया कि जमीन विवाद और बांकीपुर क्लब विवाद को लेकर गोपाल खेमका की हत्या हुई है। उन्होंने बताया कि चार लाख रूपये में हत्या की सुपारी दी गई थी। हत्या की प्लानिंग डेढ़ माह पहले रची गई थी। उन्होंने बताया कि सुपारी देने वाला और शूटर दोनों हमारे कब्जे में है। घटनास्थल से जो सूत्र प्राप्त हुए थे, कैमरे से जो तस्वीर आई थीं, तस्वीर में शूटर का जो हुलिया मिला था, इन सभी के आधार पर पूरे शहर के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए।

साक्ष्य संग्रह किया गया, मोटरसाइकिल की पहचान की गई। उसके धारक की पहचान की गई। इसके बाद बाइक मालिक तक पहुंचा गया। बाइक मालिक से पूछताछ के बाद पुलिस की जांच आगे बढ़ी। डीजीपी ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में उमेश यादव ने गोपाल खेमका की हत्या की बात स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर 7.62 एमएम का 56 राउंड जिंदा कारतूस, एक 9 एमएम पिस्टल, दो मैगजीन एवं 14 गोली बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि अशोक साव ने हत्या की सुपारी दी थी। अशोक साव से उमेश यादव की मुलाकात बिहार शरीफ में डेढ़ साल पहले एक शादी समारोह में हुई थी। इसके बाद से ही उमेश अशोक साव के लिए छोटा-मोटा काम कर रहा था। डीजीपी ने बताया कि अशोक साव ने गोपाल खेमका की हत्या के लिए शूटर एवं हथियार की व्यवस्था के लिए बोला था। साथ ही अशोक साव ने दो मोबाइल खरीदा था। जिसमें एक अपने पास रखा और एक उमेश यादव को दिया और कहा कि हम लोग इसी से बात करेंगे। इन्हीं के इलाके के विकास उर्फ राजा जिस पर हत्या डकैती आर्म्स एक्ट के कुल 9 केस दर्ज हैं, उससे हत्या के लिए संपर्क किया गया।

शूटर विकास उर्फ राजा ने इसके लिए चार लाख की सुपारी मांगी। इसके बाद उमेश यादव के मन में विचार आया कि क्यों ना यह मर्डर स्वयं करके सुपारी की सारी राशि खुद रख ले। इसी क्रम में अशोक साव ने 9 एमएम का हथियार दो मैगजीन 18 गोली मुहैया करायी। साथ ही गोपाल खेमका का फोटो एवं गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर भी उपलब्ध कराया।

केंद्र शासित प्रदेश बनेंगे पर्यटन के आदर्श मॉडल : केंद्रीय मंत्री शेखावत

एजेंसी

श्रीनगर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि आने वाले समय में केंद्र शासित प्रदेश पर्यटन के आदर्श मॉडल बनेंगे, क्योंकि सभी केंद्र शासित प्रदेशों में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि देश की भौगोलिक विविधता और सांस्कृतिक विरासत को सही दिशा में प्रोत्साहित किया जाए, तो लद्दाख से लेकर पुडुच्चेरी तक सभी क्षेत्र वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भारत की एक नई छवि प्रस्तुत कर सकते हैं। श्रीनगर में केंद्र शासित प्रदेशों के पर्यटन सचिवों की दो दिवसीय बैठक के समापन सत्र में शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेशों में

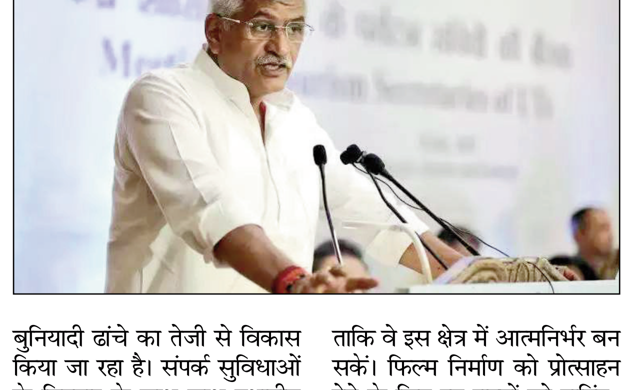

बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास किया जा रहा है। संपर्क सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को पर्यटन के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें। फिल्म निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए इन राज्यों को शूटिंग-फ्रेंडली लोकेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। उन्होंने बताया कि सतत विकास को ध्यान में रखते हुए 'ग्रीन टूरिज्म' की अवधारणा को भी तेजी से अपनाया जा रहा है, ताकि पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। शेखावत ने कहा कि यह सम्मिलित प्रयास भारत को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा और देश की सांस्कृतिक विविधता को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

भाजपा प्रशिक्षण शिविर : मैनपाट पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उल्टापानी में लगाया सिंदूर का पौधा

एजेंसी

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के मैनपाट में भारतीय जनता पार्टी के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान शिविर में शामिल हुए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहन उल्टापानी पहुंचे, जहां नीचे से ऊपर की ओर बहते पानी को देख कागज की नाव बनाकर पानी में बहाया।केंद्रीय मंत्री ने उल्टापानी में सिंदूर का भी पौधा लगाया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के विधायक, मंत्री और सांसद मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक अकेली पार्टी है, जो अपने कार्यकर्ताओं का वैचारिक और व्यहारिक प्रशिक्षण कराती है। पूरे देश में हमारे सांसद और विधायकों के प्रशिक्षण हो रहे हैं। प्रशिक्षण में आचरण, व्यवहार, अपने क्षेत्र में बेहतर काम कैसे करें इसकी ट्रेनिंग, सरकारी योजनाओं का लाभ और प्रचार-प्रसार को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका लाभ हमारे सांसद और विधायकों को मिलेगा। जिससे वे और दक्षता के साथ आगे काम कर सकेंगे। यह प्रशिक्षण केवल सांसद और विधायकों का नहीं बल्कि अलग-अलग श्रेणी के कार्यकर्ताओं का भी है।

भोपाल में वर्ल्ड रोज कन्वेंशन का आयोजन विश्व स्तर पर भारत की बढ़ती साख का प्रतिफलः राज्यपाल

एजेंसी

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 का भोपाल में आयोजन भारत के लिए ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण है। यह आयोजन विश्व स्तर पर भारत की बढ़ती साख का प्रतिफल है, भारत को विश्वगुरू के रूप में स्थापित करने की ओर बढ़ा कदम है।राज्यपाल पटेल भोपाल स्थित राजभवन में 21वें वर्ल्ड रोज कन्वेंशन-2028 संबंधी बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मध्य प्रदेश रोज सोसायटी के मुख्य संरक्षक के रूप में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी द्वारा भारत को 2028 के आयोजन की

मेजबानी के लिए मई में सौंपे गए ध्वज को ग्रहण किया। इस अवसर पर बताया गया कि कन्वेंशन का आयोजन भोपाल में वर्ष 2028 में 7 से 13 जनवरी तक होगा।बैठक का आयोजन राजभवन के सांदीपनि सभागार में इण्डियन रोज फेडरेशन के तत्वावधान में मध्य प्रदेश रोज सोसायटी द्वारा किया गया। राज्यपाल पटेल ने कहा कि वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी के ध्वज को ग्रहण करना देश और प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का पल है। यह ध्वज 2028 के ऐतिहासिक आयोजन के गौरवपूर्ण कार्यक्रम की जिम्मेदारी, वैश्विक संवाद और आतिथ्य के अभूतपूर्व अवसर का प्रतीक है।उन्होंने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी द्वारा भारत को पहली बार आयोजन की जिम्मेदारी सौंपने के लिए आभार ज्ञापित किया। उन्होंने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने पर सुशील प्रकाश को सम्मानित किया। इण्डियन रोज फेडरेशन और मध्य प्रदेश रोज सोसायटी को आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 का मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजन प्रदेश को विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाएगा।

रोज नहीं खाएं अण्डे

अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्टेमिना

एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी
कोल- 78 एमजी
सोडियम - 62 एमजी
(इससे बीपी व हार्टबीट बढ़ सकती है)
फैट- 5.3 ग्राम
प्रोटीन- 6 ग्राम
फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां,

जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यत: पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में

कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वहीं पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़ें इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती हैं। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

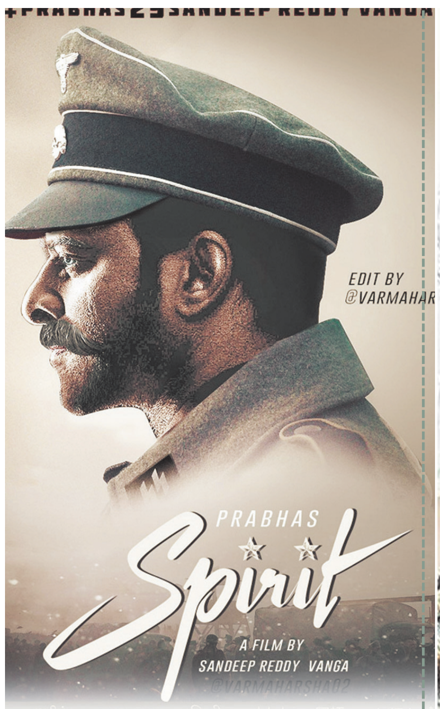

जल्द ही फ्लोर पर आएगी तृप्ति डिमरी-प्रभास की फिल्म स्पिरिट

साउथ एक्टर प्रभास अपनी आगामी फिल्म स्पिरिट में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम कर रहे हैं। यह उनकी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही प्रशंसकों में उत्साह पैदा कर दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म

एक खबर के मुताबिक, हाल ही में अमेरिका में एक इवेंट के दौरान संदीप के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 से शुरू होगी। स्पिरिट प्रभास और संदीप का पहला सहयोग है। इसमें प्रभास के किरदार के लिए खास स्टाइल में बदलाव की जरूरत होगी। इसलिए, संदीप ने प्रभास से पूरी तरह समय मांगा है। फिल्म को एक ही शेड्यूल में शूट करने की योजना है, ताकि कहानी और किरदार की गहराई बनी रहे।

दीपिका नहीं होंगी फिल्म का हिस्सा

पहले खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म का हिस्सा थीं, लेकिन शेड्यूल और समस्याओं के कारण उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद एनिमल फेम तृप्ति डिमरी को नई फीमेल लीड के रूप में चुना गया। तृप्ति की कास्टिंग को काफी सराहा जा रहा है। फिल्म की कहानी को अभी गुप्त रखा गया है। संदीप की यह फिल्म वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करेगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

स्पिरिट के अलावा प्रभास द राजा साब नाम की एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जो दिसंबर 2025 में रिलीज हो सकती है। यह फिल्म हल्की-फुल्की और मजेदार होगी। उनकी एक और फिल्म, जिसका नाम संभवतः फौजी है, निर्देशक हनु राघवपुडी के साथ है, जो देशभक्ति और ड्रामा पर आधारित हो सकती है। स्पिरिट के साथ प्रभास और संदीप एक ऐसी फिल्म लाने की तैयारी में हैं, जो एक्शन और भावनाओं से भरपूर होगी। सितंबर में शूटिंग शुरू होने के साथ फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

मानुषी ने बताया बॉलीवुड में कैसा रहा अब तक का सफर

मानुषी छिल्लर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। मानुषी को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। क्योंकि उनके तीन साल के बॉलीवुड करियर में एक भी हिट फिल्म नहीं है। ऐसे में 'मालिक' मानुषी के लिए काफी अहम फिल्म है।

अब तक बॉलीवुड जर्नी में अगर कुछ एक डिलीट करना हो, तो क्या करेंगी?

वैसे तो कुछ भी नहीं डिलीट करना चाहूंगी। क्योंकि हर एक पल ने कुछ न कुछ दिया है। उससे कुछ न कुछ सीखा है। हां, जब कोविड की वजह से लॉकडाउन लगा था, तब जरूर ये लगा था कि सब कुछ स्लो हो गया है। एक ठहराव आ गया है। वो भी इसलिए कि मैंने शुरू ही किया था और अचानक सब कुछ थम सा गया। हालांकि, उस वक्त उसकी जरूरत थी। लेकिन अंदर ही अंदर लगता था कि मैं और भी काम करना चाहती हूं। मेरी फिल्म जल्दी आए। मैं बस उस समय को थोड़ा कम करना चाहूंगी।

आपको अब तक बॉलीवुड ने कैसे ट्रीट किया है?

अभी तो शुरुआत हुई है। अभी तो सबकुछ अच्छा ही रहा है। जैसा किसी भी फील्ड में नए इंसान को ट्रीट किया जाता है, वैसा ही यहां मुझे किया जाता है। ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने मुझे बहुत अच्छा फील कराया है और मेरा साथ ही दिया है। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें मैं और भी जानना चाहूंगी। मैं धीरे-धीरे समझ ही रही हूं।

अभी तक की बॉलीवुड की जर्नी से क्या सीख मिली है? कहानी को देखकर फिल्म करो या फिर एक्टर और बैनर देखकर?

हालांकि, फिल्म एक पूरा पैकेज होती है। लेकिन कहानी और एक्टर-बैनर में से किसी एक को चुनना हो तो बेशक कहानी ही सबसे महत्वपूर्ण है, ये मुझे अब समझ में आया है। लेकिन कहीं न कहीं आप चाहेंगे कि एक अच्छा प्रोड्यूसर हो, जो उस कहानी को अच्छे से पैकेज करे। एक अच्छा निर्देशक हो जो उस कहानी को अच्छे से दिखाए। इसलिए अच्छी फिल्म बनाने में हर चीज की अपनी भूमिका होती है। सिर्फ कोई एक चीज फिल्म को अच्छा नहीं बनाती।

अपारशक्ति खुराना की तमिल सिनेमा में एंट्री

पीटीआई के अनुसार फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' की शूटिंग इन दिनों चेन्नई में चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन सूर्यप्रताप एस कर रहे हैं। इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में वह तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं।

तमिल सिनेमा का हिस्सा बनकर खुश अपारशक्ति

तमिल फिल्म 'रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' का हिस्सा बनकर अपारशक्ति खुराना उत्साहित हैं। वह कहते हैं, 'मैं रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम' के साथ तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत को लेकर एक्साइटेड हूं। फिल्म की कहानी काफी चुनौतीपूर्ण और अलग है। इस फिल्म की टैलेंटेड टीम के साथ काम करके काफी खुश हूं।' इस फिल्म के मेकर्स का भी कहना है, 'हम एक इमोशनल स्टोरी को साइंस फिक्शन, क्राइम थ्रिलर के साथ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

भाई के साथ फिल्मों में आए

अपारशक्ति खुराना के भाई आयुष्मान खुराना भी बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर हैं। अपारशक्ति, आयुष्मान से इंस्पायर हैं। दोनों भाइयों की बॉन्डिंग भी कमाल की है। दोनों भाई साथ ही मुंबई करियर बनाने आए। अपारशक्ति एक्टिंग में आने से पहले क्रिकेट में भी रुचि रखते थे। वह हरियाणा अंडर 19 क्रिकेट टीम के कैप्टन भी रह चुके हैं।

रावण के पुनर्जन्म की कहानी ला रहे प्रशांत नील और अल्लू अर्जुन, दीपिका होंगी हीरोइन!

रणबीर कपूर और यश के रामायण की पहली झलक आ गई है। नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन और नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म का 3 मिनट का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। यह फिल्म दो पार्ट में 2026 और 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी। रामायण की पौराणिक कथा और किरदारों में अगर आपकी दिलचस्पी है, तो अब साउथ सिनेमा में भी एक ऐसी फिल्म आ रही है, जिसमें हमें दशानन रावण की अनकही कहानी देखने को मिलने वाली हैं। दिग्गज निर्माता दिल राजू ने प्रशांत नील और अल्लू अर्जुन के इस प्रोजेक्ट की पुष्टि की है। जबकि एक रिपोर्ट में फिल्म की कहानी को लेकर नया दावा किया गया है। सिनेफाइल मोहम्मद इहसान नाम के यूजर ने x पर इसकी जानकारी दी है। उनका कहना है कि रावणम फिल्म में रावण के पुनर्जन्म की कहानी दिखाई जाएगी। यह फिल्म बताएगी कि राक्षस राजा की मृत्यु के बाद उसके साथ क्या हुआ और उसकी आत्मा को कैसे ले जाया गया।

खूंखार गैंगस्टर के रूप में होगा रावण का पुनर्जन्म?

बताया जाता है कि फिल्म की कहानी में एक पैरलल यूनिवर्स यानी समानांतर ब्रह्मांड होगा, जिसमें रावण का पुनर्जन्म एक खूंखार अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर के रूप में होता है। हालांकि, अभी तक यह सिर्फ चर्चा ही है, क्योंकि निर्माताओं को ऐसी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा

अभिनेत्री अनुष्का लुहार अपनी आने वाली फिल्म अक्षरधाम - ऑपरेशन वज्र शक्ति की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। अनुष्का ने बताया कि अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह सीनियर और टैलेंटेड अभिनेता हैं। उनके साथ काम करके काफी कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए एक काफी अच्छा और संतोषजनक अनुभव रहा। बचपन से ही मैं अक्षय खन्ना की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं और उनकी फैन रही हूं। उनकी फिल्म 36 चाइना टाउन में उनका अभिनय मुझे बहुत पसंद आया था। अब जब मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है, तो यह सपने जैसा लग रहा है और मेरे लिए वाकई में बहुत खास है। उन्होंने कहा, अक्षय सर सेट पर एक अलग ही शांति और एकाग्रता लेकर आते हैं। उनका तरीका बहुत प्रेरणादायक है। उन्हें काम करते हुए देखना, उनके समर्पण को महसूस करना अपने-आप में एक सीखने का अनुभव रहा है। उन्होंने अपने किरदार को सच्चाई और गहराई से निभाया है। इस फिल्म में पूरी टीम ने दिल से मेहनत की है, और ऐसे समर्पित और टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। अभिनेत्री ने निर्देशक केन घोष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, केन घोष का शांत स्वभाव, अटूट समर्थन और उनकी दयालुता ने पूरी फिल्म बनाने की प्रक्रिया को बहुत आसान और मजेदार बना दिया। मैं पहले भी जी5 की एक वेब सीरीज में उनके साथ काम कर चुकी हूं। इस सीरीज के दौरान उन्होंने मुझे सेजल के किरदार के लिए चुना था। उन्होंने मुझे ऑडिशन देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं उनके इस विश्वास के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, केन सर का धैर्य और उनका मिलनसार स्वभाव सेट पर सकारात्मक माहौल बनाता है। मैं उनके काम और हर प्रोजेक्ट में उनकी ईमानदारी की बहुत कदर करती हूं। उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी है, और मुझे सच में उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा जो हमें फिल्म बनाते वक्त हुआ। मैं भविष्य में उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगी। अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति 2002 में गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर हुए आतंकी हमले और उसके बाद हुई आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन की कहानी पर आधारित है।

साईं पल्लवी मेरी तरह सीता नहीं बन सकतीं

रामानंद सागर की 'रामायण' में सीता का किरदार निभा चुकीं दीपिका चिखलिया आज भी करोड़ों लोगों के लिए 'सीता माता' हैं। हाल ही में जब नितेश तिवारी की नई फिल्म 'रामायण' का टीजर सामने आया, तो उन्होंने बातचीत में इस पर राय रखी। उन्होंने फिल्म के विजुअल्स की तारीफ की, लेकिन साथ ही इस बात की चिंता भी जताई कि कहीं रामायण के असली इमोशंस बड़े बजट और तकनीक के बीच खो न जाए।

टीजर भव्य है, पर आत्मा दिखाई नहीं दी

दीपिका चिखलिया ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे विजुअल इफेक्ट्स अच्छे लगे। लेकिन मेरी अपनी राय है कि रामायण सिर्फ ग्राफिक्स या टेक्नोलॉजी नहीं है। ये एक भावनाओं की कहानी है। टीजर देखकर कहानी का अंदाजा नहीं लगा, लेकिन इतना जरूर लगा कि ये काफी मॉडर्न लग रहा है। लाइटिंग, रंगों का टोन... सब थोड़ा नया जमाने जैसा महसूस हुआ। दीपिका ने कहा कि जब उन्होंने रामायण की थी, तब तकनीक बहुत सीमित थी, लेकिन लोगों ने उस शो से दिल से जुड़ाव बनाया था। अब जो टीजर देखा, उसमें भव्यता है, लेकिन मैं इंतजार कर रही हूं यह देखने का कि क्या उसमें वो इमोशंस हैं या नहीं।

रणबीर को देखा...और याद आ गए अरुण गोविल जब दीपिका से पूछा गया कि रणबीर कपूर राम के रूप में कैसे लगे, तो उन्होंने कहा, जब मैंने रणबीर को राम के रूप में देखा, तो मुझे तुरंत अरुण गोविल की याद आ गई। मैं शायद कभी राम की जगह किसी और को देख ही नहीं पाऊंगी। वे 35-40 साल से हमारे लिए राम हैं।

साई पल्लवी मुझसे अलग होंगी, पर सीता को अच्छी तरह निभाएंगी

सीता के रोल में साई पल्लवी के चयन पर दीपिका ने कहा, वो एक बहुत अच्छी एक्ट्रेस हैं। मैंने उनकी मलयालम फिल्में देखी हैं। उनकी एक्टिंग बहुत नेचुरल होती है। मुझे पूरा भरोसा है कि वे सीता का किरदार अच्छे से निभाएंगी। हां, वो मुझसे अलग होंगी, लेकिन वो अपना काम अच्छे से करेंगी।

पहले से पहचाने चेहरे को भगवान मानना आसान नहीं होता

दीपिका ने बताया कि जब उन्होंने रामायण में काम किया था, तब लोगों ने उन्हें सच में देवी के रूप में देखना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, आज भी लोग मुझे और अरुण जी को राम-सीता ही मानते हैं। फर्क बस इतना है कि जब हम आए थे, तब हम बिल्कुल नए चेहरे थे। लोग हमें उसी रूप में स्वीकार कर पाए। लेकिन अब के कलाकार पहले से कई किरदार कर चुके हैं, इसलिए लोगों के लिए उन्हें भगवान के रूप में स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

राम जी को दशरथ के रूप में देखना आसान नहीं

नई फिल्म में अरुण गोविल दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इस पर दीपिका ने भावुक होकर कहा, जब मैंने सोशल मीडिया पर उन्हें दशरथ के रूप में देखा, तो दिल से यही निकला... ये तो राम जी हैं। उनके चेहरे पर वही शांति, वही छवि है। मुझे उन्हें दशरथ के रूप में देखना थोड़ा मुश्किल लगा।

रामायण में खुद को सिर्फ सीता के रूप में ही देख सकती हूं

दीपिका ने यह भी बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए किसी ने संपर्क नहीं किया। साथ ही उन्होंने खुद को किसी और किरदार में देखने से इनकार किया। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं सिर्फ सीता हूं। मैं खुद को किसी और रूप में रामायण में नहीं देख सकती। अगर महाभारत जैसा कुछ होता, तो सोचती। लेकिन रामायण में नहीं। रामायण को सिर्फ देखा नहीं, महसूस किया जाता है फिल्म के मेगा बजट (करीब 850 करोड़ रुपये) पर दीपिका ने कहा, रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं है। यह रिश्तों और भक्ति की गहराई है। इसे दिखाने के लिए पैसे नहीं, भावना चाहिए। रामायण को महसूस करना होता है, सिर्फ देखना नहीं होता। मुझे बस ये डर है कि इतने बड़े बजट और भारी विजुअल्स में इमोशंस पीछे न रह जाएं। असली रामायण वही है, जिसमें भक्ति और भावनाएं हों।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट आज से: लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण पिच पर होगी बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा

लंदन (एजेंसी)। शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में लॉर्ड्स की चुनौती पूर्ण पिच पर सफलता हासिल करने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करना होगा जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी से मेजबान टीम के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट जबकि भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच जीता था और इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला अभी बराबरी पर है। भारत की दूसरे मैच में 336 रन से जीत के बाद हालांकि समीकरण काफी बदल गए हैं। भारत ने अभी तक दोनों मैच में अधिकतर समय अपना दबदबा बनाए रखा है और अगर उसने पहले टेस्ट मैच में कुछ कैच नहीं छोड़े होते और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो वह श्रृंखला में 2-0 से आगे होता।

नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम की अनुभवहीनता को देखते हुए लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम उस पर हावी रहेगी लेकिन अभी तक जिस तरह से भारत ने प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए उसे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खली जिन्होंने इस श्रृंखला से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इससे भारत की मजबूत बेंच स्ट्रेंथ का भी पता चलता है।

गिल एंड कंपनी द्वारा बनाए गए रनों के पहाड़ ने बेन स्टोक्स की सपाट पिच तैयार करके विपक्षी टीम को मुकाबले से बाहर करने की रणनीति पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया।

सपाट पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की जबरदस्त सफलता मेजबान टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुई है। अब उन्हें ऐसे विकेट पर खेलना पड़ सकता है जिस पर अच्छी सीम मूवमेंट की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में ऊपर-नीचे जाने वाली ढलान की अनोखी चुनौती भी है। बुमराह और जोफ्रा आर्चर की वापसी से बल्लेबाजों का काम और कठिन हो जाएगा। आर्चर चार साल में इंग्लैंड के लिए अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं।

बल्लेबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए ज़्यादा चिंता की कोई बात नहीं है, सिवाय करुण नायर के फॉर्म के, जो लेंथ से उछलती गेंदों के सामने थोड़े असहज दिखे हैं। इंग्लैंड यशस्वी जायसवाल की शॉर्ट पिच गेंदों से परीक्षा लेने की कोशिश करेगा लेकिन पूरी संभावना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रन बनाने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लेगा। भारत की अंतिम एकादश में एकमात्र अपेक्षित बदलाव प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह का आना होगा।

लीड्स के बाद भारतीय तेज गेंदबाजों की प्रभावशीलता पर गंभीर सवालिया निशान उठे थे, लेकिन आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और बुमराह की तिकड़ी आक्रमण को एक शक्तिशाली रूप देती है। दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेकर आकाश दीप ने इंग्लैंड में स्वप्निल शुरुआत की और हर समय विकेट को निशाना बनाने की उनकी आदत को देखते हुए घरेलू टीम के बल्लेबाजों को इस चतुर गेंदबाज के खिलाफ अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी।

सिराज को 2021 में लॉर्ड्स में अपने मैच जीतने वाले प्रयास से आत्मविश्वास मिलेगा, जबकि बुमराह सबसे सपाट पिचों पर भी खतरनाक साबित होते हैं और यहां तो परिस्थितियां उनके अनुकूल हो सकती हैं। एजबेस्टन में भारत ने तीन ऑलराउंडर खिलाए, जिनमें रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के रूप में दो स्पिनर शामिल थे। यह जोड़ी आगे भी बने रहने की संभावना है। भारतीय टीम में नितीश रेड्डी एकमात्र तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर होंगे जिनका मुख्य कौशल बल्लेबाज़ी है।

जोफ्रा आर्चर की वापसी से इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत होगा। पूरी तरह से फिट होने के बाद, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी टीम में वापस आ गए हैं। इंग्लैंड ने आर्चर को टीम में शामिल करके अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की कोशिश की है। वह टीम में जोश टंग की जगह लेंगे। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए अपनी एकादश में एकमात्र यही बदलाव किया है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली पर दबाव होगा जबकि कप्तान बेन स्टोक्स से भी अधिक रन की उम्मीद है, जिन्होंने गेंदबाजी में लय हासिल करने में ज्यादा समय नहीं लगाया लेकिन उनकी बल्लेबाजी के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अब तक श्रृंखला में दर्शकों की संख्या असाधारण रही है और लॉर्ड्स में भी स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

इंग्लैंड की अंतिम 11 : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

जसप्रीत बुमराह वापसी को तैयार, लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन (एजेंसी)। लंदन ~ जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया। कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच खेलने वाले सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। सिराज हमेशा मैदान पर अपना शत प्रतिशत देते हैं लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उनके काम के बोझ का प्रबंधन किया जाएगा।

कोटक ने कहा, 'काम के बोझ का प्रबंधन केवल बुमराह के लिए नहीं है। हर गेंदबाज की फिटनेस, हर गेंदबाज की समस्या अलग होती है। लेकिन मुझे लगता है कि बीच में पर्याप्त आराम मिलता है। इस मैच के बाद लंबा ब्रेक है। लेकिन सिराज ऐसे खिलाड़ी हैं जो बहुत गेंदबाजी करते हैं।% ल्लेबाजों में करुण नायर और साई सुदर्शन ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। नायर ने अब तक श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

सीरीज को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकते : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अभी से ये नहीं कहा जा सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज कौन सी टीम जीतेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। वहीं 3 मैच होने हैं जिससे सीरीज के परिणाम तय होंगे। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की जीत के बाद गांगुली स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि आगे के मैचों में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी पर कहा कि सीरीज में अभी तीन मैच शेष हैं, इसलिए परिणाम के बारे में अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। गांगुली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम पहले दो मैचों की तरह ही तीसरे मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करेगी। साथ ही, उम्मीद करता हूं कि टीम 20 विकेट लेने में भी सफल रहेगी, जिससे जीत मिलने की संभावना बढ़ जाये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगले टेस्ट में जसप्रीत बुमराह भी टीम में आ जाएंगे। इससे हमारी गेंदबाजी और भी बेहतर हो जाएगी और हम इंग्लैंड के 20 विकेट आसानी से ले सकेंगे।

शुभमन गिल ने लगाई 15 स्थान की लम्बी छलांग, टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में अपने जबरदस्त प्रदर्शन की बदौलत 15 पायदान ऊपर चढ़कर टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक हमवतन जो रूट को पछाड़ कर शीर्ष पर पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग के अनुसार एजबस्टन में पहली पारी में 158 रन बनाने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने साथी जो रूट को पछाड़ कर जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है और अब रूट से 18 अंक आगे हो गए हैं। जो रूट अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दूसरे टेस्ट में 269 और 161 रनों की ऐतिहासिक पारियां खेलने वाले भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 15 स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 807 रेटिंग अंक हैं। इसके अलावा केन विलियमसन (तीसरे), यशस्वी जायसवाल (चौथे) और स्टीवन स्मिथ (पांचवें) हैं। अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 184 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को भी फायदा हुआ है, वह 16 पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ऑलराउंडर वियान मुल्डर को बल्लेबाजों और ऑलराउंडरों, दोनों की रैंकिंग में फायदा हुआ है।

श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर हसरंगा बंगलादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

कैंडी । श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोट के कारण बंगलादेश के खिलाफ शुक्रवार से शुरु होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए है। बंगलादेश के खिलाफ पहले एकदिवसीच मैच में श्रीलंका को मैच में वापसी दिलाने हसरंगा आखिरी एकदिवसीय मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। मेजबान टीम श्रीलंका ने यह एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीती ली थी। हसरंगा के स्थान पर अभी तक किसी अन्य खिलाड़ी का चयन नहीं किया गया है। वह कोलंबो लौटकर हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया शुरू करेंगे। चरित असालंका श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगे।

श्रीलंका टीम : चरित असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, दिनेश चांडीमल, कुसल परेरा, कामिंडु मेंडिस, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका, डुनिथ वेलालेज, महीश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, चमिका करुणारत्ने, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, बिनुरा फर्नांडो और ईशान मलिंगा।

पंड्या इस कारण नहीं खेलते टेस्ट क्रिकेट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और वह केवल सीमित ओवरों (एकदिवसीय ओर टी20) प्रारुप के लिए भी उपलब्ध होते है। पंड्या ने अंतिम बार साल 2018 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं साल 2021 में पंड्या ने टेस्ट टीम में वापसी की थी पर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। इसके बाद 2021 टी20 विश्व कप के बाद, पंड्या ने खेल से ब्रेक लिया और आईपीएल 2022 में वापसी की। पंड्या ने करियर में भारत के लिए 11 मैचों की 18 पारियों में कुल 532 रन बनाए हैं। इसके अलावा 19 पारियों में गेंदबाज करते हुए उन्होंने 17 विकेट लिए हैं। उनके टेस्ट मैच न खेलने का मुख्य कारण फिटनेस है। वह अपने करियर में चोटों से काफी परेशान रहे हैं। उन्हें कई बार चोट का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वह अपने करियर को लंबा बनाये रखने टेस्ट से दूरी बनाये हुए हैं। उनके पीठ का दर्द उनके टेस्ट क्रिकेट न खेलने के पीछे के कारणों में से एक है। पंड्या ने भी एक बार कहा था कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलकर अपनी पीठ को जोखिम में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मैं खुद को एक बैक-अप सीमर मानता हूं। पीठ की सर्जरी के बाद मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना परेशानी खड़ी कर सकता है हालांकि अगर वह केवल टेस्ट ही खेलते और सीमित ओवरों के लिए उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वे टेस्ट खेल सकते थे।

दक्षिण अफ्रीका की जिम्बाब्वे पर 20 साल में सबसे बड़ी जीत, श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया

बुलावायो (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया।

दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गई थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गई। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाए जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था।

मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी और सुबह के सत्र में टीम ने दो विकेट गंवाए, जिसमें अनुभवी सीन विलियम्स भी शामिल थे।

विलियम्स ने मुल्डर की गेंद को रोकने की कोशिश की और 11 रन पर अपना ऑफ स्टंप गंवा बैठे। लंच से पहले निक वेल्च (55) ने अपने पांचवें टेस्ट में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद सेनुराम मुथुसामी की गेंद पर मुल्डर के हाथों कैच आउट हो गये। वेल्च का विकेट गिरने के बाद टीम ने 28 ओवरों में 67 रन पर बाकी के सात विकेट गंवा दिये। कप्तान क्रेग एर्विन ने एक छोर से संभल कर खेलते हुए 95 गेंदों में 49 रन की जुझारू पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने चार जबकि मुथुसामी ने तीन और कोडी यूसुफ दो विकेट लिए। जिम्बाब्वे ने बुलावायो में अपना पिछला मैच 2001 में जीता था। उसने इस दौरान 22 टेस्ट खेले और इनमें से 17 में हार का सामना करना पड़ा।

आर्चर बन सकते हैं शुभमन के लिए चुनौती : ब्रॉड

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के लिए मुसीबत बन सकते हैं। इसका कारण है कि आर्चर के खिलाफ टेस्ट में शुभमन सफल नहीं रहे है। शुभमन ने इस सीरीज के पहले दोनो ही मैचों में शतक लगाये हैं। इससे ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। शुमभन अब तक वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हालांकि ब्रॉड और जोस बटलर का मानना है कि जोफ्रा के खिलाफ उनके लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा।

भारतीय कप्तान ने एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक भी लगाया थाहै। इंग्लैंड के गेंदबाज उन्हें बड़ी मुश्किल से आउट कर पाये हैं। उन्होंने सीरीज के शुरुआती दो मैचों की चार पारियों में 146.25 के औसत से 585 रन बनाए हैं। ब्रॉड और बटलर ने तीसरे मैच में आर्चर के संभावित प्रभाव पर बात करते हुए कहा कहा, वह बस शानदार फॉर्म में थे। ऐसा नहीं लग रहा था कि उन्हें कुछ दिक्कत हो सकती है। उनसे कुछ गलत नहीं किया। विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद से, वह नंबर चार पर आ गए हैं और शतक, एक बड़ा दोहरा शतक, एक बड़ा 150 रन बना चुके हैं बस कमाल है। ऐसा लगता है कि उनकी कोई कमजोरी नहीं है।

वहीं जोस बटलर ने कहा, मुझे लगता है कि जो गेंद पिच होने के बाद अंदर आती है और उसमें वह बोल्ड होते हैं। जोफ्रा आर्चर लॉर्ड्स में टीम में वापसी करेंगे वह ऐसी ही गेंदें करते है। उन्होंने आईपीएल में शुभमन को बोल्ड किया था लेकिन इसके अलावा, वह एक बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं। भारत तकनीकी रूप से कई बेहतरीन खिलाड़ी तैयार करता है।

आर्चर को बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच से पहले स्क्वॉड में शामिल किया गया था पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। आर्चर चार साल बाद टेस्ट प्रारूप में खेलने के लिए उतरेंगे। उन्होंने ससेक्स के लिए एक मैच खेला है। शुभमन ने तीन पारियों में आर्चर का सामना किया है। जिसमें उन्होंने 18 रन बनाए हैं और दो बार आउट हुए हैं। आर्चर की तेजी भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी बन सकती है।

एशियाई चैंपियनशिप पर रहेंगी मनु की नजरें

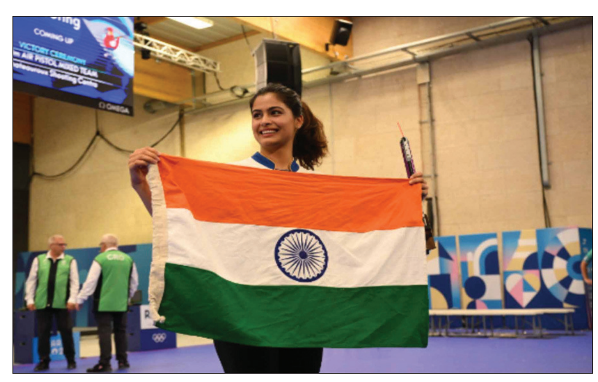

पेरिस । ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का लक्ष्य अब कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना रहेगा। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में केवल मनु ही दो व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेंगी। वहीं निशाने बाजी महासंघ ने सात से 15 सितंबर तक चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 निशानेबाज हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। मनु इसमें महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई भी शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं। जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी!

पहलवान सुशील कुमार ने रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू की, 2021 से हत्या के आरोप में जेल में थे

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली ~ दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार ने एक हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में जमानत मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है। कभी भारतीय कुश्ती का चेहरा माने जाने वाले इस प्रतिष्ठित एथलीट ने इस हफ्ते की शुरुआत में रेलवे कार्यालय में रिपोर्ट की जो अदालतों से प्रशासनिक कार्यों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत है।

सुशील साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के सिलसिले में 2021 से न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मार्च की शुरूआत में मुकदमे की प्रक्रिया में लंबी देरी का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दी थी। हालांकि जाच अभी भी जारी है और उनकी कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन जमानत ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी स्थिति फिर से हासिल करने का मौका दिया है।

रेलवे सूत्रों ने के मुताबिक वर्तमान में उत्तर रेलवे में वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक के पद पर नियुक्त कुमार औपचारिक पोशाक में ड्यूटी पर आए और मीडिया की बढ़ती दिलचस्पी के बीच कम प्रोफाइल बनाए रखी। अधिकारियों ने उनकी बहाली की पुष्टि करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया सेवा नियमों के अनुसार की गई। उनकी वापसी पर जनता की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही है। जहां कुछ लोगों ने हत्या के एक मामले में आरोपी व्यक्ति की बहाली की आलोचना की है, वहीं कुछ का तर्क है कि दोषी साबित होने तक सुशील निर्दोष हैं और अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां फिर से शुरू करने के हकदार हैं।

कभी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले कुमार का ओलंपिक पोडियम (बीजिंग 2008 में कांस्य और लंदन 2012 में रजत) से लेकर हत्या के आरोपी बनने तक का सफर पूरे देश को स्तब्ध कर गया है। फिलहाल यह कुश्ती स्टार चुपचाप अपनी सामान्य जिंदगी में लौटने पर ध्यान केंद्रित करता दिख रहा है। हालांकि अदालती कार्यवाही अभी भी जारी है और इस मामले का साया उनकी वापसी की कोशिशों पर मंडरा रहा है।

साल्ट का बल्ला जांच में सही पाया गया : ईसीबी

लंदन । आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम में शामिल रहे फिल सॉल्ट पर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में बल्ले के गेज को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे पर बाद में वह इस मामले में बरी हो गये हैं। साल्ट को वाइटैलिटी ब्लास्ट में नॉर्थैम्पटनशायर स्टीलबैक्स के खिलाफ लंकाशायर लाइटनिंग के मैच में लक्ष्य का पीछा करते समय पहले ओवर में ही सवाल उठे थे। तब अंपायर ने सॉल्ट के बल्ले का आकार मापने के लिए बैट-गेज की जांच की थी। यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिससे यह तय किया जाता है कि बल्ला निर्धारित मापदंडों के अंदर बना है या नहीं पर उस समय उनका बल्ला बल्ला-गेज से नहीं गुजर पाया और उसे टेस्ट में असफल घोषित कर दिया गया। पहली बार में टेस्ट में फेल होने के बाद सॉल्ट के बल्ले का गेज मैच के बाद भी देखा गया। इस दौरान उनका बल्ला जांच में पास हो गया। इसके बाद भी अंपायर्स ने बल्ले को आगे की जांच के लिए भेज दिया। लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने कहा है कि बल्ला उसमें भी सही पाया गया है। ऐस में इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एंटी-करप्शन कोड के किसी भी उल्लंघन से भी इस क्रिकेटर को दोषमुक्त कर दिया गया। सॉल्ट का कहना था कि वह पिछले दो साल से यही बल्ला इंग्लैंड, लंकाशायर और आईपीएल में इस्तेमाल करते रहे है और इस पर किसी ने भी कभी कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी।